PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, गुरुवार
08.10.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 343

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक
https://rashtriyamukhyadhara.com/

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक
PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

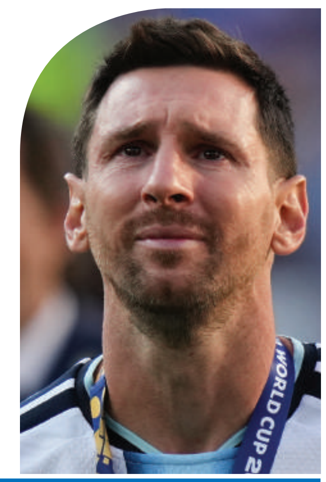

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

सीएम की मां रूपी सोरेन का निधन

एजेंसी, रांची

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन का निधन हो गया है। उनके निधन की जानकारी डॉ. दीपक गुप्ता व डॉ. उज्जवल राय ने दी है। रूपी सोरेन के निधन की खबर से सोरेन परिवार में शोक की लहर है। परिवार, करीबियों व समर्थकों के बीच भी मातम का माहौल है। रूपी सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता रहे शिबू सोरेन की पत्नी थीं। वह सोरेन परिवार की महत्वपूर्ण सदस्य थीं व परिवार के सुख-दुख में हमेशा साथ रहीं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां होने के साथ उनका शिबू सोरेन के पारिवारिक व राजनीतिक जीवन में भी महत्वपूर्ण स्थान रहा।

सोरेन परिवार में मातृशोकः रूपी सोरेन के निधन से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व उनके परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। निधन की खबर सामने आने के बाद मुख्यमंत्री आवास व परिवार से जुड़े लोगों के बीच शोक का माहौल है। परिवार के करीबी लोग व समर्थक शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए पहुंचने लगे हैं। रूपी सोरेन लंबे समय से सोरेन परिवार का अभिन्न हिस्सा रही थीं। परिवार के सदस्यों के साथ उनके करीबी व आत्मीय संबंध थे।

▪ प्रदेश में शोक की लहर

उनके निधन से परिवार ने अपनी एक महत्वपूर्ण सदस्य को खो दिया है।

अंतिम दर्शन व अंतिम संस्कार की तैयारीः रूपी सोरेन के अंतिम दर्शन व अंतिम संस्कार को लेकर परिवार की ओर से आगे की जानकारी साझा की जाएगी। अंतिम दर्शन के स्थान. व समय के साथ अंतिम संस्कार से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद उसमें आवश्यक अपडेट किया जाएगा। उनके अंतिम दर्शन के लिए परिवार के करीबी लोगों के अलावा राजनीतिक नेता, झामुमो कार्यकर्ता व समर्थकों के पहुंचने की संभावना है। प्रशासन की ओर से भी आवश्यक व्यवस्था की जा सकती है।

राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में शोकः रूपी सोरेन के निधन की खबर के बाद झारखंड के राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में भी शोक की लहर है। शिबू सोरेन के परिवार से लंबे समय से जुड़े नेताओं व कार्यकतार्ओं के लिए यह बेहद भावुक क्षण है। झारखंड की राजनीति में सोरेन परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे में रूपी सोरेन के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं व सामाजिक संगठनों की ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं।

कौन थीं रूपी सोरेनः रूपी सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व झामुमो के वरिष्ठ नेता शिबू सोरेन की पत्नी व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां थीं। सोरेन परिवार झारखंड की राजनीति में लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। परिवार में रूपी सोरेन का विशेष स्थान था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कई मौकों पर अपने माता-पिता व परिवार के प्रति अपने लगाव का उल्लेख करते रहे हैं। रूपी सोरेन परिवार के लिए मातृशक्ति के रूप में महत्वपूर्ण थीं। उनके निधन से परिवार व करीबियों में गहरा शोक है।

समर्थकों में शोकः रूपी सोरेन के निधन की खबर सामने आने के बाद झामुमो समर्थकों व सोरेन परिवार से जुड़े लोगों में शोक की स्थिति है। लोग व्यक्तिगत रूप से व सोशल मीडिया के माध्यम से भी शोक संवेदनाएं व्यक्त कर रहे हैं। परिवार की ओर से अंतिम संस्कार व अन्य कार्यक्रमों को लेकर आधिकारिक जानकारी साझा किए जाने का इंतजार है। इसके बाद अंतिम दर्शन व अंतिम संस्कार से संबंधित विस्तृत जानकारी सामने आएगी।

जनसेवा को जीवन का ध्येय बनाकर राष्ट्रसेवा के पथ पर बढ़े प्रधानमंत्री मोदी : नितिन नवीन

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के प्रमुख (हेड ऑफ गवर्नमेंट) के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने जनसेवा को अपने जीवन का ध्येय बनाया और सत्ता को सेवा का माध्यम मानकर राष्ट्रसेवा के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहे। इंदिरा गांधी स्टेडियम इंदौर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बुधवार को नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सेवा और समर्पण की 25 वर्षों की अनवरत एवं अविचल यात्रा के लिए वह 140 करोड़ देशवासियों और भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हैं।

उन्होंने कहा कि 25 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने परिश्रम और समर्पण से देशवासियों के जीवन में विकास, आत्मविश्वास और स्वाभिमान का उजाला फैलाने का निरंतर प्रयास किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का सार्वजनिक जीवन जनसेवा को राष्ट्रसेवा से जोड़ने और राजनीति को सेवा का माध्यम बनाने के संकल्प की यात्रा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 7 अक्टूबर 2026 को सरकार के मुखिया के रूप में अपने 25 वर्ष पूरे कर लिए। उनके सार्वजनिक जीवन की यह यात्रा 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई थी। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर लगातार तीन कार्यकाल पूरे किए।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में करीब 13 वर्षों की जिम्मेदारी संभालने के बाद नरेन्द्र मोदी ने 26 मई 2014 को देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद 2019 में दूसरी बार और जून 2024 में लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। इस तरह मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक उनका करीब ढाई दशक का सफर पूरा हुआ है। जून 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार कार्यकाल के मामले में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वह लगातार सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने। इस मामले में उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के लगातार कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। 25 वर्षों के इस सफर में गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

वृंदावन के गुरुकुलम में वाटर टैंक में हादसा, चार छात्रों की मौत

एजेंसी, मथुरा

उत्तर प्रदेश में जनपद मथुरा के वृंदावन के चैतन्य विहार सेक्टर- दो स्थित पाणिनि संस्कृत गुरुकुलम में मंगलवार रात पानी के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्र का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद से गुरुकुलम का संचालक फरार है। पुलिस के अनुसार, जिस जगह गुरुकुलम संचालित हो रहा है, वहां एक साल पहले तक 'उमा

कमला' नाम से गेस्ट हाउस चलता था। वर्तमान में आशीष शर्मा ने इसे किराये पर लेकर गुरुकुलम शुरू किया, जहां लगभग 100 छात्र रहकर संस्कृत की पढ़ाई कर रहे हैं। मंगलवार रात करीब 10 बजे गुरुकुल संचालक आचार्य आशीष ने छात्रों को पीछे बने लगभग 12 फीट गहरे बंद पानी के टैंक को साफ करने के लिए कहा। पुलिस ने बताया कि निर्देश मिलने पर पांच छात्र सफाई के लिए उतरे। सबसे पहले मनु कटारे टैंक का ढक्कन खोलकर अंदर उतरे, जहां जहरीली गैस के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें बचाने के चक्कर में एक-एक करके बाकी विशू शर्मा (19, मेरठ), आर्यन पांडेय (16, प्रयागराज) और देवांश शर्मा (17) भी टैंक में उतर गए और उसकी चपेट में आ गए। छात्रों की चीख-पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाले कृष्णा तिवारी पहुंचे और अन्य आचार्यों व छात्रों की मदद से सभी को बाहर निकाला। सूचना पाकर पर पहुंची पुलिस छात्रों को रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम तथा सौ शैया अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मनु कटारे (22, जबलपुर), विशू शर्मा (19, मेरठ), आर्यन पांडेय (16, प्रयागराज) और देवांश शर्मा (17) को मृत घोषित कर दिया। रुद्राक्ष अस्पताल में भर्ती है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस का 10वां संस्करण शुरू, 6जी और एआई पर फोकस

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) का 10वां संस्करण बुधवार को नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को इसका औपचारिक उद्घाटन करेंगे। 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस आयोजन में 6जी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सैटेलाइट कम्युनिकेशन, साइबर सुरक्षा और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नए प्रयोगों और नवाचारों पर चर्चा होगी। इस वर्ष आईएमसी की थीम 'स्केल विदाउट बाउंड्रीज' रखी गई है। आयोजन में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल, 1.50 लाख से अधिक प्रतिभागी, 300 से अधिक प्रदर्शक एवं साझेदार तथा करीब 500 स्टार्टअप हिस्सा ले रहे हैं। 400 से अधिक कंपनियां अपने उत्पादों और तकनीकी नवाचारों का प्रदर्शन करेंगी। दूरसंचार विभाग और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) संयुक्त रूप से इसका आयोजन कर रहे हैं। आईएमसी 2026 के चार प्रमुख स्तंभ सृष्टि, संवर्धन, सशक्त और सुरक्षा हैं। सृष्टि के तहत 6जी, एआई आधारित टेलीकॉम नेटवर्क, एज और क्लाउड कंप्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन तथा सेमीकंडक्टर जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों पर ध्यान दिया जा रहा है।

तंजानिया में भारत का आईपीयू सभा में पाकिस्तान को जवाब, कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा

एजेंसी, नई दिल्ली

तंजानिया के अरुशा में 153वीं अंतर-संसदीय संघ (आईपीयू) सभा में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को विभिन्न समितियों की बैठकों और चर्चाओं में हिस्सा लिया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सभा के दूसरे दिन की कार्यवाही में भाग लिया। राज्यसभा सचिवालय की ओर से बुधवार को जारी जानकारी के अनुसार, हरिवंश ने आईपीयू सभा की बैठकों में हिस्सा लिया और कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की ओर से की गई टिप्पणियों पर जवाब देने के अधिकार का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है तथा भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है।

लोकसभा सदस्य संजय जायसवाल ने आईपीयू की स्वास्थ्य समिति के सत्र में हिस्सा लिया और समिति के साथ एक क्षेत्रीय दौरे में भी शामिल हुए। लोकसभा सदस्य अनुराग सिंह ठाकुर ने लोकतंत्र और मानवाधिकार संबंधी स्थायी समिति की बैठक में हिस्सा लिया तथा 'सभी के लिए समावेशी सामाजिक विकास : दिव्यांग लोगों के अधिकारों और सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए संसदीय रणनीतियां' विषय पर मसौदा प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लिया। लोकसभा सदस्य कमलजीत सहरावत ने शांति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी स्थायी समिति की बैठक में हिस्सा लिया और 'शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण : स्थायी शांति के लिए संसदीय कूटनीति, मध्यस्थता और संवाद' विषय पर चर्चा में भाग लिया। राज्यसभा सदस्य सस्मित पात्रा ने इसी समिति के पैनल विमर्श में 'सैन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में शांति सुनिश्चित करने में संसदों की भूमिका' विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने लोकतंत्र और मानवाधिकार संबंधी स्थायी समिति की चर्चाओं में भी भाग लिया और प्रस्ताव के मसौदे को तैयार करने में योगदान दिया।

सीजेपी और एआईएसए 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी मांगों को लेकर 10 अक्टूबर को यहां के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और एआईएसए की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने बुधवार को प्रेस क्लब में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। सौरव दास ने कहा कि सीजेपी, सभी छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ मिलकर 10 अक्टूबर को सड़कों पर उतरेगी और चुनावी व्यवस्था में सुधार होने के बाद ही वापस लौटेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के आह्वान के खिलाफ साजिश रचने के बजाय, व्यवस्था में सुधार पर बातचीत के लिए युवाओं के प्रतिनिधिमंडल को क्यों नहीं बुला सकती। उन्होंने सरकार पर विरोध प्रदर्शन को पटरी से उतारने और तनावपूर्ण एवं हिंसक माहौल बनाने का आरोप लगाया है। सौरव ने कहा कि एक लंबे आंदोलन के लिए तैयार रहें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे हममें से कितनों को हिरासत में लेते हैं, याद रखें कि यह लड़ाई तो लड़नी ही है, चाहे हम हों या न हों।

जेपी नड्डा के काफिले पर हमले के मामले में छह साल बाद टीएमसी नेता 'पुष्पा' उर्फ जहांगीर खान गिरफ्तार

एजेंसी, कोलकाता

दिसंबर 2020 में डायमंड हार्बर के शिराकोल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हुए हमले के मामले में करीब छह साल बाद नया घटनाक्रम सामने आया है। उस्ती थाना पुलिस ने मामले की पुनः जांच के दौरान स्थानीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता 'पुष्पा' उर्फ जहांगीर खान को गिरफ्तार किया है। जहांगीर पहले से ही एक अन्य मामले में जेल में बंद था। पुलिस ने उसे इस मामले में 'शोन अरेस्ट' दिखाया है। डायमंड हार्बर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जोनल) अभिषेक मजूमदार ने बुधवार को गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की नए सिरे से जांच के तहत अब तक चार आरोपितों को

गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पुनः जांच के दौरान तौसीफ अहमद, आरिफ हुसैन और अनीसुर रहमान को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान सामने आए बयानों के आधार पर पुलिस को कथित तौर पर जहांगीर खान की भूमिका के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद उसे भी इस मामले में आरोपित करते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ के बाद चलाए गए तलाशी अभियान में दो अवैध आग्नेयास्त्र और चार राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। फिलहाल चारों आरोपित पुलिस हिरासत में हैं। पुलिस हमले की पूरी घटना और इसके पीछे कथित साजिश की कड़ियों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, जहांगीर खान के खिलाफ वर्ष 2019 में भी एक मामला दर्ज हुआ था, जिसमें उसे अदालत से राहत मिली थी। इसके अलावा फलता विधानसभा क्षेत्र में चुनाव से पहले भी कलकत्ता उच्च न्यायालय से उसे राहत मिली थी। बाद में अदालत द्वारा ये कानूनी राहतें वापस लिए जाने के बाद पुलिस के लिए उसकी गिरफ्तारी का रास्ता साफ हुआ।

रूस में ब्लैक सी तट के पास तेल टैंकर पर ड्रोन हमला, चालक दल के 23 सदस्यों को बचाया गया

एजेंसी, मॉस्को

रूस के काला सागर (ब्लैक सी) तट पर मंगलवार को ड्रोन और बिना चालक वाली सतही नावों से किए गए हमले से लाइबेरिया के ध्वज वाले तेल टैंकर एफ्रामैक्स रियो में आग लग गई। इस टैंकर पर चालक दल के 23 सदस्य सवार थे। रूसी अधिकारियों के अनुसार, सभी को सुरक्षित बचा लिया गया और किसी को चोट नहीं आई। तास की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया है कि बचाए गए चालक दल के सदस्य भारतीय नागरिक हैं।

तास की रिपोर्ट के अनुसार, रूस के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि टैंकर पर हमले के बाद सोची के पास ब्लैक

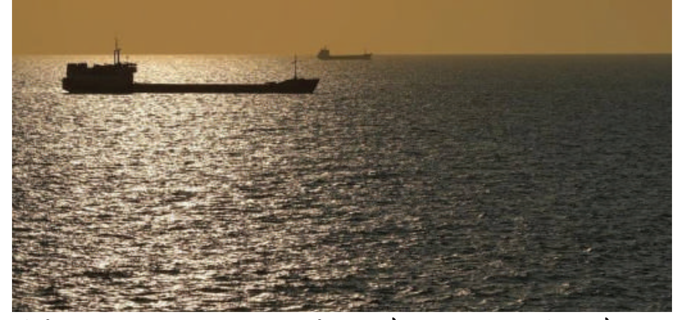

सी में आग लग गई। क्रूड ऑयल खुले समुद्र में जलने लगा। मंत्रालय ने बताया कि टैंकर पर आग लगी हुई है। आग बुझाने का काम उसकी तीव्रता कम होने के बाद शुरू किया जाएगा। परिवहनमंत्री आंद्रे निकितिन ने कहा कि आग बुझाने के लिए उपलब्ध संसाधन और बल काफी हैं। टैंकर पर हमले के बाद रूस के परिवहनमंत्री आंद्रे निकितिन ने संकट से निपटने के लिए आपात बैठक की। परिवहन मंत्रालय ने बताया कि एफ्रामैक्स रियो टैंकर के क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया और किसी की जान नहीं गई। इस दौरान सिरीयस संघीय क्षेत्र में समुद्र तट बंद कर दिए गए और हवा व पानी की गुणवत्ता की निगरानी की जा रही है। सिरीयस प्रशासन प्रमुख दिमित्री प्लिश्किन ने कहा कि प्रदूषक स्तर अनुमत सीमा से कई गुना कम है और स्वास्थ्य के लिए कोई खतरा नहीं है।

परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्र असामाजिक नहीं: हाईकोर्ट

एजेंसी, मुंबई । मुंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के खिलाफ़ प्रदर्शन कर रहे छात्र असामाजिक तत्व नहीं हैं। चीफ़ जस्टिस महेश चंद्र त्रिपाठी और जस्टिस अद्वैत सेठना की बेंच ने कहा कि सरकार को यह भरोसा दिलाना होगा कि जब भी परीक्षाएं आयोजित की जाएं, वे "निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना किसी गड़बड़ी के" हों। मुंबई उच्च न्यायालय आज पुणे निवासियों द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। यह याचिका एमपीएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी और परीक्षा से जुड़े विवादों को लेकर शहर में छात्रों और अन्य लोगों के चल रहे विरोध प्रदर्शनों के खिलाफ़ दायर की गई थी। न्यायालय ने कहा कि सरकार को लोगों, खासकर छात्रों का ऐसी परीक्षाओं में भरोसा बहाल करने के लिए ईमानदार प्रयास सुनिश्चित करना होगा। परेशान छात्रों को विरोध करने का अधिकार है। अदालत ने कहा, "अगर उन्हें मौका नहीं मिलता और उन्हें लगता है कि कोई गड़बड़ी हुई है तो उन्हें विरोध करने का अधिकार है क्योंकि उन्होंने पढ़ाई में घंटों का समय दिया है।" राज्य सरकार की ओर से पेश एडवोकेट जनरल मिलिंद साठे ने कहा कि अधिकारी उचित संयम बरत रहे हैं और उन्होंने किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ़ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है।

बिंदल मॉल उडिपी रेस्टोरेंट फायरिंग कांड का बड़ा खुलासा

राष्ट्रीय मुख्यधारा || बृजराज सिंह

पुलिस मुठभेड़ में दो शूटर घायल, पुलिस का सर्विस रिवॉल्वर छीनकर भागने और फायरिंग का आरोप

कुल 8 आरोपी गिरफ्तार, 9 एमएम व 7.62 एमएम की पिस्टल, गोलियां, बाइक, मोबाइल व राउटर बरामद

जमशेदपुर : सोनारी थाना क्षेत्र के मरीन ड्राइव स्थित बिंदल मॉल के उडिपी रेस्टोरेंट में 26 सितंबर 2026 को हुई सनसनीखेज गोलीबारी की घटना का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में घटना को अंजाम देने वाले शूटरों, साजिशकर्ताओं तथा आरोपियों को संरक्षण और भागने में मदद करने वाले कुल 8 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 9 एमएम और 7.62 एमएम की सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल, गोलियां, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और राउटर बरामद किए हैं।

यह मामला सोनारी थाना कांड संख्या 80/2026, दिनांक 26 सितंबर 2026 से संबंधित है। मामले में धारा 109(1), 111(2)(बी), 61(2), 3(5) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

उडिपी रेस्टोरेंट में बरसाई गई थीं 12 गोलियां

पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे मरीन ड्राइव स्थित बिंदल मॉल के उडिपी रेस्टोरेंट में डोमनिक सैमसन, रिजवान, दानिश समेत अन्य लोग भोजन कर रहे थे। इसी दौरान तीन अपराधियों ने वहां पहुंचकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। घटना में करीब 12 राउंड गोली चलने की बात सामने आई है। गोलीबारी में डोमनिक सैमसन, रिजवान, दानिश और कृष्णा चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सभी घायलों को इलाज के लिए टीएमएच में भर्ती कराया गया था। घटना के बाद जमशेदपुर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया।

एसपी सिटी के नेतृत्व में गठित टीम ने किया खुलासा

वरीय पुलिस अधीक्षक, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी अनुसंधान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घटना के मुख्य साजिशकर्ताओं की पहचान की और पूर्व में कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा। इसके बाद आगे की जांच के क्रम में पुलिस ने कथित शूटर अजीत मंडल और मोहन यादव को जोबो पुल के पास से गिरफ्तार किया। वहीं अविनाश ठाकुर तथा आरोपियों को संरक्षण देने और भागने में मदद करने के आरोप में रुपेश सिंह और ओम सिंह उर्फ ओम बच्चा को मरीन ड्राइव गोलचक्कर, निर्मलनगर इलाके से गिरफ्तार किया गया।

हथियार की बरामदगी के दौरान पुलिस पर फायरिंग का आरोप

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान अजीत मंडल और मोहन यादव ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार करते हुए कथित तौर पर घटना में इस्तेमाल हथियार और गोलियों को मरीन ड्राइव स्थित फगुबाबा आश्रम के पीछे झाड़ी वाले स्थान में छिपाने की जानकारी दी। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस टीम दोनों को लेकर बताए गए स्थान पर पहुंची और वहां से घटना में प्रयुक्त पिस्टल एवं गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के मुताबिक, बरामदगी की प्रक्रिया पूरी कर टीम वापस लौट रही थी, तभी आरोपी अजीत मंडल ने पुलिस टीम में शामिल एक जवान का सर्विस रिवॉल्वर कथित रूप से झपट लिया और पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया। पुलिस का आरोप है कि रुकने की चेतावनी देने के बावजूद आरोपी ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर तीन राउंड फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस पार्टी ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए तीन राउंड गोली चलाई। इस कार्रवाई में अजीत मंडल और मोहन यादव के पैर के निचले हिस्से में एक-एक गोली लगी। दोनों को पुलिस ने नियंत्रित कर घायल अवस्था में तत्काल एमजीएम अस्पताल भेजा, जहां दोनों का इलाज चल रहा है।

पुलिस पर हमला मामले में अलग प्राथमिकी

पुलिस अभिरक्षा से भागने, सरकारी रिवॉल्वर छीनने, पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने तथा सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में सोनारी थाना में कांड संख्या 85/2026, दिनांक 7 अक्टूबर 2026 दर्ज किया गया है। इस मामले में धारा 262, 304(2), 121(1), 109(1), 132, 3(5) बीएनएस एवं 25(1-बी), 26, 27, 35 आर्म्स एक्ट के तहत अनुसंधान किया जा रहा है।

9 एमएम की लोडेड पिस्टल और अतिरिक्त मैगजीन बरामद

पुलिस के अनुसार, इस मामले में शामिल अविनाश ठाकुर (19 वर्ष) तथा आरोपियों को संरक्षण एवं सहयोग देने के आरोप में रुपेश सिंह (करीब 32 वर्ष) को 7 अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया। इनके पास से 9 एमएम की लोडेड पिस्टल, एक अतिरिक्त लोडेड मैगजीन में गोली तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस ने इस कार्रवाई को बिंदल मॉल उडिपी रेस्टोरेंट फायरिंग मामले के उद्भेदन की दिशा में बड़ी सफलता बताया है।

कुल 8 अपराधकर्मी गिरफ्तार

पुलिस के मुताबिक, अब तक इस गंभीर आपराधिक वारदात में कुल 8 अपराधकर्मियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन आरोपी घटना के दौरान कथित रूप से मौके पर मौजूद थे, जबकि अन्य आरोपी घटना की योजना बनाने, अपराधियों को संरक्षण देने, सहयोग करने और उन्हें भागने में मदद करने में कथित रूप से शामिल थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से निम्न सामान बरामद करने का दावा किया है— दो 9 एमएम सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल, एक 7.62 एमएम सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल, तीन 9 एमएम की गोलियां, तीन 7.62 एमएम की गोलियां, एक TVS कंपनी की मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन और एक राउटर ।

अजीत मंडल का रहा है गंभीर आपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी अजीत मंडल का पूर्व से गंभीर आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हत्या, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, रंगदारी/हत्या के प्रयास समेत कई मामले दर्ज हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सीतारामडेरा थाना कांड संख्या 115/2015 में उसे जिला न्यायालय द्वारा 27 नवंबर 2019 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

इसके अलावा सोनारी थाना कांड संख्या 04/2017 में आर्म्स एक्ट का मामला, जरमुंडी थाना कांड संख्या 54/2023 में हत्या एवं आर्म्स एक्ट का मामला तथा सीतारामडेरा थाना के अन्य मामलों में भी उसका नाम दर्ज रहा है। पुलिस के अनुसार, जरमुंडी थाना कांड में श्रावणी मेला, दुमका के दौरान अमरनाथ गिरोह के सरगना अमरनाथ सिंह की हत्या का मामला शामिल है।

मोहन यादव पर भी कई मामले दर्ज

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी मोहन यादव के खिलाफ भी सोनारी थाना में पूर्व से गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें सोनारी थाना कांड संख्या 235/2016 तथा कांड संख्या 04/2017 सहित वर्तमान सोनारी थाना कांड संख्या 80/2026 शामिल है।

पुलिस टीम की अहम भूमिका

पूरी कार्रवाई का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक नगर, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर ने किया। छापामारी एवं अनुसंधान टीम में डीएसपी सीसीआर, सोनारी थाना प्रभारी संजय सुमन, बिष्टुपुर थाना प्रभारी निरंजन कुमार, एमजीएम थाना प्रभारी सचिन कुमार दास, पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार, शिवम राज, मंटू कुमार, दिवाकर धोबी, विकास कुमार, तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी प्रेमकांत मिश्रा, संजय सिंह, योगेश सिंह तथा तकनीकी शाखा के आरक्षी रविकांत मिश्रा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

डीजीपी नियुक्ति नियमावली पर केंद्र ने उठाए सवाल, सुप्रीम कोर्ट में 8 अक्टूबर को सुनवाई

राष्ट्रीय मुख्यधारा

नई दिल्ली : झारखंड की डीजीपी तदाशा मिश्रा की नियुक्ति का मामला फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार और अन्य के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दी है।

केंद्र ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि तदाशा मिश्रा की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं हुई। बुधवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष तुषार मेहता ने अनुरोध किया कि अवमानना

याचिका को डीजीपी नियुक्ति से जुड़ी पहले से लंबित याचिकाओं के साथ सुना जाए।

विवाद का मुख्य आधार नियुक्ति के समय मिश्रा की बची सेवा अवधि है। झारखंड सरकार ने 30 दिसंबर 2025 को उन्हें डीजीपी नियुक्त किया था, जबकि वह 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाली थीं। यानी नियुक्ति के समय उनकी सेवा में करीब एक दिन ही शेष था। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र राजू रामचंद्रन पहले ही अदालत में कह चुके हैं कि डीजीपी नियुक्ति के समय अधिकारी की कम से कम छह महीने की सेवा शेष होने संबंधी निर्देश का पालन नहीं हुआ।

प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने डीजीपी चयन के लिए वरिष्ठता, सेवा रिकॉर्ड और पुलिस बल का नेतृत्व करने के अनुभव जैसे मानक तय किए हैं। इसके तहत यूपीएससी द्वारा तैयार पैनल से राज्य सरकार को डीजीपी का चयन करना होता है। साथ ही चयनित अधिकारी को कम से कम दो वर्ष का कार्यकाल देने का निर्देश है, भले ही उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख पहले क्यों न हो।

केंद्र ने इन्हीं निर्देशों के आधार पर झारखंड सरकार की कार्रवाई को चुनौती देते हुए अवमानना की मांग की है। तदाशा मिश्रा की नियुक्ति की वैधता और प्रक्रिया को लेकर पहले से लंबित याचिकाओं के साथ अब केंद्र की अर्जी पर भी गुरुवार को सुनवाई होगी।

साहिबगंज में 8 किलो गांजा के साथ एक गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

साहिबगंज : अवैध गांजा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए साहिबगंज पुलिस ने करीब आठ किलो गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, राज्य के बाहर से गांजा लाकर साहिबगंज, मिर्जाचौकी, पीरपैंती और भागलपुर के इलाकों में सप्लाई किए जाने की सूचना मिल रही थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था।

बुधवार को मिली सूचना के आधार पर टीम ने नॉर्थ कॉलोनी कलिंगा के सामने वाली गली में कार्रवाई की। यहां मोटरसाइकिल से गांजा ले जा रहे छोटी कोदरजन्ना निवासी मो. फिरोज अख्तर को पकड़ा गया। उसके पास सेलोटेप से पैक किए गए आठ बंडलों में करीब आठ किलो गांजा, 45,600 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गांजा तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस अब गांजा की खेप के स्रोत और इसे साहिबगंज समेत आसपास के इलाकों में पहुंचाने वाले नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है।

छापामारी दल में साहिबगंज सदर के अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडु, नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, पुलिस अवर निरीक्षक प्रकाश रंजन, हवलदार मो. उमर इकबाल तथा आरक्षी संजीत कुमार यादव और मंटु कुमार यादव शामिल थे।

विधि व्यवस्था को लेकर बैंक मैनेजरों के साथ पुलिस ने बैठक की

रामगढ़ : गोला थाना अंतर्गत सभी बैंकों के मैनजर के साथ विधि व्यवस्था को लेकर बुधवार को थाना परिसर में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई । जिसमें सभी बैंक के मैनेजर उपस्थित हुए।इस दौरान सभी बैंक मैनेजर से अनुरोध किया गया कि बैंक के प्रवेश द्वार पर अच्छा कैमरा लगाए जिसे आना जाने वाले लोगों का चेहरा साफ साफ दिख सके तथा सभी बैंकों में आपातकालीन स्थिति में हूटर को तेज़ आवाज़ से बजाने का आदेश दिया गया । बैंक में कोई व्यक्ति काम से आता है, तो उसके साथ कोई भी व्यक्ति बिना काम के बैंक में प्रवेश नहीं करने का आदेश दिया गया।साथ ही अनजान लोगों की पहचान होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को देने का निर्देश दिया गया।मौके पर अनि प्रभात रंजन,स्वामी रंजन ओझा,शाखा प्रबन्धक अभिषेक बनर्जी,अनंत कुमार साव,नीलेश कांगारी ,रवि शंकर,देवेंद्र कुमार राम,अजय कुमार तिवारी, जया कुमारी,चंदन कुमार,दीपक कुमार सिंह, रवि कुमार आदि मौजूद थे।।

करगली में सीआईएसएफ की कार्रवाई, 2.29 टन अवैध कोयला बरामद

बोकारो : एमएमडीआर अधिनियम के अनुपालन और अवैध कोयला खनन व परिवहन पर रोक लगाने के लिए सीआईएसएफ की सीसीएल करगली इकाई ने वाहन जांच और छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान केएमपी स्टोर के पीछे, हिन्दुस्तान पुल और अमलो रेलवे साइडिंग के मुख्य मार्ग पर कोयला लदे वाहनों की जांच की गई। वाहनों के दस्तावेज और कोयला परिवहन की वैधता की भी जांच की गई। अभियान के दौरान दीनदयाल चौक के पास रेलवे ट्रैक के निकट करीब 2.29 टन अवैध कोयला बरामद हुआ। सीआईएसएफ ने बरामद कोयला नियमानुसार एमएमडीआर अधिनियम के तहत सीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया।

सीआईएसएफ ने बताया कि अवैध कोयला खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। कार्रवाई में सहायक कमांडेंट केबीए श्रीधर, इंस्पेक्टर बीडी गुप्ता, सब-इंस्पेक्टर आरके सरोज, संतोष तिवारी, अमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार समेत क्यूआरटी, आसूचना टीम और अन्य जवान शामिल रहे।

दनगद्दी में गहरे पानी के बीच चट्टान पर फंसी महिला को पुलिस ने बचाया

सिमडेगा : बोलबा प्रखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दनगद्दी में गहरे पानी के बीच चट्टान पर फंसी महिला को पुलिस और ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। महिला काफी देर से चारों ओर पानी से घिरी चट्टान पर फंसी थी। ग्रामीणों की नजर पड़ने पर इसकी सूचना बोलबा थाना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी संतोष कुमार राय के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एएसआई ब्रह्मदेव यादव के नेतृत्व में पुलिस और ग्रामीणों ने संयुक्त प्रयास कर महिला को सुरक्षित पानी से बाहर निकाला। बचाई गई महिला की पहचान ठेठईटांगर थाना क्षेत्र के घुटबहार रावकन टोली निवासी आसिसन जोजो, पति आलोक सिंह रौतिया के रूप में हुई है।

झारखंड के सभी पुलिस पदाधिकारियों से अनुरोध
Rashtria Mukhyadhara राष्ट्रीय मुख्यधारा
अभिरक्षक लोक
कि वो अपने थानों की उपलब्धियां 'अभिरक्षक लोक' मे प्रकाशनार्थ दैनिक स्तर पर सीधे हमारे
Whatsapp पर भेजें 8873319159
धन्यवाद!
आपकी उपलब्धियां, जनता तक – अभिरक्षक लोक के माध्यम से

मिर्जा चौकी रेलवे स्टेशन पे खड़ी पैसेंजर ट्रेन में 99 लीटर देशी शराब को CBI ने किया बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

साहिबगंज : जिला के मिर्जाचौकी स्टेशन पे अवैध शराब की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के दौरान आरपीएफ, सिबीआई मालदा एवं की संयुक्त टीम ने Train No. 63431 साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर ट्रेन में जांच के दौरान 99 लीटर देशी शराब बरामद की। सूचना के आधार पर साहिबगंज से मिर्जा चौकी के बीच उक्त ट्रेन में सघन जांच एवं निगरानी अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान करमटोला स्टेशन से ट्रेन खुलने के बाद Coach No. ER-218207/C में शौचालय के समीप सीट के नीचे दो लावारिस प्लास्टिक के बोरे, एक हरे एवं एक सफेद रंग का, संदिग्ध अवस्था में पाए गए। आसपास के यात्रियों से पूछताछ करने पर किसी ने भी उक्त बोरों पर अपना दावा नहीं किया।

इसके बाद मिर्जा चौकी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 01 पर

लगभग 07:50 बजे ट्रेन के पहुंचने पर दोनों लावारिस बोरों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर नियमानुसार जांच की गई।

जांच के दौरान हरे रंग के बोरे से 55 बोतल देशी शराब (प्रत्येक 01 लीटर), कुल 55 लीटर, अनुमानित मूल्य 16,500/- तथा सफेद रंग के बोरे से 44 बोतल देशी शराब (प्रत्येक 01 लीटर), कुल 44 लीटर, अनुमानित मूल्य 13,200/- बरामद हुई।

इस प्रकार कुल 99 बोतल देशी शराब, कुल मात्रा 99 लीटर तथा अनुमानित मूल्य 29,700/- बरामद कर लावारिस के रूप में विधिवत जब्त किया गया। जब्ती की गई उपलब्ध गवाहों की उपस्थिति में की गई। स्वतंत्र गवाहों को शामिल करने का प्रयास किया गया, परंतु कोई स्वतंत्र व्यक्ति जब्ती का गवाह बनने के लिए आगे नहीं आया।

बरामद शराब को आवश्यक जब्ती सूची एवं संबंधित दस्तावेजों के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु आरपीएफ को सुपुर्द किया गया। बरामद शराब को रेलवे मार्ग से बिना किसी वैध अनुमति अथवा दस्तावेज के अवैध रूप से परिवहन किए जाने का प्रयास प्रतीत होता है।

धुर्वा में JAP-IT परिसर का होगा कायाकल्प, 4.65 करोड़ से होगा अपग्रेडेशन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : धुर्वा स्थित झारखंड एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (JAP-IT) परिसर को नए सिरे से विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। भवन निर्माण विभाग ने परिसर के अपग्रेडेशन के लिए 4 करोड़ 65 लाख 76 हजार 200 रुपये की लागत निर्धारित की है। सरकारी रिकॉर्ड में यह परिसर इंजीनियरिंग हॉस्टल नंबर-01 के नाम से दर्ज है।

परिसर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और इसे अधिक सुरक्षित व सुविधाजनक बनाने के लिए भवन निर्माण विभाग ने टेंडर जारी किया है। चयनित एजेंसी को कार्यादेश मिलने के बाद सात महीने में काम पूरा करना

होगा। टेंडर प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छुक एजेंसियां 12 अक्टूबर तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से अपनी बिड जमा कर सकती हैं। इसके बाद तकनीकी और वित्तीय प्रक्रिया पूरी कर चयनित एजेंसी को काम सौंपा जाएगा।

मोरहाबादी में देर रात अड्डेबाजी पर पुलिस सख्त, सड़क किनारे बैठे लोगों को खदेड़ा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी इलाके में देर रात तक अड्डेबाजी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी है।

पुलिस ने मंगलवार देर रात क्षेत्र में गश्त कर सड़क किनारे और सार्वजनिक स्थानों पर बैठकर अड्डेबाजी करने वालों को वहां से हटाया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट पी रहे लोगों को भी पुलिस ने खदेड़ा और भविष्य में देर रात अनावश्यक रूप से अड्डेबाजी नहीं करने की हिदायत दी।

पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी कि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले कार्य में संलिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस

कार्रवाई का उद्देश्य मोरहाबादी क्षेत्र में देर रात होने वाली अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करना और आम लोगों की सुरक्षा के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि देर रात बिना किसी जरूरी काम के सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ न लगाएं और अड्डेबाजी से बचें। साथ ही कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि निर्देशों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

दुर्गा पूजा को लेकर प्रशासन सख्त, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद : दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में हुई बैठक में पूजा समितियों को सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन करने का निर्देश दिया गया। इसके लिए समितियों को अंडरटेकिंग भी देना होगा। प्रत्येक पूजा पंडाल के लिए अग्निशमन, भवन प्रमंडल तथा विद्युत विभाग से एनओसी लेना अनिवार्य किया गया है। पंडाल में अग्निशामक यंत्र, बालू की बाल्टियां, फर्स्ट एड बॉक्स और वैकल्पिक बिजली व्यवस्था रखनी होगी। महिला-पुरुषों के लिए अलग प्रवेश-निकास, पर्याप्त बैरिकेडिंग, खोया-पाया केंद्र और पहचान पत्र वाले वॉलंटियर तैनात करने होंगे। इंटरनेट से जुड़े सीसीटीवी कैमरे और एलईडी स्क्रीन भी लगानी होगी। पूजा पंडाल और

विसर्जन जुलूस में डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। निर्धारित समय और ध्वनि सीमा के भीतर ही लाउडस्पीकर बजाया जा सकेगा। सुरक्षा व स्वच्छता मानकों का बेहतर पालन करने वाली समितियों को प्रोत्साहन के लिए प्रथम पुरस्कार 51 हजार, द्वितीय 41 हजार, तृतीय 31 हजार तथा चौथे से दसवें स्थान तक 11-11 हजार रुपये दिए जाएंगे। विसर्जन स्थलों पर बैरिकेडिंग, नाव, प्रशिक्षित गोताखोर, वॉच टावर और पुलिस-मजिस्ट्रेट की तैनाती होगी। जुलूस के वाहनों के चालकों के लिए वैध लाइसेंस अनिवार्य रहेगा और ब्रेकडाउन की स्थिति में क्रेन उपलब्ध रहेगी।

उपायुक्त ने पथ निर्माण विभाग और नगर निकाय को पूजा पंडालों, मुख्य मार्गों व संपर्क सड़कों की तत्काल मरम्मत तथा विद्युत विभाग को जर्जर और लटकते तार-पोल दुरुस्त करने का निर्देश दिया। गोविंदपुर चौक समेत प्रमुख चौक-चौराहों से अतिक्रमण हटाने का भी निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग को अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में आपात व्यवस्था, दवाइयां, एंबुलेंस और पर्याप्त बेड उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। पंडालों में मेडिकल टीम भी रहेगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूड स्टॉलों की जांच करेंगे। वहीं, सोशल मीडिया पर अफवाहों की रोकथाम के लिए साइबर मॉनिटरिंग सेल सक्रिय रहेगा।

साइबर ठगी के लिए खाते उपलब्ध कराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : साइबर थाना कांड संख्या 41/2026 में कार्रवाई करते हुए बोकारो पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों साइबर ठगी की रकम मंगाने और उसकी निकासी के लिए दूसरे लोगों के नाम पर खुलवाए गए बैंक खातों के एटीएम कार्ड और लिंक मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करते थे।

पुलिस को 6 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि सेक्टर-6 थाना क्षेत्र के लाइब्रेरी ग्राउंड में कुछ लोग साइबर अपराध की योजना बना रहे हैं। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में गठित टीम ने सेक्टर-6 थाना के गश्ती दल के साथ मौके पर छापेमारी की। पुलिस को देखते ही भाग रहे दो संदिग्धों को पीछा कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान चास के मखतो कॉलोनी निवासी राहुल कुमार (22) और लातेहार

के बालूमाथ थाना क्षेत्र के गोविंदनगर निवासी राजेश कुमार (27) के रूप में हुई है। इनके पास से विभिन्न बैंकों के नौ एटीएम कार्ड, वीवो के तीन और ओप्पो का एक मोबाइल फोन, राजेश के नाम का आधार कार्ड व पैन कार्ड तथा 220 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने बताया कि दूसरे लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उनमें साइबर ठगी की रकम मंगाई जाती थी। इसके बाद खातों से जुड़े एटीएम कार्ड और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर रकम निकाली जाती थी। पुलिस ने बरामद सामान जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में बीएनएस की संबंधित धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 66(सी) व 66(डी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

छापामारी दल में सेक्टर-6 थाना प्रभारी विक्रांत कुमार, साइबर थाना प्रभारी पिंकु कुमार, गौरव गोयल, संत कुमार समेत आरक्षी रितेश कुमार और रमेश कुमार वर्मा शामिल थे।

एक देसी कट्टा, जिंदा गोली के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा || दीपक केसरी

साहिबगंज :राधानगर थाना पुलिस ने राधानगर चौक के पास मारपीट की सूचना पर कार्रवाई करते हुए देसी कट्टा और एक जिंदा गोली के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात सूचना मिली थी कि चौक के पास कुछ लोग गाली-गलौज और मारपीट कर रहे हैं। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस मौके पर पहुंची तो झगड़ा कर रहे लोग भागने लगे।

पुलिस ने मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास कर रहे दो युवकों को पकड़ लिया। उनकी पहचान तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के बाकुडी निवासी गौरव यादव और पंकज भगत के रूप में हुई है। तलाशी के

दौरान गौरव यादव के पास से एक देसी कट्टा, एक जिंदा गोली, 3,880 रुपये नकद और मोबाइल फोन बरामद हुआ। पंकज भगत के पास से मोबाइल फोन मिला। दोनों के पास से एक होंडा साइन मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ राधानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस मामले में हथियार रखने के कारणों और घटना में दोनों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

'नए सिलसिले' यूट्यूब चैनल परंपरा, आध्यात्म और मानवता के संदेश को दे रहा नई उड़ान

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटी टेक्निकल कैंपस कांड्रा, चास के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरूहार द्वारा शुरू किया गया यूट्यूब चैनल नए सिलसिले आज अपनी खास पहचान बनाते हुए लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। डिजिटल माध्यम के जरिए यह चैनल भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं को आधुनिक संदर्भों से जोड़ते हुए मानवता, प्रेम, सद्भाव और विश्व शांति के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रहा है।

सूफी-संत परंपरा और गंगा-जमुनी तहजीब से प्रेरित है अवधारणा- एक प्रेस वार्ता के दौरान नए सिलसिले की अवधारणा पर बात करते हुए डॉ. प्रियदर्शी जरूहार ने बताया कि यह विचार मूल रूप से भारत के भक्ति एवं सूफी आंदोलनों की समन्वयवादी संस्कृति से प्रेरित है। इसमें ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी, मनेर के फिरदौसी संतों व हजरत निजामुद्दीन औलिया जैसे सूफी संतों के साथ-साथ गोस्वामी तुलसीदास, मीराबाई, संत कबीर, गुरु नानक देव, संत रविदास, श्री हरिदास जी, चैतन्य महाप्रभु, गजानन महाराज, स्वामी समर्थ, संत ज्ञानेश्वर, शिरडी के साईं बाबा, तीर्थंकर वासुपूज्य महाराज और डॉ. फादर कामिल बुल्के जैसी महान विभूतियों के जीवन एवं विचारों को आधार बनाया गया है।

विविधता में एकता और विश्व बंधुत्व का संकल्प- डॉ. जरूहार ने स्पष्ट किया कि नए सिलसिले का उद्देश्य किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि भारत की सर्वधर्म समभाव और साझा संस्कृति को उभारना है। यह पहल हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध व पारसी समुदायों के बीच आपसी प्रेम और भाईचारे को सुदृढ़ करते हुए विश्व शांति और मानवता की रक्षा का संदेश देती है।

उन्होंने बताया कि चैनल पर अब तक 13 एपिसोड प्रसारित किए जा चुके हैं, जिन्हें देश-विदेश के दर्शकों की बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। इसमें धार्मिक व आध्यात्मिक विषयों के अलावा महिला सशक्तिकरण, कला, इतिहास और व्यवसाय जैसे विषयों का सुंदर समावेश है। डॉ. प्रियदर्शी जरूहार ने अंत में कहा कि नए सिलसिल' महज एक यूट्यूब चैनल न होकर विचारों और मानवीय मूल्यों को जोड़ने का एक साझा मंच है, जो आने वाले समय में और व्यापक स्तर पर समाज को प्रेम, शांति और सद्भाव की राह दिखाएगा।

जहरीला पदार्थ खाने से 23 वर्षीय महिला की हालत बिगड़ी, डीवीसी अस्पताल में इलाज जारी

बोकारो थर्मल : विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के नरकी गांव की रहने वाली एक 23 वर्षीय महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ (जूं मारने की दवा का घोल) खाकर जान देने की कोशिश की। घटना बुधवार सुबह की है। घटना के तुरंत बाद परिजन आनन-फानन में महिला को इलाज के लिए बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी अस्पताल ले गए, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों की देखरेख में भर्ती कर प्राथमिक उपचार शुरू किया गया।

अस्पताल प्रबंधन की ओर से घटना की लिखित सूचना बोकारो थर्मल थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने डीवीसी अस्पताल पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी ली और इलाज करा रही महिला से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश की। फिलहाल महिला का इलाज जारी है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

बोकारो थर्मल-नरकी मार्ग पर बिखरी छाई बनी आफत, उड़ती धूल से राहगीर व वाहन चालक परेशान

डीवीसी ऐश पॉन्ड से ट्रांसपोर्टिंग के दौरान सड़क पर जम रही छाई

बोकारो थर्मल: बोकारो थर्मल-नरकी सड़क मार्ग पर इन दिनों डीवीसी के ऐश पॉन्ड से छाई (फ्लाई ऐश) की ढुलाई कर रहे हाइवा वाहनों की लापरवाही आम नागरिकों और राहगीरों के लिए भारी मुसीबत का सबब बन गई है। ट्रांसपोर्टिंग के दौरान हाइवा से गिरकर सड़क पर जमा हो रही राख और उससे उड़ते धूल के गुबार के कारण दोपहिया चालकों, छोटे वाहनों तथा पैदल यात्रियों को आवागमन में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क पर छाई का जमाव इस कदर बढ़ गया है कि सीसीएल गोविंदपुर कॉलोनी कार वॉशिंग सेंटर, हरिजन ईंट भट्ठा कॉलोनी, कंजकिरो तथा बुडगड्डा मोड़ के समीप उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास सड़क के बीचों-बीच राख के बड़े-बड़े ढेर लग गए हैं। तेज गति से गुजरते भारी वाहनों के कारण लगातार उड़ती धूल से विजिबिलिटी बेहद कम हो जाती है, जिससे इस व्यस्त मार्ग पर हर वक्त जानलेवा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

मामले को लेकर गिरिडीह सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव ने डीवीसी प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए निविदा शर्तों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों के टेंडर नियमों में यह स्पष्ट प्रावधान है कि ऐश पॉन्ड में कार्यरत 54 मजदूर नियमित रूप से सड़क पर गिरने वाली छाई की सफाई करेंगे तथा धूल पर नियंत्रण हेतु पूरे मार्ग पर रोजाना वाटर टैंकरों से पानी का छिड़काव किया जाएगा। इसके बावजूद ठेका कंपनियां इन नियमों को ठंडे बस्ते में डालकर मनमानी कर रही हैं। सांसद प्रतिनिधि ने डीवीसी प्रबंधन से मांग की है कि मामले पर अविलंब कड़ा संज्ञान लेते हुए सड़क की सफाई तथा नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित कराई जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को इस वायु प्रदूषण व दुर्घटना के खतरे से निजात मिल सके।

डीवीसी मध्य विद्यालय में किशोरी स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष जागरूकता शिविर संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी मध्य विद्यालय के प्रांगण में बुधवार को स्कूली छात्राओं के शारीरिक स्वास्थ्य, पोषण और व्यक्तिगत स्वच्छता को समर्पित एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन डीवीसी सीएसआर एवं अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर डीवीसी अस्पताल की डीजीएम हेल्थ सह स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता रानी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए छात्राओं को किशोरावस्था के दौरान होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, पोषण की आवश्यकता और स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया।

अपने संबोधन में डॉ. संगीता रानी ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का एक ऐसा चरण है, जहां स्वास्थ्य और सफाई को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है। उन्होंने छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान सही स्वच्छता प्रबंधन अपनाने, दैनिक आहार में पौष्टिक तत्वों को शामिल करने तथा शरीर में आयरन की कमी न होने देने की सलाह दी। उन्होंने छात्राओं को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों या संकोच को त्याग कर सही और चिकित्सकीय जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के बीच स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सैनिटरी पैड, आयरन सिरप, ओआरएस के पैकेट और पेट के कीड़े खत्म करने वाली (अल्बेंडाजोल) दवाइयों का वितरण किया गया। इस शिविर को सफल बनाने में विद्यालय परिवार एवं डीवीसी प्रशासन का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजन कुमार मिश्रा, शिक्षक आरके सिन्हा, मेहीलाल प्रजापति, शिक्षिका शबनम प्रवीण, नीलम कुमारी, अंजना प्रसाद, आरती रानी के साथ-साथ डीवीसी अस्पताल के हेल्थ इंस्पेक्टर कृष्णा कुमार तथा सीएसआर विभाग के प्रतिनिधि भैरव महतो, जीवाधन महतो और विकास यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नवरात्रोत्सव पर हिंदू जनजागृति समिति का 'मैं हूं दुर्गा' अभियान, देशभर में आयोजित होंगे निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नवरात्रोत्सव के पावन अवसर पर हिंदू जनजागृति समिति की ओर से देशभर में महिलाओं एवं युवतियों की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए मैं हूं दुर्गा विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत देश के विभिन्न शहरों में हिंदू युवतियों और महिलाओं के लिए निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

हिंदू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वर्तमान समय में युवतियों को छेड़छाड़, पीछा करने, ऑनलाइन प्रताड़ना, यौन उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग जैसी कई तरह की चुनौतियों व खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही, पहचान छिपाकर छल-कपट व प्रेम के जाल में फंसाकर की जाने वाली घटनाओं तथा जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के प्रति भी युवतियों में जागरूकता निर्माण करना बेहद जरूरी है। इसी उद्देश्य से मैं हूं दुर्गा अभियान के जरिए महिलाओं में भय के बजाय जागरूकता, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा के कौशल का संचार किया जा रहा है।

इन प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से 15 वर्ष से अधिक आयु की युवतियों को शारीरिक प्रतिकार (फिजिकल डिफेंस) की व्यावहारिक तकनीकों के साथ-साथ संभावित संकट को समय रहते पहचानने, सही समय पर सटीक निर्णय लेने तथा मानसिक व आध्यात्मिक रूप से मजबूत रहने का मार्गदर्शन दिया जाएगा। इसके अलावा, महिला सुरक्षा से जुड़े जागरूकता वीडियो और प्रेरणादायी शौर्य गीत भी प्रसारित किए जाएंगे। हिंदू जनजागृति समिति ने अधिक से अधिक युवतियों एवं महिलाओं से इस अभियान में शामिल होकर निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने की अपील की है। इच्छुक प्रतिभागी समिति की आधिकारिक वेबसाइट (www.hindujagruti.org) पर जाकर अथवा दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके अपना ऑनलाइन पंजीकरण करा सकती हैं।

जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक चौधरी का कांग्रेस पर हमला, कहा- दिशाहीनता और बौखलाहट में है कांग्रेस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सह- पूर्व बियाडा चेयरमैन अशोक चौधरी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। बोकारो में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने कहा कि विगत दिनों कांग्रेस कार्य समिति की बैठक के दौरान पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं द्वारा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से संबंधित दिए गए बयान इस बात का जीता-जागता प्रमाण हैं कि कांग्रेस आज अपनी ही दिशाहीनता के दलदल में पूरी तरह फंस चुकी है। दोनों नेताओं के बयान कांग्रेस के भीतर पसरी राजनीतिक बौखलाहट और आंतरिक बिखराव को पूरी तरह बेनकाब करते हैं।

पूर्व बियाडा चेयरमैन अशोक चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार जी का राजनीतिक वजूद किसी के एहसान या मर्जी का मोहताज नहीं है। उनका वजूद जनता के अटूट विश्वास, महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए अभूतपूर्व कार्यों, न्याय के साथ विकास के अप्रतिम मॉडल और उनकी बेदाग ईमानदारी की पूंजी पर टिका है।

श्री चौधरी ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि कांग्रेस ने हमेशा अपने सहयोगी दलों का इस्तेमाल किया, उन्हें नीचा दिखाया और जनहित के मुद्दों से मुंह मोड़ा है। जब-जब देश को एक सशक्त विकल्प और सही दिशा की जरूरत हुई, तब-तब कांग्रेस के इसी अहंकारी रवैये ने हर संभावना को ध्वस्त करने का काम किया।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस आज अपने इतिहास के सबसे कमजोर दौर से गुजर रही है, लेकिन इसके बावजूद उसकी अकड़ खत्म नहीं हो रही है। इसी दंभ और दिग्भ्रमित राजनीति के कारण पार्टी आज अप्रासंगिक होने की कगार पर पहुंच गई है। देश की जनता अब कांग्रेस की अवसरवादी राजनीति को भली-भांति समझ चुकी है। जदयू नेता ने सलाह दी कि कांग्रेस को नीतीश कुमार जी पर बयानबाजी करने के बजाय अपनी गलतियों और आंतरिक बिखराव पर आत्ममंथन करना चाहिए।

अंधेर नगरी चौपट राजाः पीडब्लूडी की बड़ी लापरवाही, धनबाद सांसद ढुलू महतो को शिलापट्ट पर बना दिया गिरिडीह का सांसद

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चंदनकियारी (बोकारो) : बोकारो जिले के चंदनकियारी प्रखंड में पथ निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) की एक बड़ी और हास्यास्पद लापरवाही सामने आई है। पथ प्रमंडल बोकारो द्वारा बरमसिया-हुटुपाथर-आद्राकुड़ी-मिर्धा (एनएच-32) सड़क के आईआरक्यूपी कार्य (कुल लंबाई 15.41 किलोमीटर) के शिलान्यास के दौरान लगाए गए शिलापट्ट पर धनबाद के वर्तमान सांसद ढुलू महतो को गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का सांसद लिख दिया गया। मामले की जानकारी देते हुए जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव सह चंदनकियारी के पूर्व प्रत्याशी अर्जुन रजवार ने सरकारी महकमे और पीडब्लूडी की कार्यशैली पर कड़ा प्रहार किया है।

अर्जुन रजवार ने कहा कि शिलान्यास शिलापट्ट पर साफ-साफ लिखा गया है- श्री ढुलू महतो, माननीय सांसद, गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र की गरिमामयी उपस्थिति में, जबकि हकीकत यह है कि ढुलू महतो धनबाद संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि गिरिडीह का। गिरिडीह के वर्तमान सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि स्थानीय विधायक द्वारा शिलान्यास कर दिया गया और कार्यक्रम में सांसद ढुलू महतो पहुंचे भी नहीं, लेकिन विभाग को अपने सांसद का क्षेत्र तक नहीं मालूम है।

इस बड़ी चूक के सामने आने के बाद क्षेत्र में विभागीय लापरवाही को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग पीडब्लूडी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कह रहे हैं- अंधेर नगरी, चौपट राजा। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस विभाग को करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाली सड़क के उद्घाटन/शिलान्यास पट्ट पर सही जानकारी लिखने का होश नहीं है, वह सड़क निर्माण की गुणवत्ता का कितना ध्यान रखेगा, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। फिलहाल यह त्रुटिपूर्ण शिलान्यास पट्ट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है और लोग विभाग व स्थानीय प्रशासन का मजाक उड़ा रहे हैं। वहीं, इस पूरे विवाद और लापरवाही पर संबंधित विभाग के अधिकारियों की चुप्पी बनी हुई है।

एसआईआर-2026: डीईओ-सह-डीसी अजय नाथ झा ने मतदाता सहायता केंद्र व डिजिटाइजेशन कैंप का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के तहत जारी मतदाता सूची अद्यतनीकरण कार्यों की समीक्षा करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार को चास अनुमंडल कार्यालय तथा एनआईसी स्थित मतदाता सहायता केंद्र-सह-डिजिटाइजेशन कैंप का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लंबित प्रपत्रों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों व कर्मियों को कार्यों में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीईओ-सह-डीसी ने एसडीओ चास प्रांजल ढांडा से लंबित फार्मों के निष्पादन की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के आवेदन फिलहाल लंबित हैं, उनकी जांच कर यह चिह्नित किया जाए कि किन दस्तावेजों की कमी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बूथ लेवल ऑफिसर सीधे मतदाताओं के घर-घर (फील्ड विजिट) जाकर संपर्क स्थापित करें और आवश्यक कागजात प्राप्त कर आवेदनों को पूर्ण कराएं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे स्वयं क्षेत्र में जाकर बीएलओ के मूवमेंट और कार्यप्रणाली का औचक निरीक्षण करें तथा इसकी नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करें। निरीक्षण के क्रम में डीईओ-सह-डीसी ने सहायता केंद्र पर पहुंचे आम मतदाताओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और ऑन-द-स्पॉट उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया कि आम नागरिकों व मतदाताओं की सुविधा ही जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

▪ बीएलओ घर-घर जाकर अपूर्ण आवेदनों के दस्तावेज करेंगे प्राप्त, एईआरओ को फील्ड विजिट की मॉनिटरिंग का निर्देश

निर्वाचन आयोग के 11 स्वीकृत दस्तावेजों की जांच के बाद ही होगी कार्रवाई- शिविर में मौजूद बीएलओ से लक्ष्य के सापेक्ष अब तक प्राप्त आवेदनों का ब्योरा लेते हुए डीईओ-सह-डीसी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 11 प्रकार के मान्य दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार आगे की प्रक्रिया पूरी करने को कहा। उन्होंने चेतावनी दी कि एसआईआर-2026 के इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर एईआरओ सत्यबाला सिन्हा, जया कुमारी, दीपिका कुमारी तथा सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सहित कई अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

बोकारो में साइबर अपराध के खिलाफ APK जागरूकता अभियान, शहर में लगेंगे बैनर-पोस्टर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए बोकारो पुलिस शहर में APK फाइल से होने वाले साइबर फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक करेगी। इसके लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर जागरूकता संबंधी बैनर और पोस्टर लगाए जाएंगे। बुधवार को पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) की अध्यक्षता में आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में यह निर्णय लिया गया। बैठक में बालीडीह, माराफारी, साइबर थाना और बालीडीह ओपी के प्रभारी समेत सभी अनुसंधानकर्ता शामिल हुए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि साइबर अपराध से जुड़े 60 प्रतिशत से अधिक मामले APK फाइल से संबंधित पाए गए हैं। इसके बाद पुलिस ने लोगों को ऐसी फाइल डाउनलोड करने से बचने और साइबर ठगी के तरीकों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने का निर्णय लिया। बैठक में 60 और 90 दिनों की निर्धारित समय सीमा में लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर भी रणनीति तैयार की गई। अनुसंधान की गुणवत्ता बढ़ाने, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, असामाजिक तत्वों के खिलाफ लगातार कार्रवाई और लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों को शराब, नशीले पदार्थ और जुआ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा न्यायालय से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही पीड़ितों के साथ बेहतर व्यवहार करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन बिंदुओं की नियमित समीक्षा की जाएगी।

बोकारो के जैविक उद्यान में वन्यजीव सप्ताह 'आरण्यक-2026' का भव्य शुभारंभ

वन्यजीव संरक्षण व जैव-विविधता का अलख जगाने में जुटे स्कूली बच्चे

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : प्रकृति के अनमोल उपहार वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, जैव-विविधता को सहेजने और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी को नया आयाम देने के उद्देश्य से सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के जवाहरलाल नेहरू जैविक उद्यान (जेएनबी पार्क) में वन्यजीव सप्ताह-2026 'आरण्यक' का आधिकारिक शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बीएसएल के अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) एवं बोकारो के प्रभागीय वन पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

आरण्यक के आगाज के साथ ही जेएनबी पार्क का वातावरण प्रकृति-प्रेम और उत्साह के रंगों से सराबोर हो उठा। इस मौके पर विभिन्न विद्यालयों से आए सैकड़ों छात्र-छात्राओं और प्रकृति प्रेमियों ने बड़े चाव से हिस्सा लिया। बच्चों व आगंतुकों के लिए विशेष वन्यजीव जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने वन्यजीवों के पारिस्थितिक संतुलन और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं पर बेहद रोचक ढंग से प्रकाश डाला। नन्हे प्रतिभागियों को जीवों के प्रति दया भाव रखने और पर्यावरण प्रहरी बनने का संकल्प दिलाया गया।

आरण्यक उत्सव के तहत जेएनबी पार्क परिसर में सप्ताह भर चलने वाली ज्ञानवर्धक, रचनात्मक और सहभागितापूर्ण गतिविधियों की श्रृंखला शुरू की गई है। इसमें विभिन्न चित्रकला, निबंध व प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के जरिए वन्यजीवों के व्यवहार और उनके संरक्षण की आवश्यकता को सरल व प्रभावी माध्यम से दर्शाया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जू-कीपर्स (चिड़ियाघर के संरक्षकों) के साथ संवाद सत्र रहा, जिसमें उन्होंने जानवरों की देखभाल, उनके खान-पान और दिनचर्या से जुड़े अपने अनोखे जमीनी अनुभव बच्चों के साथ साझा किए।

प्रकृति संरक्षण की इस मुहिम में आज की युवा पीढ़ी को केंद्र बिंदु बनाया गया है, ताकि भावी नागरिक जैव-विविधता के मोल को समझ सकें। इस भव्य आयोजन का समापन 10 अक्टूबर को आयोजित विशेष पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जहां सप्ताह भर चलीं प्रतियोगिताओं के मेधावी विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। पर्यावरण और वन्यजीवों को समर्पित यह 'आरण्यक' महोत्सव बोकारो शहर में हरित चेतना जगाने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है।

डीवीसी की नीतियों के खिलाफ उग्र आंदोलन की तैयारी में भाकपा, 10 अक्टूबर को झारखंड चौक पर धरना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित भाकपा की शाखा की एक बैठक डीवीसी मजदूर यूनियन कार्यालय में बुधवार को मो. शाहजहां की अध्यक्षता में हुई। बैठक के दौरान स्थानीय मुद्दों को लेकर डीवीसी प्रबंधन के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया गया और आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए शाखा सचिव रामेश्वर साव ने डीवीसी के एएमसी-एआरसी और विभिन्न मरम्मती कार्यों में स्थानीय युवाओं की अनदेखी का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आसपास के गांवों में बड़ी संख्या में हुनरमंद बेरोजगार युवा मौजूद हैं, लेकिन उन्हें काम देने के बजाय कुछ प्रभावशाली लोग प्रबंधन पर दबाव बनाकर संपन्न वर्ग के लोगों को प्राथमिकता दे रहे हैं और इसके बदले में आर्थिक दोहन का खेल चल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाकपा जनहित की पार्टी है और निष्पक्ष रूप से योग्य बेरोजगारों को नियोजन दिलाने के लिए प्रबंधन पर पूरा दबाव बनाएगी। यदि प्रबंधन ने पार्टी की मांगों को अनसुना किया, तो चरणबद्ध आंदोलन छेड़ा जाएगा।

इसके साथ ही पार्टी नेताओं ने खान खनिज संशोधन विधेयक, एसआईआर और मुख्य चुनाव के खिलाफ भी अपनी आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया है। अपनी इन्हीं मांगों को लेकर पार्टी आगामी 10 अक्टूबर को झारखंड चौक स्थित यात्री पड़ाव के पास एक विशाल धरना-प्रदर्शन का आयोजन करेगी।

अंचल मंत्री ब्रजकिशोर सिंह ने कहा कि जन समस्याओं के समाधान के लिए पार्टी लगातार सड़क पर उतरकर विरोध दर्ज कराएगी। वहीं नवीन पाठक, जानकी महतो और असीम तिवारी ने पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को पूरी जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। इस अवसर पर विश्वनाथ महतो, अर्जुन राम, देवाशीष रजवार, सत्यजीत राय, घनश्याम रजक, परण महतो, जागेश्वर महतो, ओम प्रकाश चौधरी, रामचंद्र ठाकुर और पप्पू शर्मा सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आउटसोर्सिंग की मनमानी के खिलाफ मजदूरों का हल्लाबोल, 22 अक्टूबर को चक्का जाम की चेतावनी

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

लोदना (धनबाद): बिहार कोलियरी कामगार यूनियन की कुजामा शाखा के निर्णय पर बुधवार को लोदना क्षेत्रीय कार्यालय के समक्ष मजदूरों ने विशाल प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद महाप्रबंधक को 25 सूत्री मांगपत्र सौंपा गया। मजदूरों ने पानी, बिजली, सड़क, रोजगार, वेतन, सुरक्षा और पुनर्वास समेत विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की। प्रदर्शन में यूनियन नेताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में आउटसोर्सिंग कंपनियां मनमानी कर रही हैं। परियोजना की जद में आने वाली सार्वजनिक व सरकारी सड़कों को काटा जा रहा है तथा माडा की पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त किए जाने से पानी का संकट उत्पन्न हो रहा है। हैवी ब्लास्टिंग के कारण बस्तियों में पत्थर गिरने और पर्यावरण प्रदूषण की समस्या भी बढ़ गई है। मजदूरों ने असंगठित व आउटसोर्सिंग कर्मियों को हाई पावर कमेटी के अनुसार वेतन देने, समय पर भुगतान करने, आठ घंटे की जगह 12 घंटे काम कराने पर रोक लगाने तथा सुरक्षा मानकों के तहत जूता, टोपी और हेलमेट उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही छह नंबर व नौ नंबर साइडिंग के असंगठित मजदूरों को रोजगार, एनटी-एसटी जीनागोरा ट्रक लोडिंग में बीसीकेयू से जुड़े मजदूरों को रोजगार तथा हैंड लोडिंग से ट्रक लोडिंग कराने की मांग उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि रैयतों की जमीन को जबरन बर्बाद कर उत्खनन किया जा रहा है। बिना नियोजन और मुआवजा दिए जमीन का उपयोग किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। साइडिंग में मृत मजदूरों के आश्रितों को नियोजन देने, सीएमपीएफ की राशि का हिसाब देने तथा संवेदकों द्वारा काटी गई सीएमपीएफ राशि जमा कराने की भी मांग की गई। कर्माटांड़-कुसुम बिहार के क्वार्टरों में कथित भ्रष्टाचार, अग्नि-भुधसान प्रभावित क्षेत्र के लोगों के बेहतर पुनर्वास, स्थानीय लोगों के साथ आउटसोर्सिंग कंपनियों द्वारा कथित मारपीट और गरीब लोगों को क्वार्टर आवंटन के लिए कार्यालयों का चक्कर लगवाने जैसी समस्याओं को भी उठाया गया। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो 22 अक्टूबर को पूरे क्षेत्र में चक्का जाम किया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। प्रदर्शन में यूनियन के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री मानस कुमार चटर्जी, एरिया अध्यक्ष सबुर गोराय, एरिया सचिव शिवकुमार सिंह, कुजामा शाखा सचिव सुरेंद्र पासवान, शाखा उपाध्यक्ष कुंदन पासवान, मधुसूदन बनर्जी, सुरेश भुईयां समेत बड़ी संख्या में मजदूर मौजूद थे। कार्यक्रम में गणेश पासवान, सलमान खान, छोटू रवानी, शुभम कुमार, रेखा देवी, सुंदरवा देवी, भोला पासवान, पुतुल देवी, ललिता देवी, मालो देवी, रूबी देवी, रीता कुमारी, राजकुमार पासवान, जयन राम, प्रवेश पासवान, मनोज निषाद, राजकुमार चौहान, मनोज चौहान, सूरज दिलदार, भगवान दास निषाद, सोनिया देवी समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

उपायुक्त ने झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (JRDA) के तहत कौशल विकास केंद्र का किया उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद: धनबाद जिले के पॉलीटेक्निक रोड, स्थित JRDA Skill Development Centre का उद्घाटन बुधवार को उपायुक्त आदित्य रंजन तथा उप विकास आयुक्त सन्नी राज की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह केंद्र झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (Jharia Rehabilitation & Development Authority - JRDA), धनबाद की ओर से झरिया क्षेत्र के विस्थापित परिवारों एवं प्रभावित लोगों के पुनर्वास, आजीविका सुदृढ़ीकरण तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है।

प्रथम चरण में 960 लाभार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षणः उपायुक्त आदित्य रंजन- परियोजना के प्रथम चरण के अंतर्गत 960 चयनित लाभार्थियों को विभिन्न उद्योग-उन्मुख एवं रोजगारपरक ट्रेडों में पूर्णतः निःशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए रहने, खाने और अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाएगी, जिससे युवाओं को अनुकूल वातावरण में गुणवत्तापूर्ण कौशल प्राप्त हो सके। प्रशिक्षण पूरा होने के पश्चात सभी सफल युवाओं को उनकी दक्षता एवं योग्यता के अनुसार उपयुक्त रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा तथा स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को आवश्यक मार्गदर्शन एवं वित्तीय सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इस कौशल विकास कार्यक्रम के संचालन एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की जिम्मेदारी Venture Skill India Private

▪ विस्थापित परिवारों के 960 युवाओं को मिलेगा निःशुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण व रोजगार के अवसर

Limited (VSIPL), रांची को सौंपी गई है। VSIPL उद्योग की मांग के अनुरूप आधुनिक तकनीकों और मानकों पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान करेगी, ताकि युवा स्थानीय व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकें। संस्था इस महत्वाकांक्षी परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु JRDA, जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों तथा अन्य सभी हितधारकों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगी।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद रेल मंडल में अंतर-विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता शुरू

धनबाद: धनबाद रेल मंडल में रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उनके आश्रित बच्चों के लिए तीन दिवसीय अंतर-विभागीय खेलकूद प्रतियोगिता-2026 का बुधवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता 7 से 9 अक्टूबर तक धनबाद रेलवे स्टेडियम एवं ऑफिसर्स क्लब में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र एवं पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्षा प्रिया मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान डीआरएम ने प्रतिभागी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पूरे जोश और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बॉक्स क्रिकेट, टेबल टेनिस, शतरंज, कैरम, स्क्वैश एवं बिलियर्ड्स सहित विभिन्न खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें रेल मंडल के अधिकारी-कर्मचारी (पुरुष एवं महिला) तथा उनके आश्रित बच्चे भाग ले रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य रेलकर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों में खेल भावना, टीम भावना और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना है। साथ ही स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली तथा कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच बेहतर संतुलन के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करना भी प्रतियोगिता का प्रमुख उद्देश्य है। समारोह में महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं के अलावा मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईआईटी (आईएसएम)-मार्टिन इंजीनियरिंग में एमओयू, हर साल 10 छात्राओं को मिलेगी सीएसआर स्कॉलरशिप

धनबाद: छात्राओं की उच्च शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आईआईटी (आईएसएम) धनबाद और मार्टिन इंजीनियरिंग के बीच बुधवार को मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। एमओयू पर हस्ताक्षर एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन (स्टूडेंट्स वेलफेयर) प्रो.संजय मंडल ने की। समझौते के तहत मार्टिन इंजीनियरिंग अपनी कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के माध्यम से आईआईटी (आईएसएम) की 10 मेधावी छात्राओं को प्रत्येक वर्ष कुल पांच लाख रुपये की स्कॉलरशिप प्रदान करेगी। इसका लाभ आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित परिवारों से आने वाली छात्राओं को मिलेगा। आईआईटी (आईएसएम) के लीड कोऑर्डिनेटर एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो.अजित कुमार ने कहा कि यह पहल आर्थिक रूप से जरूरतमंद मेधावी छात्राओं को अपनी पढ़ाई जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत का इस तरह का सहयोग छात्राओं को उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक कठिनाइयों के कारण छात्राओं की पढ़ाई में आने वाली बाधाओं को कम करने के साथ तकनीकी एवं उच्च शिक्षा में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाना है। इससे इंडस्ट्री-अकादमिक सहयोग और शिक्षा क्षेत्र में सीएसआर सहयोग को भी मजबूती मिलेगी। मार्टिन इंजीनियरिंग बल्क मैटेरियल हैंडलिंग सॉल्यूशंस के क्षेत्र में कार्यरत वैश्विक कंपनी है। कंपनी की स्थापना 1944 में हुई थी और यह माइनिंग, प्रोसेसिंग, एनर्जी तथा ट्रांसपोर्टेशन सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए मैटेरियल हैंडलिंग से जुड़े समाधान उपलब्ध कराती है। मौके पर मार्टिन इंजीनियरिंग की ओर से अश्विनी खुंटे, जनरल मैनेजर-मार्टिन इंडिया, दीपक सरदेसाई, नेशनल सेल्स हेड, तुषार मोदी, फाइनेंस हेड, देबज्योति डे, ऑपरेशंस हेड और राजेश पटनायक, रीजनल मैनेजर मौजूद थे। वहीं आईआईटी (आईएसएम) की ओर से प्रो.संजय मंडल, प्रो.अजित कुमार और प्रो.निरंजन कुमार उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने खालसा स्कूल के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को त्रुटि रहित और पारदर्शी बनाने के दिए निर्देश

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद: जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने बुधवार को बैंक मोड़ स्थित खालसा स्कूल परिसर स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया तथा मौके पर उपस्थित धनबाद विधानसभा के बूथ संख्या 210 की बीएलओ गीता देवी, 211 की आशा देवी, 209 की बिंदु देवी, बूथ संख्या 93 की रेणु देवी, 214 की खुशबू कुमारी, 215 की राज कुमारी शर्मा, 216 की सीमा देवी, 338 की रीता देवी, 339 की जयमन्ती कुमारी तथा बूथ संख्या 208 की बीएलओ उत्तरा सिन्हा को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नोटिस प्राप्ति के उपरांत मतदाताओं के आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि नोटिस प्राप्त मतदाताओं के सहायक दस्तावेजों को निर्वाचन आयोग के ऐप पर सही प्रारूप में तुरंत और बिना किसी त्रुटि के अपलोड करें। आवेदनों एवं अपलोड किए गए दस्तावेजों की अद्यतन स्थिति की नियमित ट्रैकिंग सुनिश्चित करें ताकि किसी भी मतदाता को अनावश्यक परेशानी न हो। साथ में तकनीकी या प्रपत्र से जुड़ी किसी भी समस्या के त्वरित समाधान के लिए संबंधित सुपरवाइजर एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित रखें। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने सभी बीएलओ को पूरी सतर्कता, निष्ठा और ध्यानपूर्वक कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, विलोपन या संशोधन के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। उन्होंने शत-प्रतिशत त्रुटि रहित एवं अद्यतन मतदाता सूची तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित किया। निरीक्षण के दौरान धनबाद विधानसभा के ईआरओ सह अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, एईआरओ सह अंचल अधिकारी पुटकी विकास आनंद सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

भूली में साहेब कुरैशी की हुई टीआई परेड, वासेपुर से कसाई मोहल्ला तक कराई गई पहचान

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद: भूली ओपी क्षेत्र में सामने आए कथित मवेशी तस्करी मामले में पुलिस ने साहेब कुरैशी की टीआई परेड (पहचान परेड) कराई है। पुलिस के अनुसार, वासेपुर, आरा मोड़ और कसाई मोहल्ला समेत संबंधित इलाकों में लोगों से आरोपी की पहचान कराने की कार्रवाई की गई। भूली ओपी प्रभारी विश्वजीत ठाकुर के मुताबिक, मवेशी तस्करी के आरोप में साहेब कुरैशी को हथियार के साथ पकड़े जाने की बात सामने आई है। एसएसपी के निर्देश के बाद टीआई परेड कराई गई, ताकि मामले से जुड़े लोगों के बीच आरोपी की पहचान कराई जा सके और जांच को आगे बढ़ाया जा सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कई बिंदुओं पर की जा रही है। टीआई परेड और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, साहेब कुरैशी के परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का दावा है कि साहेब केवल मीट की दुकान चलाता है और उसके पास से हथियार बरामद होने की बात सही नहीं है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाने की मांग की है। अब पुलिस जांच और टीआई परेड में सामने आने वाले तथ्यों के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि मवेशी तस्करी के कथित मामले में साहेब कुरैशी की वास्तविक भूमिका क्या थी।

माइनिंग मशीन्स में हाइड्रोलिक्स पर आईआईटी (आईएसएम) में ईडीपी

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद: आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से "हाइड्रोलिक्स इन माइनिंग मशीन्सः ऑपरेशंस, मेंटेनेंस एंड ट्रबलशूटिंग" विषय पर पांच दिवसीय एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम (ईडीपी) आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम 6 से 10 अक्टूबर तक आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में चल रहा है। यह ईडीपी फ्लूड पावर, हाइड्रोलिक सिस्टम, कंट्रोल और माइनिंग मशीनरी से जुड़े इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव्स और प्रोफेशनल्स के लिए आयोजित किया गया है। इसमें आधुनिक माइनिंग मशीनों में इस्तेमाल होने वाले हाइड्रोलिक सिस्टम के ऑपरेशंस, मेंटेनेंस, कंट्रोल और ट्रबलशूटिंग के व्यावहारिक पहलुओं पर फोकस किया जा रहा है। 6 अक्टूबर को आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के हेड प्रो. संजय के. घोषाल, ईडीपी के कोर्स कोऑर्डिनेटर एवं एसोसिएट प्रोफेसर प्रो. निरंजन कुमार तथा कोर्स को-कोऑर्डिनेटर एवं असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. अजीत कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम में अलग-अलग इंडस्ट्रीज के प्रोफेशनल्स हिस्सा ले रहे हैं। ईडीपी के दौरान प्रतिभागियों को हाइड्रोलिक सिस्टम के ऑपरेशन, मेंटेनेंस और ट्रबलशूटिंग से जुड़ी तकनीकी जानकारी के साथ प्रैक्टिकल लर्निंग का अवसर मिल रहा है। माइनिंग मशीन्स में इस्तेमाल होने वाले हाइड्रोलिक सिस्टम से जुड़ी तकनीकी चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की जा रही है।

'जन सुविधा-सह-प्रशिक्षण केन्द्र' व 'हेल्प डेस्क' का हुआ उद्घाटन; स्कूली बच्चों को बर्तन और सहिया दीदियों को बांटी गई किट

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद: बुधवार को समाहरणालय परिसर में सांसद धनबाद, विभिन्न विधानसभा के विधायकगण, उपायुक्त आदित्य रंजन समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा पदाधिकारी द्वारा विभिन्न जन-कल्याणकारी एवं प्रशासनिक पहलों का शुभारंभ व वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाहरणालय के तृतीय तल पर नवनिर्मित 'जन सुविधा-सह-प्रशिक्षण केन्द्र' तथा प्रथम तल में आम जनता की सुविधा के लिए एक 'हेल्प डेस्क' का विधिवत उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही स्कूली बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन बर्तन और सहिया दीदियों के लिए 'सहिया किट' का वितरण भी किया गया।

जन सुविधा-सह-प्रशिक्षण केन्द्र एवं हेल्प डेस्क का उद्घाटनः समाहरणालय के तृतीय तल पर आधुनिक सुविधाओं और कंप्यूटर लैब से युक्त 'जन सुविधा-सह-प्रशिक्षण केन्द्र' का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही प्रथम तल में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, मार्गदर्शन और जानकारी देने के लिए एक समर्पित 'हेल्प डेस्क' की शुरुआत की गई।

मध्याह्न भोजन (MDM) हेतु बर्तन वितरणः DMFT मद के तहत सरकारी विद्यालयों में बच्चों को स्वच्छ, पौष्टिक और गरिमापूर्ण वातावरण में भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्कूलों को आधुनिक बर्तनों का सेट वितरित किया गया।

सहिया दीदियों को 'सहिया किट' का वितरणः स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने वाली सहिया दीदियों को उनके दैनिक कार्यों की सुगमता और सुरक्षा के लिए आवश्यक चिकित्सीय व उपयोगी उपकरणों से युक्त 'सहिया किट' और बैग प्रदान किए गए। उद्घाटन एवं वितरण के उपरांत अतिथियों ने कहा कि जन सुविधा-सह-प्रशिक्षण केंद्र और हेल्प डेस्क के शुरू होने से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और जन-सुलभता बढ़ेगी। आम जनता को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा। अतिथियों ने यह भी कहा कि जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (DMFT) के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने का कार्य निरंतर जारी है। सहिया दीदियों का सशक्तिकरण और स्कूली बच्चों के पोषण हेतु बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना इसी कड़ी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद ढूल्लू महतो और सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी उपस्थित रहे। इसके अलावा स्थानीय विधायकगण, उपायुक्त धनबाद, उप विकास आयुक्त, प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य गणमान्य प्रतिनिधि प्रमुख, सहिया दीदियां, शिक्षक, प्रशासनिक पदाधिकारी, रूप से उपस्थित रहे।

ऊर्जा मित्रों के 4 से 12 माह के बकाया वेतन का हो भुगतानः झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ

राष्ट्रीय मुख्यधारा || राजीव रंजन

धनबाद: झारखंड राज्य ऊर्जा मित्र संघ ने ऊर्जा मित्रों के बकाया वेतन भुगतान समेत बिजली बिलिंग में कथित अनियमितताओं को लेकर महाप्रबंधक, मुख्य अभियंता विद्युत आपूर्ति क्षेत्र धनबाद एवं विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत आपूर्ति अंचल धनबाद को ज्ञापन सौंपा। संघ ने मांग की कि बिलिंग एजेंसी फ्यूजन सीएक्स प्राइवेट लिमिटेड के पास लंबित ऊर्जा मित्रों के चार से पांच माह के बकाया वेतन का भुगतान दुर्गापूजा से पहले शत-प्रतिशत कराया जाए। संघ ने कहा कि महापर्व दुर्गापूजा शुरू होने वाली है। ऐसे में लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण ऊर्जा मित्र आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। संघ ने विभाग से तत्काल पहल कर बकाया राशि का भुगतान सुनिश्चित कराने की मांग की, ताकि ऊर्जा मित्रों का त्योहार फीका न पड़े। ज्ञापन में कहा गया कि विभाग द्वारा ऊर्जा साथियों के माध्यम से बिजली विपत्र निर्गत करने का कार्य कराया गया था। इसके एवज में प्रत्येक बिजली विपत्र पर 10 रुपये भुगतान किया जाना था, लेकिन कार्य पूरा करने के बावजूद अब तक राशि का भुगतान नहीं किया गया है। संघ ने इस राशि का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की। संघ ने बिलिंग एजेंसी पर बिना मीटर रीडिंग किए सिस्टम के माध्यम से गलत बिजली बिल जारी करने का आरोप लगाया। कहा गया कि इसके कारण उपभोक्ताओं और ऊर्जा मित्रों के बीच आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है और कई बार बहस एवं मारपीट तक की नौबत आ जाती है। संघ ने बिना मीटर रीडिंग के सिस्टम से बिल जारी करने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। संघ ने ज्ञापन में बताया कि कई ऊर्जा मित्रों का आठ से 12 माह तक का भुगतान बिलिंग एजेंसी के पास लंबित है। इनमें प्रकाश आचार्य, अमरदीप गोस्वामी, बिसमिल्लाह महबूब, सुरेश कुमार, अजीत कुमार सिंह, राहुल कुमार, दिनेश कुमार महतो, मुहम्मद मुस्ताक अंसारी, प्रमोद सिंह, राज साव, विवेक रंजन, बादल महतो, उत्तम प्रमाणिक, गुलाप मंडल, कमल किशोर मंडल, राजू कुमार रविदास, मनोज कुमार, विश्वजीत गोराई, अरविंद कुमार सिंह, बिनोद ठाकुर, बापी कर, अनिल ठाकुर, कमल कुमार शर्मा, रॉकी कुमार, सचिन कुमार और रोहित शर्मा समेत अन्य ऊर्जा मित्र शामिल हैं। संघ ने आरआईपीएल एजेंसी के कर्मचारियों पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। ज्ञापन में कहा गया कि डाटा एंट्री एवं लोड सर्वे के नाम पर कुछ कर्मचारियों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं से कथित रूप से आर्थिक दोहन किया जा रहा है। साथ ही पदनाम एवं कार्य से संबंधित गलत जानकारी देकर राशि की उगाही किए जाने की शिकायत भी की गई है। संघ ने मामले की तत्काल जांच कराने, ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने तथा दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। संघ ने उम्मीद जताई कि विभाग सभी बिंदुओं पर गंभीरता से पहल करते हुए ऊर्जा मित्रों के लंबित वेतन एवं अन्य बकाया राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

मानभूम एफसी ने जीती एचएलएम ट्रॉफी, टॉस से हुआ फाइनल का फैसला

चांडिल। धातकीडीह-भादूडीह में जन सेवा ही लक्ष्य की ओर से आयोजित एचएलएम ट्रॉफी सीजन-05 फुटबॉल प्रतियोगिता का बुधवार को समापन हुआ। फाइनल में मानभूम एफसी, चोगा-ईचागढ़ ने जय तारा, चांडिल को हराकर खिताब जीता। निर्धारित समय और ट्राईब्रेकर में भी दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। इसके बाद कमेटी के निर्णय से टॉस कराया गया, जिसमें मानभूम एफसी विजेता बनी। विजेता टीम को तीन लाख रुपये व ट्रॉफी और उपविजेता जय तारा को दो लाख रुपये व ट्रॉफी दी गई। एसी ब्लैक, जमशेदपुर और बमबम भोले को क्रमशः तीसरा और चौथा स्थान मिला तथा दोनों टीमों को एक-एक लाख रुपये व ट्रॉफी प्रदान की गई। दीपक हांसदा को मैन ऑफ द सीरीज और अमृत गोप को बेस्ट गोलकीपर चुना गया। समापन समारोह में सांसद विद्युत वरण महतो, राजीव कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे। प्रतियोगिता के दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में 252 यूनिट रक्त संग्रह हुआ, जबकि पिछले वर्ष 157 यूनिट रक्त संग्रह हुआ था।

डुमरी में किसान मजदूर यूनियन की बैठक, संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

डुमरी : झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष सह भारतीय वाणिज्य मंडल के प्रदेश संगठन सचिव गंगाधर महतो ने बुधवार को हेठनगर में केंद्रीय पदाधिकारियों के साथ संगठन विस्तार को लेकर बैठक की।बैठक में संगठन को मजबूत बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार करने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान आगामी गतिविधियों और कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रियता बढ़ाने तथा अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने पर जोर दिया गया। केंद्रीय अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से संगठन की गतिविधियों को प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने तथा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने की बात कही। मौके पर रवींद्र कुमार महतो, मदन मोहली, सुभाष पंडित, जाफर अंसारी आदि उपस्थित थे।

लुकैया बांध में कीटनाशक डालने से मछलियों की मौत, 90 हजार का नुकसान

पेटरवार। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत दारिद पंचायत के लुकैया स्थित सरकारी तालाब लुकैया बांध में कीटनाशक दवा डालने से मछलियों की मौत हो गई। घटना से मछली पालक शंकर कुमार केवट को करीब 90 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। शंकर कुमार केवट ने बताया कि उन्होंने सरकारी तालाब को तीन वर्षों के लिए लीज पर लिया है और इसके एवज में प्रत्येक वर्ष मत्स्य विभाग को निर्धारित राजस्व का भुगतान किया जाता है। इसी तालाब में उनके द्वारा मछली पालन किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि तालाब की देखरेख के लिए पहुंचने पर बड़ी संख्या में मछलियां मरी हुई मिलीं। तालाब के आसपास जांच करने पर किनारे में सुपर किलर नामक कीटनाशक की पांच बोतलें पड़ी मिलीं। उनका कहा कि अज्ञात लोगों ने तालाब में कीटनाशक डालकर मछलियों को मार दिया। शंकर केवट ने बताया कि मछली पालन के लिए महिला समूह एवं समाज के सहयोग से ऋण लेकर मछली का जीरा डाला गया था। मछलियों की मौत से उन्हें करीब 90 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। मामले को लेकर पेटरवार थाना में आवेदन देकर दोषियों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की गई है।

डीएवी मुनिडीह और डीएम पब्लिक स्कूल में स्कूली वाहनों की सघन जांच, 18 वाहनों पर लगा 1 लाख का जुर्माना

धनबादः उपायुक्त आदित्य रंजन के निर्देशानुसार बुधवार को जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी.द्विवेदी के नेतृत्व में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष जांच अभियान चलाया गया। इसके तहत मोटरयान निरीक्षक अभय कुमार एवं शुभम कुमार द्वारा डीएवी मुनिडीह तथा डीएम पब्लिक स्कूल, पुटकी में संचालित स्कूली वाहनों की गहन जांच की गई। इस दौरान 18 छोटे-बड़े स्कूली वाहनों के कागजात (फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाण पत्र आदि) अधूरे एवं त्रुटिपूर्ण पाए गए। मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले इन वाहनों पर कुल लगभग 1,00,000 (एक लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया। परिवहन विभाग की टीम ने संबंधित वाहन स्वामियों एवं चालकों को तत्काल सभी जरूरी कागजात दुरुस्त करने की सख्त हिदायत दी। साथ ही चालकों को निर्देशित किया गया कि वे स्कूली बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता न करें और निर्धारित गति सीमा तथा यातायात नियमों का अक्षरशः पालन करें। मौके पर जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक सुनील कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अमरेश कुमार, आईटी सहायक देवेन्द्र कुमार, मुकुल कुमार सहित संबंधित विद्यालयों के शिक्षक एवं कर्मी उपस्थित रहे।

कुजू में इंदिरा एकादशी पर श्रीश्याम बाबा के भजन कीर्तन का आयोजन

कुजू। कुजू बस्ती मेन रोड स्थित नाग कन्या मंदिर प्रांगण में मंगलवार को देर शाम में आश्विन मास के कृष्ण पक्ष के इंदिरा एकादशी पर श्री खाटू वाले श्याम प्रभु के भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। इसका आयोजन श्री श्याम परिवार कुजू ने किया। बलिहारी बलिहारी बाबा का भावपूर्ण कीर्तन है ताली श्री श्याम प्रभु के भजनों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस दौरान पंडित विक्की पाठक, अनीस पाठक ने यजमान बने निक्कू केशरी के हाथों पूजन संपन्न कराया। श्री श्याम प्रभु के फूलों से सजे दरबार में पूजन के बाद ज्योत जलाया गया। साथ ही प्रसाद का भोग लगाया गया। वहीं हवन के बाद आरती संपन्न कराया गया। बाद में कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों ने बाबा के श्री चरणों में मत्था टेका। बाद में एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति से भजन गंगा में लोग गोते लगाते रहे। कार्यक्रम में श्री श्याम परिवार कुजू के सभी सदस्यों के अलावा कई एक धर्मप्रेमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद का वितरण लोगों के बीच किया गया। मौके पर श्री श्याम परिवार के कई प्रमुख लोग, बाबा के प्रेमी भक्तजन समेत उमेश अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, उषा अग्रवाल व अन्य भक्तजन उपस्थित हुए।

राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के तहत 'प्रोजेक्ट सामर्थ' का सफल आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोलाः राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के आलोक में जिला प्रशासन रामगढ़ द्वारा आदिम जनजाति (PVTG/ST) समुदाय एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के अत्यंत गरीब व वंचित परिवारों को समाज तथा विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से 'प्रोजेक्ट सामर्थ' के अंतर्गत विशेष बहु-उद्देश्यीय शिविरों का गरिमामय आयोजन किया गया। यह विशेष शिविर चितरपुर प्रखंड के कोयहारा पंचायत स्थित प्राथमिक विद्यालय कोयाहारा तथा गोला प्रखंड अंतर्गत साडम पंचायत में आयोजित किए गए, जिनका विधिवत शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक ममता देवी, उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, स्थानीय मुखिया, उप-प्रमुख सहित कई जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा 18 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे, जिनका अतिथियों व प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा गहन निरीक्षण किया गया। इन स्टॉलों के माध्यम से पेंशन, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, शिक्षा, सड़क, राशन, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र तथा जॉब कार्ड वितरण जैसे जनकल्याणकारी कार्यों का निष्पादन ऑन-द-स्पॉट कर स्वीकृति पत्र और परिसंपत्तियां प्रदान की गईं।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ममता देवी ने कहा कि राज्य सरकार के दिशानिर्देशों के तहत हमारी सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट सामर्थ' जैसे आयोजन दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले वंचित परिवारों के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो रहे हैं। मैं सभी ग्रामीणों से अपील करती हूँ कि वे अपने बच्चों की शिक्षा (स्कूल),स्वास्थ्य सुविधाओं और बेहतर सड़कों का पूरा लाभ उठाएं तथा बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि रामगढ़ जिला प्रशासन राज्य सरकार के संकल्प के अनुरूप विकास की किरण समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है। 'प्रोजेक्ट सामर्थ' के तहत जिला कल्याण विभाग द्वारा चयनित 34 गांवों एवं टोलों में घर-घर सर्वे कर PVTG /ST परिवारों की मूलभूत आवश्यकताओं का डेटा तैयार किया गया है। विभिन्न विभागों के अधिकारी खुद धरातल पर उतरकर बिरहोर और PVTG टोलों का भ्रमण कर रहे हैं ताकि ग्रामीणों की हर समस्या का मौके पर ही निराकरण किया जा सके। अगले 6 महीनों के भीतर इन सभी चिन्हित परिवारों को आवास, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य,

- **चितरपुर व गोला प्रखंड में आयोजित विशेष शिविरों में आदिम जनजातियों एवं वंचित परिवारों को मिला ऑन-द-स्पॉट सरकारी योजनाओं का लाभ**

बिजली, सड़क और सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित (कवर) करने का स्पष्ट निर्देश जारी किया गया है, और प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी लाभ से वंचित न रहे।

कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने कहा कि 'प्रोजेक्ट सामर्थ' के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार के दिशा निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट समर्थ के माध्यम से वंचित परिवारों को कौशल विकास, आजीविका, पशुपालन एवं बकरी पालन योजनाओं से जोड़कर गांवों व पंचायतों को 'मॉडल गांव' एवं 'मॉडल पंचायत' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में सड़क निर्माण,नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय की पहल, आंगनबाड़ी केंद्रों का जीर्णोद्धार तथा पेयजल जैसी मूलभूत ढांचागत योजनाओं में तेजी लाने की पहल की जा रही है।

कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशों के तहत आयोजित इस प्रकार के विशेष शिविरों से सुदूर ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों के लोगों को काफी सुविधाएं मिलेंगी। एक ही छत के नीचे विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ और ऑन-द-स्पॉट समाधान मिलने से ग्रामीणों को प्रखंड या जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और संसाधन दोनों की बचत होगी।

कार्यक्रम के समापन के उपरांत विधायक ममता देवी, उपायुक्त ऋतुराज एवं जिला प्रशासन की टीम एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने चितरपुर प्रखंड के कोयाहारा पंचायत तथा गोला प्रखंड के साडम पंचायत स्थित बिरहोर टोलों का प्रत्यक्ष दौरा और औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने बिरहोर परिवारों के घर-घर जाकर उनके रहन-सहन, खान-पान, पेयजल, बिजली तथा दैनिक व्यवस्थाओं का सूक्ष्मता से जायजा लिया। इस दौरान उपायुक्त ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश जारी किए कि बिरहोर परिवारों को बिना किसी विलंब के प्राथमिकता के आधार पर राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए और उनकी हर मूलभूत जरूरत को तुरंत पूरा किया जाए।

सुगिया में एसटीएफसी महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। एसटीएफसी सुगिया के आयोजित महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का बुधवार को समापन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि सीसीएल कुजू क्षेत्र के जीएम राजीव कुमार सिन्हा, विशिष्ट अतिथि झामुमो केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो, करमा दक्षिणी मुखिया खगेश्वर महतो व झामुमो मांडू प्रखंड उपाध्यक्ष मोहरलाल महतो उपस्थित हुए। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति ने बुके देकर किया। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय मुंडा, संचालन प्रेमचंद मुंडा व किशुन महतो ने संयुक्त रूप से किया। अतिथियों ने उद्घाटन मैच खेलने टाइगर एफ सी धनबेडवा व इलेवन एफ सी हफुआ के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद कीक मारकर मुकाबला का शुरू किया। दोनों ही टीम के बेहतरीन खेल के बाद निर्धारित समय में परिणाम न आने पर मैच रेफरी योगेश हेंब्रम, जितेंद्र कुमार, रामकिशुन महतो व कैलिस कुमार ने पेनाल्टी शॉर्ट का सहारा लिया। इसमें धनबेडवा की टीम 5-4 से विजयी रही। अतिथियों ने विजेता टीम को नकद 51हजार रुपए के साथ बड़ा कप तथा उपविजेता टीम को नकद 41रुपए व छोटा कप प्रदान किया। इस दौरान आयोजन समिति के सचिव रवि मुंडा, कोषाध्यक्ष नरेश मुंडा, संरक्षक पोखलाल मुंडा, पुनीत करमाली, बीरबल मुंडा, सहदेव महतो, अर्जुन मुंडा, राजनाथ महतो समेत सदस्यों में प्रकाश मुंडा, मोहित मुंडा, घनश्याम महतो, बाबूचंद मरांडी, प्रेमलाल मुंडा, बिरसा मुंडा, गौतम मुंडा समेत अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

पेटरवार के राकेश कुमार का बॉलीवुड में धमाकेदार डेब्यू, फिल्म 'एहसास' OTT पर रिलीज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। बोकारो जिले के पेटरवार प्रखंड अंतर्गत अरजुवा पंचायत के कोडरमा निवासी राकेश कुमार ने बॉलीवुड में कदम रखते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी पहली हिंदी फिल्म 'एहसास' 3 अक्टूबर 2026 को Ambadnya OTT चैनल पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में राकेश कुमार मुख्य अभिनेता 'रवि' की भूमिका में नजर आ रहे हैं। राकेश कुमार के पिता रामचंद्र यादव बिजली विभाग में कॉन्ट्रैक्ट पर बिजली मिस्त्री है और माता मीना देवी ग्रहणी हैं। साधारण परिवार से निकलकर मुंबई तक का सफर तय करना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन अभिनय के प्रति जुनून और मेहनत के दम पर उन्होंने अपने सपने को साकार किया। वर्तमान में राकेश मुंबई में रहकर अभिनय के क्षेत्र में अपना करियर बना रहे हैं।

फिल्म 'एहसास' में राकेश कुमार के साथ अभिनेत्री माही वाघ मुख्य भूमिका में हैं, जो 'श्रेया' का किरदार निभा रही हैं। फिल्म प्रेम और भावनाओं पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन दाऊद शेख ने किया है, जबकि इसका निर्माण साईं अनिरुद्धा एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया गया है। फिल्म का गीत 'तेरा नखरा है झक्कास' भी दर्शकों के बीच काफी पसंद किया जा रहा है और सोशल मीडिया पर चर्चा में है। राकेश के बॉलीवुड डेब्यू से उनके गांव और

क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि छोटे से गांव से निकलकर मुंबई की फिल्मी दुनिया में पहचान बनाना क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

50 वर्षों से दखल जमीन पर कब्जे की कोशिश का आरोप, आदिवासी परिवार ने उपायुक्त से लगाई गुहार

राष्ट्रीय मुख्यधारा बृजराज सिंह की रिपोर्ट

जमशेदपुर। बिरसानगर क्षेत्र में एक आदिवासी परिवार ने अपनी वर्षों पुरानी दखल-कब्जे वाली जमीन पर कुछ लोगों द्वारा जबरन कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त से हस्तक्षेप की मांग की है। परिवार की ओर से धरमु सिंह भूमिज, पिता स्व. शिवचरण सिंह, निवासी हुरलुंग, लुआबासा ने इस संबंध में लिखित आवेदन देकर जमीन की सुरक्षा एवं मामले की जांच कराने का अनुरोध किया है। आवेदन के अनुसार मौजा बिरसानगर, वार्ड संख्या-17 स्थित खाता संख्या-55 के प्लॉट संख्या 4183 एवं 4184 की जमीन का रकबा क्रमशः 0.2170 हेक्टेयर एवं 0.0530 हेक्टेयर है। आवेदक का दावा है कि उक्त जमीन पर उनके परिवार का वर्ष 1980 से दखल-कब्जा रहा है और परिवार के लोग लंबे समय तक वहां खेती करते रहे हैं। बाद में मजदूरी करने के कारण खेती बंद कर दी गई। परिवार का आरोप है कि पिछले कुछ समय से उक्त जमीन को छठ घाट एवं पार्क की जमीन बताकर कब्जे का प्रयास किया जा रहा है। आवेदक ने दावा किया है कि जमीन को इस तरह के किसी सार्वजनिक उपयोग के लिए आवंटित किए जाने की जानकारी उन्हें नहीं है। अंचल कार्यालय की जांच रिपोर्ट में क्या आया

मामले से संबंधित अंचल कार्यालय की रिपोर्ट में मौजा जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति, वार्ड संख्या-17, खाता संख्या-55 के प्लॉट संख्या 4183, 4184 एवं 4185 का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार संबंधित हाल सर्वे खतियान में जमीन अनाबाद बिहार सरकार के नाम दर्ज है तथा अभ्युक्ति कॉलम में टिस्को च०सं०-1 के साथ वर्ष 1980 से लखन भूमिज का अवैध दखल अंकित है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल निरीक्षक द्वारा स्थानीय जांच के दौरान प्लॉट के लगभग 170 फीट × 250 फीट हिस्से में लोगेन सिंह भूमिज द्वारा कंटीले तार से घेराबंदी किए जाने की बात प्रतिवेदित की गई। अंचल अधिकारी ने संबंधित आवेदन एवं जांच प्रतिवेदन को आगे की कार्रवाई के लिए जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के उप नगर आयुक्त को प्रेषित किया है। उपायुक्त से कार्रवाई की मांग आवेदक धरमु सिंह भूमिज का कहना है कि उन्होंने इस मामले में पूर्व में भी उपायुक्त कार्यालय में आवेदन दिया था। अब उन्होंने पुनः मामले की शीघ्र जांच कराकर जमीन को कथित अवैध कब्जे से बचाने और अपने आदिवासी परिवार के हितों की रक्षा करने की मांग की है। मामले में राजस्व अभिलेख, खतियान एवं अंचल कार्यालय की जांच रिपोर्ट के आधार पर प्रशासनिक स्तर पर आगे क्या कार्रवाई होती है, यह देखने वाली बात होगी।

सुवर्ण वणिक दुर्गा मंदिर में शुद्धिकरण पूजा धूमधाम से कराया गया

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गोला। प्रखंड क्षेत्र के सुवर्ण वणिक दुर्गा मंदिर के नव निर्मित मंदिर का शुद्धिकरण पूजा ओर वैदिक पूजा बुधवार को पूरे विधि विधान के साथ किया गया।बताया गया कि पुराने मंदिर के जगह पर मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है।आगामी दुर्गा पूजा उसी पुराने जगह पर कराया जाएगा। जहाँ पिछले कई वर्षों से पूजा होते आया है।पूजा अर्चना के बाद प्रसाद का भी वितरण किया गया।धार्मिक मंत्रोच्चार से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा।शुद्धिकरण पूजा कराने में आचार्य कानन हाजरा, अनंतो हाजरा , पुरोहित अजय घोषाल,विपुल घोषाल,संजीव मिश्रा,आलोक मिश्रा,गौतम मिश्रा, उपेंद्र गुरु,सुरेश पाठक,आयुष मिश्रा,गोपाल चक्रवर्ती,यजमान अध्यक्ष राजेश चंद्र पोद्दार,सचिव दीपक चंद्र दे,उप सचिव पंचम पोद्दार,कोषाध्यक्ष गौर चंद्र पोद्दार, उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र पोद्दार शामिल हुए।पूजा अर्चना के बाद हवन भी कराया गया।मौके पर विकास पोद्दार,विकास चंद्र पोद्दार,रूपेश चंद्र दे,जितेंद्र कुमार, लालटू चंद्रा,राकेश पोद्दार ,संजय पोद्दार,टिकेश्वर पोद्दार,चंदन पाठक,दुलाल मिश्रा,दिनेश पोद्दार,पंचम पोद्दार, संटू पोद्दार,मनोरंजन पोद्दार,योगेश पोद्दार,अनिल पोद्दार सहित समाज के अन्य सदस्य मौजूद थे।

चांडिल बांध विस्थापितों की 15 सूत्री मांगों पर धरना, तीन माह का अल्टीमेटम

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : चांडिल बांध प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के अधिकार, पुनर्वास, मुआवजा, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन और विस्थापित मुक्ति वाहिनी ने संयुक्त रूप से एक दिवसीय धरना दिया। प्रशासन को 15 सूत्री मांग-पत्र सौंपकर समाधान के लिए तीन माह का समय दिया गया। विस्थापितों ने पुनर्वास स्थलों का पट्टा व सीमांकन, अवैध कब्जे हटाने, आंशिक रूप से प्रभावित गांवों का पुनः सर्वेक्षण और लंबित मुआवजे के भुगतान की मांग की। सभी 116 प्रभावित गांवों में समान प्रावधान लागू करने तथा पुनर्वास नीति-2012 के तहत आवास, गृह निर्माण, परिवहन, स्वरोजगार और जीवन निर्वाह अनुदान बढ़ाने की मांग भी उठाई गई। प्रस्तावित सोलर प्रोजेक्ट से पहले ग्रामसभा की सहमति, मछुआरा परिवारों के लिए वैकल्पिक रोजगार और पात्र विस्थापितों को भर्ती में प्राथमिकता देने की मांग की गई। तीन माह में कार्रवाई नहीं होने पर अनिश्चितकालीन धरना, भूख हड़ताल, रैली और विधानसभा घेराव सहित चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी गई।

एसआईआर को लेकर मतदाता न हों परेशान, 10 अक्टूबर को सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेल्प डेस्क

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : एसआईआर-2026 को लेकर मतदाताओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक सहायता व्यवस्था की है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि मैपिंग में विसंगति या एनॉमलीज वाले मामलों में मतदाताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा और बीएलओ घर-घर पहुंचकर दस्तावेज जुटाने में मदद करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि एन्यूमरेशन फॉर्म की प्रक्रिया के बाद मुख्य रूप से मैपिंग नहीं होने, मैपिंग में विसंगति और अन्य एनॉमलीज के मामले सामने आए हैं। ऐसे मामलों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुनवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया

कि मतदाता को केवल अपनी पहचान और पात्रता से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उदाहरण के तौर पर मैट्रिक प्रमाण पत्र या निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई एक उपयुक्त दस्तावेज पर्याप्त होगा। दूसरे व्यक्ति के साथ उम्र के अंतर का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि 1987 के बाद जन्मे मतदाताओं के मामले में मैपिंग संबंधी समस्या होने पर माता या पिता से संबंधित निर्धारित दस्तावेज भी प्रस्तुत करना होगा। नाम में मामूली अंतर या विवाह के बाद नाम अथवा उपनाम में बदलाव जैसी सामान्य विसंगतियों से भी मतदाताओं को परेशान होने की जरूरत नहीं है। उपलब्ध प्रमाण के आधार पर पहचान का सत्यापन किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि संबंधित मामलों में बीएलओ मतदाताओं के घर पहुंचेंगे और आवश्यक दस्तावेज लेकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत उन्हें अपलोड व अग्रेषित करेंगे। किसी मतदाता से अनावश्यक या अतिरिक्त दस्तावेज की मांग नहीं की जाएगी। इसके अलावा 10 अक्टूबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेल्प डेस्क लगाया जाएगा, जहां एसआईआर से संबंधित फॉर्म, दस्तावेज, मैपिंग और एनॉमलीज से जुड़ी समस्याओं में सहायता मिलेगी। जिले में बनाए गए मतदाता सहायता केंद्र सह डिजिटाइजेशन सेंटर भी मतदाताओं को मार्गदर्शन और सहायता देंगे। ट्रांसजेंडर, वृद्धाश्रम में रहने वाले लोगों, अनाथालयों में रहने वाले बच्चों और अन्य विशेष परिस्थितियों वाले मतदाताओं के लिए 12 से 16 अक्टूबर के बीच विशेष कैंप आयोजित करने की तैयारी है। इन कैंपों में दस्तावेजों की जांच, आवश्यक कागजात की जानकारी और अपलोडिंग में सहयोग दिया जाएगा। उपायुक्त ने मतदाताओं से अपील की कि एसआईआर से संबंधित किसी भी समस्या या भ्रम की स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसी भी पात्र मतदाता को प्रक्रिया से वंचित होने से बचाना है। एसआईआर में बेहतर कार्य करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहित और सम्मानित भी किया जाएगा। वहीं, मतदाताओं को अनावश्यक रूप से परेशान करने या निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत कार्रवाई की शिकायत मिलने पर संबंधित बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय
दृष्टिकोण
— संपादक : पूर्णेन्दु पुष्पेश —

देश पहले या राजनीतिक सुविधा?

आतंकवाद के सामने सबसे पहले साफ खड़ा होना पड़ता है। वहां शब्दों में अगर मगर शुरू हो जाए, तो सवाल सिर्फ राजनीतिक बयान का नहीं रहता। फिर यह संदेह पैदा होता है कि क्या आतंकवाद की निंदा भी वोट और राजनीतिक सुविधा देखकर होगी? लोकतंत्र में सरकार की आलोचना जरूरी है, लेकिन आतंकवाद के सवाल पर अस्पष्टता विपक्ष की सबसे बड़ी कमजोरी बन सकती है।फ्लाईदुबई की उड़ान में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार के साथ जो हुआ, उसने इसी सवाल को फिर सामने ला दिया है। सह-पायलट अल-हम्मामी ने उन पर हमला किया और विमान तेजी से नीचे गिरा। घायल होने के बावजूद मच्छार ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाबी हासिल की। दूसरे पायलटों और यात्रियों ने स्थिति संभाली और विमान सुरक्षित उतरा। विमान में 174 यात्री थे। जरा सोचिए, अगर उस क्षण मच्छार ने हिम्मत खो दी होती तो क्या होता? एक विमान को हवा में हथियार बनाकर सैकड़ों लोगों की जान लेने की कोशिश को विफल करने वाला यह साहस सामान्य घटना नहीं है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भी उनके सम्मान में प्रस्ताव लाया गया और घटना को संभावित आतंकी हमले के रूप में गंभीरता से लिया गया।

दुनिया ने 9/11 देखा है। चार विमानों के अपहरण के जरिए अमेरिका पर हुआ वह हमला केवल हजारों लोगों की मौत की त्रासदी नहीं था, उसने पूरी दुनिया की सुरक्षा व्यवस्था बदल दी। मुंबई का 26/11 भी हमारे सामने है। इसलिए किसी विमान को जानबूझकर तबाही का हथियार बनाने की कोशिश को हल्के में लेने की कोई गुंजाइश नहीं है। आतंकवाद अब केवल जंगलों या किसी संगठन के प्रशिक्षण शिविरों तक सीमित नहीं है। डॉक्टर, इंजीनियर और पायलट जैसे पेशेवर भी कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता चुन सकते हैं। यही 'लोन वुल्फ' आतंकवाद की सबसे खतरनाक चुनौती है।

कल्पना करें, अगर भारतीय कैप्टन स्मित मच्छार ने यह बहादुरी नहीं दिखाई होती और अल-हम्मामी अपनी योजना मे सफल हो जाता तो क्या होता! भारत देश के अनेक देश दुश्मन बन सकते थे, कांग्रेस का 'हिन्दू आतंकवाद' स्थापित हो सकता था, और जाने क्या-क्या! इसीलिए स्मित मच्छार की बहादुरी पर सवाल नहीं, सम्मान होना चाहिए। किसी भारतीय ने अपनी जान दांव पर लगाकर सैकड़ों लोगों को बचाया, तो उसका अभिनंदन करना न इजरायल का समर्थन है, न किसी सरकार का। यह अपने नागरिक के साहस का सम्मान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत कई नेताओं ने मच्छार की बहादुरी की सराहना की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और जयराम रमेश ने भी बाद में उनके साहस को सलाम किया। इसलिए पूरी कांग्रेस को मच्छार की बहादुरी से दूरी बनाने वाला बताना तथ्यात्मक रूप से उचित नहीं होगा।

लेकिन यहां एक राजनीतिक सवाल फिर भी खड़ा होता है। राहुल गांधी जैसे प्रमुख विपक्षी नेता ऐसे मामलों में अपनी बात इतनी स्पष्टता से क्यों नहीं रखते कि किसी को राजनीतिक सुविधा का सवाल उठाने का मौका ही न मिले? सरकार की आलोचना कीजिए, इजरायल की नीति की आलोचना कीजिए, फलस्तीन के नागरिकों के पक्ष में बोलिए; लोकतंत्र में इन सबकी जगह है। लेकिन आतंकवाद और उसके शिकार को लेकर भाषा में कोई भ्रम क्यों रहे?

हमारे यहां समस्या केवल आतंकवादी हमले नहीं हैं, बल्कि हमले के बाद शुरू होने वाला विमर्श भी है। 9/11 और 26/11 जैसे हमलों के बाद भी साजिश के सिद्धांतों को हवा दी गई। 26/11 के मामले में तो 'आरएसएस की साजिश' जैसी थ्योरी पर किताब तक सामने आई। आज भी किसी आतंकी घटना के बाद बिना पर्याप्त प्रमाण 'फॉल्स फ्लैग' का नैरेटिव खड़ा कर देना आसान हो गया है। सवाल पूछना गलत नहीं है, लेकिन जांच पूरी होने से पहले निष्कर्ष सुना देना समाज को भ्रमित करता है।

हमास को लेकर भारत में हुई कुछ घटनाएं भी इसी बहस को जरूरी बनाती हैं। अक्टूबर 2023 में केरल के मलप्पुरम में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सॉलिडैरिटी यूथ मूवमेंट की रैली में हमास के पूर्व प्रमुख खालिद मशाल ने वर्चुअल संबोधन किया था। आयोजन को लेकर विवाद हुआ और राजनीतिक दलों ने इसकी आलोचना की। यहां भी सवाल किसी समुदाय का नहीं, आतंकवादी संगठन के प्रतिनिधि को सार्वजनिक मंच देने की स्वीकार्यता का है।

यह फर्क समझना जरूरी है। किसी समुदाय के हर व्यक्ति को किसी कट्टरपंथी संगठन के विचारों से जोड़ना गलत है। उसी तरह किसी आतंकी संगठन के प्रति सहानुभूति या उसके प्रतिनिधि को मंच देने पर सवाल उठाना भी किसी समुदाय के खिलाफ होना नहीं है। उलटे, ऐसी स्पष्टता उस समुदाय के भीतर मौजूद उन आवाजों को मजबूत करती है जो आतंकवाद को साफ तौर पर गलत मानती हैं।

विपक्ष की राजनीति का मतलब सरकार के हर कदम का विरोध नहीं है। विपक्ष का मतलब है सवाल पूछना, जवाब मांगना और जरूरत पड़ने पर सरकार को कठघरे में खड़ा करना। लेकिन आतंकवाद पर उसकी पहली जिम्मेदारी यह बताना है कि हिंसा किसने की, पीड़ित कौन है और उसके खिलाफ कौन खड़ा है। यहां राजनीतिक गणित की गुंजाइश जितनी कम होगी, लोकतंत्र का भरोसा उतना ही मजबूत होगा।समाचार पढ़ें

देश के नागरिक विपक्ष से सरकार की आलोचना जरूर चाहते हैं, लेकिन वे यह भी देखना चाहते हैं कि संकट की घड़ी में कौन देश के साथ खड़ा है। स्मित मच्छार ने अपनी जान जोखिम में डालकर यह काम कर दिखाया। राजनीति को कम से कम इतना साहस तो दिखाना ही चाहिए कि आतंकवाद को आतंकवाद कह सके और उसे रोकने वाले भारतीय के साहस को बिना किसी राजनीतिक चश्मे के सलाम कर सके। राजनीति अपनी जगह है, लेकिन देश पहले है।

लोकतंत्र के सबसे बड़े चुनावी विवाद का विस्फोट !

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

मुख्य चुनाव आयुक्त पर इस्तीफे का दबाव, एसआईआर में 13 करोड़ नामों का विवाद, देशव्यापी आंदोलन और 5 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में महासुनवाई पर टिकी विश्व की निगाहें! -समग्र व्यापक विश्लेषण

मतदाता सूची से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मचा चुनावी घमासान! -मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग, एसआईआर पर कानूनी चुनौती, ईसीआईनेट के फॉरेंसिक ऑडिट की मांग और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन!

मतदाता सूची से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मचा चुनावी घमासान! -एसआईआर की पारदर्शिता और मताधिकार की सुरक्षा पर छिड़ी राष्ट्रीय बहस! -क्या मतदाता का अधिकार बनाम चुनाव आयोग की जवाबदेही बनेगा 2026 का सबसे बड़ा संवैधानिक प्रश्न?

वैश्विक स्तरपर भारत में 2 अक्टूबर का दिन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के रूप में सत्य, अहिंसा,सादगी, लोकतांत्रिक मूल्यों और सार्वजनिक जीवन में नैतिकता की याद दिलाता है। किंतु 2 अक्टूबर 2026 को देश के राजनीतिक एवं संवैधानिक परिदृश्य में एक ऐसा घटनाक्रम सामने आया है,जिसने भारतीय चुनाव व्यवस्था की पारदर्शिता, निर्वाचन आयोग की संस्थागत स्वतंत्रता और करोड़ों मतदाताओं के मताधिकार को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है।देश के मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध इस्तीफे,जवाबदेही और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की जांच की मांग को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों,युवा संगठनों और नागरिक समूहों ने विरोध प्रदर्शन आयोजित किए हैं। इस घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि विवाद अब केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहाबल्कि सर्वोच्च न्यायालय में भी पहुंच चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनाना गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया के हवाला से रिसर्च कर इस आर्टिकल के माध्यम से यह बताना चाहूंगा क्रि आखिर क्या है ज्ञानेश कुमार से जुड़ा पूरा विवाद? विवाद का मूल चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर की प्रक्रिया और इस दौरान लिए गए निर्णयों को लेकर है। इस प्रक्रिया का घोषित प्रशासनिक उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना,मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टियों की जांच करना, डुप्लीकेट नामों को हटाना और पात्र नए मतदाताओं को शामिल करना है।लेकिन आलोचकों का आरोप है कि प्रक्रिया के दौरान दस्तावेजों की आवश्यकताओं,नाम हटाने की पद्धति,फॉर्म-6 में बदलाव और डिजिटल प्रणालियों के संचालन को लेकर गंभीर सवाल उत्पन्न हुए हैं। साथियों,याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि लगभग 13 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं।यह आंकड़ा याचिकाओं और रिपोर्टों में उठाया गया दावा है,इसे स्वतः13 करोड़ पात्र मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का प्रमाण नहीं माना जा सकताविवाद को और गंभीरता तब मिली जब मीडिया रिपोर्टों में सामने आया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले लगभग दस महीनों में आयोग की कुछ प्रक्रियाओं और निर्णयों पर कम से कम 14 अवसरों पर आपत्तियां दर्ज की थीं। रिपोर्टों में फॉर्म-6, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने तथा एसआईआर से संबंधित प्रक्रियाओं का उल्लेख किया गया। हालांकि चुनाव आयोग ने अपने निर्णयों को संस्थागत प्रक्रिया के अनुरूप बताया है। इसलिए इन आपत्तियों को स्थापित अनियमितता के बजाय जांच और स्पष्टीकरण की आवश्यकता वाले तथ्यों के रूप में देखना सटीकता से उचित होगा। साथियों बात अगर हम सर्वोच्च न्यायालय में 5 अक्टूबर की सुनवाई क्यों महत्वपूर्ण? इसको समझने की करें तो इस विवाद में 5 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई विशेष महत्व रखती है। मीडिया में उपलब्ध समाचार रिपोर्टों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश सहित तीन सदस्यों की पीठ के समक्ष संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई निर्धारित है। याचिकाओं में यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने आयोग के अन्य सदस्यों की आवश्यक सहमति के बिना एसआईआर संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए और क्या ऐसे निर्णय संवैधानिक तथा वैधानिक प्रक्रियाओं के अनुरूप थे।याचिकाकर्ताओं ने कथित एकतरफा निर्देशों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर में किए गए बदलावों को अवैध घोषित करने की मांग की है।इसके साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त तथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई, सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र न्यायिक जांच अथवा विशेष जांच दल गठित करने और ईसीआईनेट तथा ईआरओनेट प्रणालियों का तकनीकी एवं फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग भी उठाई गई है। आयोग के मूल अभिलेख, फाइल टिप्पणियां और बैठकों के कार्यवृत्त न्यायालय में प्रस्तुत कराने का आग्रह किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण अंतरिम मांग यह है कि न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने तक ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के रूप में कार्य करने से रोका जाए। यह याचिकाकर्ताओं की प्रार्थना है,न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया आदेश नहीं। सुनवाई का वास्तविक महत्व इस बात में होगा किन्यायालय निर्णय प्रक्रिया, आयोग की सामूहिक शक्ति और मतदाता सूची पुनरीक्षण कीवैधानिकता से जुड़े प्रश्नों पर क्या निर्देश देता है। साथियों बात अगर हम गांधी जयंती पर मुंबई से देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत को समझने की करें तो 2 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शनों में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक की घोषणा विशेष चर्चा में रही है। संगठन ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मुंबई से देशव्यापी आंदोलन शुरू करने की योजना घोषित की थी। इसके बाद विभिन्न शहरों में विरोध कार्यक्रमों और आगे आंदोलन को विस्तारित करने की बात सामने आई। मुंबई में प्रस्तावित प्रदर्शन के लिए शिवाजी पार्क क्षेत्र का उल्लेख किया गया था। हालांकि पुलिस अनुमति को लेकर प्रशासन और आयोजकों के बीच मतभेद की खबरें भी सामने आईं। दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर भी पुलिस अनुमति नहीं मिलने और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी किए जाने की रिपोर्टें प्रकाशित हुईं।अतः सभी स्थानों पर एक समान रूप से आंदोलन आयोजित होने अथवा इंटरनेट बंद किए जाने का दावा बिना स्थान-विशिष्ट आधिकारिक पुष्टि के नहीं किया जाना चाहिए। आंदोलन की प्रमुख मांगों में मुख्य चुनाव आयुक्त का इस्तीफा अथवा संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हटाने की पहल,मतदाता सूची पुनरीक्षण की स्वतंत्र जांच, हटाए गए पात्र मतदाताओं के नामों की बहाली,चुनाव आयोग की निर्णय प्रक्रिया का खुलासा और डिजिटल चुनावी प्रणालियों की जवाबदेही शामिल हैं।विपक्षी दलों की ओर से मतपत्र आधारित मतदान,एसआईआर से पूर्व की मतदाता सूचियों को लेकर पुनर्विचार और प्रभावी अपील व्यवस्था जैसी मांगें भी सामने आई हैं। यहां यह समझना आवश्यक है कि इस्तीफा, महाभियोग अथवा पद से हटाने की मांगें राजनीतिक और संवैधानिक रूप से अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संविधान में निर्धारित प्रक्रिया लागू होती है; किसी राजनीतिक प्रदर्शन की मांग अपने आप पद से हटाने का कानूनी आदेश नहीं बन जाती। साथियों बात अगर हम फॉर्म-6 और चुनाव आयोग की आंतरिक आपत्तियों का प्रश्न इसको समझने की करें तो मतदाता सूची में नए पात्र मतदाता का नाम जोड़ने के लिए फॉर्म-6 महत्वपूर्ण माध्यम है। इस फॉर्म और उससे जुड़ी प्रक्रिया में बदलाव को लेकर भी विवाद उठा है।

सूक्ति

"महान कार्य करने का केवल एक ही तरीका है, और वह है अपने काम से प्यार करना।"
— स्टीव जॉब्स

"जीवन में सबसे बड़ी संपत्ति वह चरित्र है जो आप विपरीत परिस्थितियों में दिखाते हैं।" — अल्बर्ट आइंस्टीन

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः आश्विन माह महीने के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि समयः सूर्योदय (सुबह लगभग 06:18 बजे) से लेकर रात्रि 10:15 बजे तक त्रयोदशी तिथि रहेगी। अभिजित मुहूर्तः दोपहर 11:45 बजे से 12:32 बजे तक, शुभ चौघड़ियाः दोपहर 01:36 बजे से 03:03 बजे तक।

आज जन्म लिए बालक का फल...

सिंह राशि का स्वामी सूर्य होने के कारण बच्चा स्वभाव से स्वाभिमानी, निडर और नेतृत्व करने की क्षमता रखने वाला होगा। सूर्य और सिंह राशि के प्रभाव से बच्चा प्रशासनिक सेवाओं, सरकारी नौकरियों, राजनीति या उच्च प्रबंधन पद में विशेष सफलता हासिल कर सकता है।

मेष राशिः कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी। आज आपकी यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी।

वृष राशिः आज बड़ों से कुछ नया सीखने को मिलेगा, जो आगे चलकर आपके काम आएगा।

मिथुन राशिः आज बेटी के करियर को लेकर किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क राशिः संतान की चिंता कम होगी, अच्छी जॉब लगने से घर में उत्सव सा माहौल बना रहेगा।

सिंह राशिः पारिवारिक परिस्थितियों में पहले से बेहतर सुधार आएगा।

कन्या राशि : विद्यार्थियों को करियर का चुनाव के लिए अच्छे अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपको करियर में नई ऊंचाइयां मिलेंगी। बिजनेस के लिहाज से दिन बेहतर होगा।

धनु राशिः आज बेटी को सफलता मिलेगी, जिससे लोग आपको बधाई देंगे।

मकर राशिः विद्यार्थियों को अपने सहपाठियों की मदद मिलेगी, जिससे दोस्ती में मिठास बढ़ेगी।

कुंभ राशिः आज आपके विरोधी आपसे दूर रहेंगे। आज आप किसी नए विषय पर घरवालों से चर्चा करेंगे।

मीन राशिःआज आपका आज आपको अपनी मनपसंद की कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलाया जा सकता है।

भविष्य गढ़ने वाला असली शिल्पकार है शिक्षक

सुनील कुमार महला

शिक्षक को पीढ़ियों का निर्माता और समाज का मार्गदर्शक माना जाता है और वह है भी।सच तो यह है कि शिक्षा व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी शिक्षक हैं और किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था से ही तय होता है।हम सभी यह जानते हैं कि शिक्षा व्यक्ति को केवल पढ़ना-लिखना नहीं सिखाती, बल्कि यह शिक्षा ही होती है जो हमें सोचने, समझने, निर्णय लेने और सही-गलत में अंतर करने की क्षमता देती है। वास्तव में,सच तो यह है कि एक शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होता है तथा समाज और राष्ट्र के विकास में प्रभावी भूमिका निभाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि शिक्षा से आत्मविश्वास, सम्मान, रोजगार और आत्मनिर्भरता का मार्ग खुलता है और एक शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार की दिशा बदल सकता है और एक शिक्षित समाज पूरे राष्ट्र का भविष्य बदल सकता है। शायद इसीलिए यह बात कही जाती है कि धन छिन सकता है, संपत्ति नष्ट हो सकती है, लेकिन शिक्षा वह संपदा है जिसे कोई भी छीन नहीं सकता।

शिक्षकों के योगदान,उनके शिक्षा को समर्पण और शिक्षा में उनकी भूमिका को सम्मान देने के लिए हर वर्ष 5 अक्टूबर को विश्व शिक्षक दिवस मनाया जाता है। शिक्षक छात्रों को केवल और केवल ज्ञान ही प्रदान नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, चरित्र और भविष्य के निर्माण तथा राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दरअसल, 5 अक्टूबर 1966 को पेरिस में यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के एक विशेष सम्मेलन में शिक्षको के अधिकारों, जिम्मेदारियों, प्रशिक्षण और रोजगार की स्थितियों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सिफारिश को अपनाया गया था। ऐसे में यहां यह स्पष्ट है कि इस दिवस का आयोजन यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन , यूनिसेफ और एजुकेशन इंटरनेशनल मिलकर करते हैं। यहां यह भी गौरतलब है कि हमारे देश भारत में राष्ट्रीय शिक्षक दिवस 5 सितंबर को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यहां यह गौरतलब है कि विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर 1994 से मनाया जा रहा है।

विश्व शिक्षक दिवस मनाने के पीछे के मुख्य उद्देश्यों की यदि हम यहां पर बात करें तो इनमें क्रमशः शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा करना मसलन -शिक्षकों के काम करने के वातावरण, वेतन, स्वतंत्रता और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करना, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना मसलन-समाज को बेहतर बनाने के लिए कुशल और प्रेरित शिक्षकों की आवश्यकता पर बल देना,शिक्षा नीतियों में भागीदारी मसलन सरकार और नीति निर्माताओं को शिक्षा

संबंधी निर्णयों में शिक्षकों के अनुभव का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही साथ वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा मसलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी कि तकनीक और जलवायु परिवर्तन जैसे नए दौर में शिक्षकों की भूमिका को मजबूत करना आदि हैं। हर वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है और यहां पाठकों को बताता चलूं कि पिछले साल यानी कि वर्ष 2025 में इस दिवस की थीम-शिक्षण को सहयोगात्मक पेशे के रूप में पुनर्परिभाषित करनाः क्या बदलाव आवश्यक हैं? रखी गई थी। वास्तव में इस थीम का मतलब यह है कि शिक्षक केवल और केवल पढ़ाने वाला या शिक्षा प्रदान करने वाला व्यक्ति मात्र ही नहीं है, अपितु वह तो विद्यार्थियों, अभिभावकों, अन्य शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन और समुदाय के साथ मिलकर काम करने वाला एक पेशेवर है। सरल व सीधे शब्दों में अगर कहें तो यह थीम इस बात पर जोर देती है कि बेहतर शिक्षा केवल एक शिक्षक के प्रयास से नहीं, बल्कि सभी संबंधित पक्षों के सहयोग से संभव है।वहीं इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम -शिक्षकों के साथ खड़े होनाः पेशे की रक्षा करना, इसकी स्थिति को आगे बढ़ाना और हमारे भविष्य को संवारना रखी गई है। यह थीम 1966 की अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन/यूनेस्को सिफारिशों के 60वें वर्ष की वर्षगांठ को ध्यान में रखकर रखी गई है।

आज एआइ का युग है और एआइ और आधुनिक तकनीक के तेज़ी से बदलते दौर में शिक्षकों के अधिकारों, उनके कार्य वातावरण और पेशेवर सम्मान की रक्षा करना अत्यंत आवश्यक है।इस वर्ष की थीम यह स्पष्ट करती है कि जब तक समाज शिक्षकों को सही संसाधन, प्रशिक्षण और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सम्मानजनक स्थान नहीं देगा, तब तक एक मज़बूत और समावेशी शिक्षा प्रणाली का निर्माण संभव नहीं है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के दौर में आज शिक्षकों को नई तकनीकों का ज्ञान और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना तथा उनके सम्मान और पेशेवर गरिमा को मजबूत करना बहुत ही महत्वपूर्ण है। वास्तव में तभी हमारे शिक्षक बदलती दुनिया के साथ कदम मिलाकर नई पीढ़ी को सही ज्ञान, संस्कार और दिशा दे सकेंगे और उसके उज्ज्वल भविष्य की नींव मजबूत कर सकेंगे। एआइ के दौर में आज शिक्षकों की भूमिका निरंतर बदलती चली जा रही है। आज तकनीक का तेज दौर है और तकनीक से छात्रों को बहुत सी सुविधाएं उपलब्ध हो चुकी हैं। मसलन, आज बिना शिक्षकों के ही वे एआइ की सहायता से आसानी से सवालों का जवाब पा लेते हैं, इसलिए आज के दौर में शिक्षक का काम सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन और मेंटरशिप देना बन गया है। चीटिंग रोकना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना आज एक प्रमुख चुनौती बन गया है। आज शिक्षकों को नए डिजिटल तकनीकों के अनुसार ढलना आवश्यक हो गया है, लेकिन आज भी हमारे शहरों और गाँवों के बीच इंटरनेट/एआइ सुविधाओं का अंतर तथा प्रशिक्षण की बहुत कमी है। बावजूद इसके एआइ केवल ज्ञान देने का एक मददगार उपकरण जरूर बन सकता है, लेकिन एक सच्चा शिक्षक बच्चे का मार्गदर्शक और जीवन-निर्माता होता है, जिसकी जगह कोई तकनीक नहीं ले सकती।सच तो यह है कि एआइ कभी भी मानवीय सोच, दया, नैतिक मूल्यों और प्रेरणा का मुकाबला नहीं कर सकती है ।शिक्षकों को भी यह चाहिए कि वे एआइ को अपना दुश्मन नहीं, बल्कि एक मददगार उपकरण मानें ,ताकि वे बच्चों के सर्वांगीण विकास में बेहतर योगदान दे सकें।बच्चे को सही-गलत का फर्क सिखाना, अच्छा बुरा और नैतिक अनैतिक में अंतर करना, उन्हें अनुशासन में रहना और एक अच्छा इंसान बनाना केवल मानवीय मार्गदर्शन से ही संभव है। हमें यह याद रखना चाहिए कि बच्चे के मन की बात, उसकी उदासी, खुशी या झिझक को सिर्फ एक शिक्षक समझ सकता है। बच्चों को प्रेरणा और प्रोत्साहन मशीन नहीं दे सकती है, यह वास्तव में एक शिक्षक का ही काम है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आसमान में मंडराया खतरा तो हिम्मत बनी सैकड़ों यात्रियों की ढाल

कांतिलाल मांडोत

कैप्टन स्मित मच्छार ने संकट की घड़ी में दिखाया अदम्य साहस और सूझबूझ

विमान में बैठे यात्रियों के लिए उड़ान का समय सामान्यतः रोमांच और सुविधा का अनुभव होता है, लेकिन जब हजारों फीट की ऊंचाई पर अचानक कोई गंभीर संकट सामने आ जाए तो कुछ ही क्षणों में पूरी स्थिति जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष में बदल सकती है। ऐसे समय में विमान के पायलट की भूमिका केवल विमान उड़ाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसकी सूझबूझ, धैर्य, निर्णय क्षमता और साहस सैकड़ों लोगों के जीवन की रक्षा का आधार बन जाते हैं। हाल की एक घटना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि संकट के सामने मजबूत हौसला और पेशेवर जिम्मेदारी कितनी बड़ी ताकत बन सकती है।

दुबई से इजरायल जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सामने आए गंभीर खतरे के दौरान कैप्टन स्मित मच्छार ने जिस तरह परिस्थितियों का सामना किया, उसने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है। विमान के भीतर अचानक पैदा हुए संकट ने यात्रियों और चालक दल के सामने असाधारण चुनौती खड़ी कर दी थी। ऐसी स्थिति में घबराहट फैलना स्वाभाविक था, लेकिन विमान के संचालन से जुड़े लोगों के लिए सबसे जरूरी था कि वे संयम बनाए रखें और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कैप्टन स्मित की भूमिका इसी जिम्मेदारी की मिसाल के रूप में सामने आई।

शिक्षकों पर है नई सृष्टि और दृष्टि गढ़ने की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता, वह मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें आकार देने वाला शिल्पकार होता है। वह केवल ज्ञान नहीं देता, जीवन को दिशा देता है; केवल परीक्षा के लिए तैयार नहीं करता, बल्कि परिस्थितियों से संघर्ष करने की क्षमता देता है। आज जब दुनिया अभूतपूर्व परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई हमारी जीवन-शैली, कार्य-पद्धति, ज्ञान और संचार के लगभग हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, तब शिक्षक की भूमिका कम नहीं, बल्कि पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मशीनें सूचना दे सकती हैं, उत्तर खोज सकती हैं और अनेक कार्य मनुष्य से तेज कर सकती हैं, लेकिन संवेदना, विवेक, करुणा, नैतिकता और जीवन-मूल्यों का संस्कार मनुष्य ही दे सकता है। यही वह क्षेत्र है जहाँ शिक्षक की भूमिका अद्वितीय है। विश्व शिक्षक दिवस प्रतिवर्ष 5 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस 1966 में आईएलओ-यूनेस्को की शिक्षकों की स्थिति संबंधी अनुशंसा को स्मरण करता है, जिसमें शिक्षकों के अधिकार, दायित्व, प्रशिक्षण, नियुक्ति, रोजगार तथा शिक्षण-कार्य की परिस्थितियों के लिए वैश्विक मानक निर्धारित किए गए थे। 1994 से विश्व शिक्षक दिवस मनाया जा रहा है। वर्ष 2026 का विश्व शिक्षक दिवस इसलिए विशेष है कि यह 1966 की उस ऐतिहासिक अनुशंसा की 60वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष की थीम है-"शिक्षकों के साथ खड़े रहनाः पेशे की रक्षा, उसकी स्थिति को उन्नत करना और हमारे भविष्य को आकार देना।" यूनेस्को ने इस अवसर पर बदलती दुनिया में शिक्षकों के सामने डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जलवायु परिवर्तन, समावेशन, प्रवासन और विस्थापन जैसी नई चुनौतियों को रेखांकित किया है। इस थीम का संदेश अत्यंत गहरा है। शिक्षक को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण, उचित कार्य-परिस्थितियां, पेशेवर स्वायत्तता, सामाजिक सम्मान और अपनी प्रतिभा का उपयोग करने के अवसर भी चाहिए। यूनेस्को स्वयं यह रेखांकित करता है कि शिक्षकों को जिस तरह तैयार, समर्थित और सम्मानित किया जाता है, वह शिक्षा की गुणवत्ता और समानता से सीधे जुड़ा है।

आज का युग ज्ञान-विस्फोट का युग है। कभी विद्यार्थी के लिए शिक्षक ज्ञान का प्रमुख स्रोत होता था। आज एक मोबाइल फोन पर असंख्य पुस्तकें, व्याख्यान, पाठ्यक्रम और एआई आधारित उपकरण उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि जब मशीनें उत्तर देने लगी हैं तो शिक्षक की आवश्यकता क्यों है? इसका उत्तर यही है कि शिक्षक का काम उत्तर देना भर नहीं, सही प्रश्न पूछना सिखाना है। एआई जानकारी दे सकता है, लेकिन उस जानकारी का उपयोग किस उद्देश्य से हो, यह विवेक शिक्षक विकसित करता है। मशीन बुद्धि को तेज कर सकती है, लेकिन मनुष्य को विवेकशील, संवेदनशील और जिम्मेदार बनाना अभी भी शिक्षक का ही कार्य है। एक बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है, तब उसके पास केवल जिज्ञासा होती है। शिक्षक उस जिज्ञासा को ज्ञान में, ज्ञान को विवेक में और विवेक को जीवन-मूल्यों में बदलता है। एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थी को केवल यह नहीं बताता कि क्या सही है, वह उसे सही और गलत के बीच स्वयं निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। यही वास्तविक शिक्षा है, इसी से उन्नत एवं चरित्रसम्पन्न नागरिकों का निर्माण होता है। महात्मा गांधी ने शिक्षा के सर्वांगीण स्वरूप पर बल दिया था। भारतीय परंपरा में शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि मनुष्य को संस्कारित और जिम्मेदार बनाना रहा है। 'सा विद्या या विमुक्तये'-वही विद्या है जो मुक्ति प्रदान करे। यह मुक्ति केवल अज्ञान से नहीं, बल्कि भय, लोभ, क्रोध, अहंकार, हिंसा, ईर्ष्या और संकीर्णता से भी होनी चाहिए। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक ज्ञानवान तो बनाए, लेकिन अधिक मानवीय न बनाए, तो शिक्षा का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। आज समाज में हिंसा, तनाव, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, मानसिक दबाव और सामाजिक अविश्वास की अनेक स्थितियां दिखाई देती हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल कानूनों से संभव नहीं है। कानून बाहरी व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, लेकिन मनुष्य के भीतर करुणा, संयम और सह-अस्तित्व की भावना शिक्षा ही विकसित कर सकती है। इसलिए शिक्षक वास्तव में शांति के निर्माता भी हैं। जिस कक्षा में विद्यार्थी दूसरे की बात सुनना, मतभेद का सम्मान करना, क्रोध को नियंत्रित करना और सहयोग करना सीखता है, वहीं से शांतिपूर्ण समाज की नींव पड़ती है। आज आवश्यकता ऐसे शिक्षक की है जो विद्यार्थी को प्रतियोगिता के लिए तैयार करने के साथ सहयोग का महत्व भी समझाए; सफलता का अर्थ केवल अधिक धन या बड़ा पद नहीं, बल्कि बेहतर मनुष्य बनना भी बताए। वह बच्चे को यह समझाए कि तकनीक हमारे हाथ में साधन है, हमारा स्वामी नहीं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादक: Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादक: **राजेश मोहन सहाय**; धनबाद ब्यूरोचीफ: **राजीव रंजन** । बिहार प्रभारी: **संतोष श्रीवास्तव.** Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवाहक

संक्षिप्त समाचार

विधायक के पीए पर दुर्व्यवहार का आरोप, झामुमो कार्यकर्ताओं में नाराजगी

चांडिल। नीमडीह प्रखंड के जुगिलोंग गांव में सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत के बाद एंबुलेंस को लेकर हुए विवाद में ईचागढ़ विधायक सविता महतो के निजी सहायक कबलू महतो पर ग्राम प्रधान मधुसूदन गोप के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। मधुसूदन गोप के अनुसार, सोमवार रात हादसे में उनके भतीजे स्वपन गोप, शिवराम गोप और लुकेश गोप की मौत हो गई थी। मंगलवार को शवों को पोस्टमार्टम के लिए पुरुलिया सदर अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। बलरामपुर पुलिस द्वारा एंबुलेंस के कागजात और वाहन नंबर मांगे जाने पर उन्होंने झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सचिन गोप से संपर्क किया, लेकिन फोन नहीं उठा। इसके बाद कबलू महतो से वाहन नंबर मांगा गया। आरोप है कि उन्होंने नंबर देने से इनकार करते हुए कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणी की। घटना को लेकर स्थानीय झामुमो कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। उन्होंने विधायक से मामले में संज्ञान लेने कीमांग की है।

बोकारो थर्मल में खड़े ट्रक से 90 लीटर डीजल चोरी, पुलिस को दी गई सूचना

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र अंतर्गत कथारा मोड़ पर खड़े एक ट्रक से बीते मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने 90 लीटर डीजल की चोरी कर ली। ट्रक संख्या जेएच 02एपी 2989 बोकारो थर्मल निवासी भाजपा नेता श्रवण सिंह का बताया जाता है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, ट्रक चालक मंगलवार की रात वाहन लेकर बाहर से लौटने के दौरान उसे कथारा मोड़ स्थित हनुमान मंदिर के समीप खड़ा कर दिया और ट्रक के अंदर ही सो गया, क्योंकि बुधवार की सुबह उसे गाड़ी में मरम्मती का काम करवाना था। बुधवार की सुबह जब चालक की नींद खुली तो उसने देखा कि डीजल टंकी का नीचे का बोल्ट खुला हुआ था तथा टंकी से सारा डीजल गायब था। इसके बाद चालक ने तुरंत घटना की जानकारी ट्रक मालिक श्रवण सिंह को दी, जिन्होंने मामले से स्थानीय थाना पुलिस को अवगत करा दिया है। विदित हो कि इन दिनों सीसीएल की कोलियरियों के अलावा गैराज एवं चौक-चौराहों पर खड़े ट्रकों व वाहनों से चोर रात के अंधेरे में डीजल चोरी की घटनाओं को लगातार अंजाम दे रहे हैं।

फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद शुरू, निशांत कुमार, संजय झा और उमेश कुशवाहा समेत कई नेता पहुंचे

हाजीपुर। फरक्का बराज और गंगा जल बंटवारे के मुद्दे को लेकर हाजीपुर के हिलालपुर में आयोजित 'फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निशांत कुमार कार्यक्रम स्थल पहुंच गए हैं। उनके साथ राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा समेत क्षेत्रीय विधायक और पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ताओं और नेताओं के पहुंचने की संभावना है। यह कार्यक्रम जनता दल यूनाइटेड की ओर से फरक्का बराज, गंगा जल बंटवारे और बिहार की दीर्घकालिक जल जरूरतों से जुड़े मुद्दों को लेकर आयोजित किया जा रहा है। पार्टी की ओर से बिहार के गंगा किनारे बसे 12 जिलों में इस तरह के संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जदयू का कहना है कि फरक्का बराज और जल बंटवारे की व्यवस्था का बिहार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पार्टी का दावा है कि बराज के कारण गंगा में गाद जमा होने और नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से बिहार के कई हिस्सों में बाढ़ की समस्या बढ़ी है। साथ ही जल बंटवारे से बिहार की सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक जरूरतों पर असर पड़ने की बात भी पार्टी की ओर से कही जाती रही है। हालांकि, फरक्का बराज और बिहार में बाढ़ के बीच संबंध को लेकर विशेषज्ञों के अलग-अलग मत हैं। बिहार में बाढ़ की स्थिति पर गंगा के साथ उसकी सहायक नदियों,भारी बारिश,नदी की धारा में बदलाव और नेपाल से आने वाले पानी समेत कई कारकों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए बिहार की बाढ़ के लिए केवल फरक्का बराज को जिम्मेदार ठहराना एक सर्वमान्य निष्कर्ष नहीं है। 1996 की संधि में फरक्का पर उपलब्ध जल प्रवाह के आधार पर भारत और बांग्लादेश के बीच पानी के बंटवारे की व्यवस्था तय की गई है। इसमें 10 दिन की अवधि के आधार पर जल प्रवाह का आकलन कर दोनों देशों के हिस्से निर्धारित किए जाते हैं। ऐसे में यह कहना कि बिहार से सीधे एक निश्चित मात्रा में पानी बांग्लादेश भेजा जाता है, संधि की वास्तविक व्यवस्था को पूरी तरह नहीं दर्शाता।

वैशाली के आर्मी जवान सोनू कुमार का कोलकाता में निधन, 2006 में सेना में हुए थे भर्ती

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव निवासी आर्मी जवान सोनू कुमार का कोलकाता कमांड हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। खबर मिलते ही गांव में शोक छा गया। उनका पार्थिव शरीर बुधवार सुबह 10 बजे सैनिक सम्मान के साथ मोहनपुर गांव पहुंचा। शव को देखकर मृतक की मां वीणा देवी, पत्नी माला कुमारी, दोनों मासूम बच्चे अर्नव और लड्डू, भाई दिलीप सहित पूरे गांव की आंखों से आंसू छलक पड़े। ग्रामीणों ने नम आंखों से अपने लाल को अंतिम विदाई दी। वहीं, अंतिम यात्रा में हजारों ग्रामीण शामिल हुए। भारत माता की जय और सोनू कुमार अमर रहे के नारों से पूरा माहौल देशभक्ति से गूंज उठा। दोपहर करीब 1 बजे हाजीपुर के कोनहारा घाट पर पूरे सैनिक सम्मान के साथ आर्मी जवान सोनू कुमार का अंतिम संस्कार होगा। परिजनों के अनुसार, सोनू कुमार साल 2006 में दानापुर कैंट में सेना में भर्ती हुए थे। वह दो भाइयों में छोटे थे। उनके पिता रत्नेश प्रसाद सिंह का तीन साल पहले निधन हो चुका है। उनकी मां का नाम बिना देवी है। सोनू की शादी 2011 में चांदपुरा थाना क्षेत्र के कुबतपुर निवासी पूर्व फौजी राजनारायण सिंह की बेटी माला कुमारी से हुई थी। उनके दो बेटे हैं, बड़ा बेटा अर्णव करीब 12 साल का है, जबकि छोटा बेटा लड्डू करीब 3 साल का है। सोनू कुमार के बड़े भाई दिलीप कुमार सिंह, चाचा विमल सिंह, ओमप्रकाश सिंह और उनके दोस्त राकेश कुमार मुन्ना ने बताया कि सोनू बेहद मिलनसार स्वभाव के थे। उनके निधन के बाद से मोहनपुर गांव में मातम का माहौल है।

आरोपी के वेरिफिकेशन के समय 4 जवान घायल, 3 संदिग्ध हिरासत में

हाजीपुर। बिदुपुर थाना क्षेत्र के भैरोपुर चौक पर आरोपी के सत्यापन के लिए पहुंची एसटीएफ टीम पर स्थानीय लोगों के हमले में चार जवान घायल हो गए। पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। दरअसल, भैरोपुर चौक पर दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। सिविल ड्रेस में पहुंची एसटीएफ टीम को देखकर एक पक्ष के लोगों ने उन्हें दूसरा पक्ष समझकर मारपीट शुरू कर दी। भीड़ ने जवानों से हथियार छीनने की कोशिश की। घायल जवानों में नरेंद्र कुमार, अमर कुमार, मुकेश कुमार और लक्ष्मण कुमार शामिल हैं। सभी को बिदुपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। सूचना पर बिदुपुर पुलिस, एसडीपीओ सुबोध कुमार और एसटीएफ डीएसपी दीपक कुमार मौके पर पहुंचे। एसएसपी शुभांक मिश्रा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसटीएफ टीम 25 हजार के इनामी बदमाश दीवानी सिंह के सत्यापन के लिए पहुंची थी। जांच जारी है।

गैस सिलेंडर ब्लास्ट से महिला की मौत, तीन बच्चियां घायल

एजेंसी, पटना

पटना के फुलवारी शरीफ में घर में सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक महिला की मौत हो गई। हादसे में तीन बच्चियां भी घायल हो गईं। घटना फुलवारी शरीफ के ईसापुर इलाके की है। बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर महिला खाना बनाने के लिए गैस चूल्हा जलाने गई थी। जैसे ही उसने चूल्हा जलाया, सिलेंडर में आग लग गई और तेज धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने और घर में फंसे लोगों को बाहर निकालने की कोशिश की। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, घायल तीनों बच्चियों को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया। मृतक महिला की पहचान 45 साल की रेहाना खातून के रूप में हुई है।

दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं: स्थानीय लोगों से सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया। पुलिस और दमकल कर्मी हादसे की वजह की जांच कर रहे हैं। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि मो. शहाब के मकान में खाना बनाने वाले गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद मकान में भीषण आग लग गई। हादसे में किरायेदार मो. मन्नान की पत्नी रेहाना खातून की जलने से मौत हो गई। बताया गया कि आग की लपटों में घिरने के कारण रेहाना को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। मो. मन्नान ने पत्नी को बचाने की कोशिश की, इस दौरान उसका हाथ भी झुलस गया।

खाना बनाने के दौरान सिलेंडर हुआ ब्लास्ट: पड़ोस की एक महिला ने बताया कि मो. शहाब का तीन मंजिला मकान है, जिसमें मो. मन्नान किराए पर रहते हैं। मकान की ऊपरी मंजिल पर खाना बनाने के दौरान अचानक गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इसके बाद किचन में आग लग गई, जो तेजी से फैल गई। आग की लपटों में रेहाना फंस गईं। उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और मौके पर ही जलने से उनकी मौत हो गई।

दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू: आग की सूचना मिलने के बाद फुलवारी शरीफ थाने की पुलिस और अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। 8 से 10 दमकल गाड़ियों की मदद से करीब 2 घंटे में आग पर काबू पाया गया। आग बुझने के बाद रेहाना खातून का शव बाहर निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं, आग में मन्नान के घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। घर में रखा अनाज, कपड़े, रुपए, जेवर, जरूरी कागजात और अन्य घरेलू सामान भी जल गए। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम हादसे की जांच कर रही है। सिलेंडर में ब्लास्ट किस वजह से हुआ, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

त्योहारों से पहले खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच तेज, बंसी विहार रेस्तरां में कई कमियां

पटना :। त्योहारों के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने राज्यभर में निरीक्षण और निगरानी तेज कर दी है। इसी क्रम में फ्रेजर रोड स्थित मेसर्स बंसी विहार रेस्तरां का खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने निरीक्षण किया। जांच में प्रतिष्ठान को 112 में 63 अंक मिले, जो 57 प्रतिशत है। निरीक्षण का अंतिम परिणाम गैर-अनुपालन पाया गया। जांच के दौरान खाद्य पदार्थों और पैकेजिंग सामग्री के भंडारण, वेंटिलेशन, उपकरण, फर्श, पेयजल से संबंधित अभिलेख तथा दीवार और छत की स्थिति में कमियां मिलीं। कच्चे माल की सफाई, उपकरण, कटरी-क्रॉकरी, खाद्य पदार्थों के सुरक्षित परिवहन और पोर्शनिंग में भी स्वच्छता संबंधी खामियां पाई गईं। खाद्य सामग्री के रिकॉर्ड तथा FIFO और FEFO व्यवस्था के अनुपालन में भी कमी मिली। माप एवं निगरानी उपकरणों का समय पर कैलिब्रेशन नहीं कराया गया था। प्रतिष्ठान को पेस्ट कंट्रोल प्रमाण पत्र समेत आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने तथा खाद्य संचालकों के वार्षिक चिकित्सा परीक्षण और टीकाकरण से संबंधित रिकॉर्ड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। FSSR, 2011 के प्रावधानों के तहत 14 दिनों में सुधार सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने खाद्य कारोबारियों को स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया है।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिए वार्षिक अतिरिक्त सौर बिजली पर भी मिलेगा उपभोक्ताओं को लाभ

एजेंसी, पटना

नेट मीटरिंग व्यवस्था में उपभोक्ता अपने घर पर लगे सोलर प्लांट से बिजली बनाता है। पहले इस बिजली का उपयोग उसके घर की जरूरत के लिए होता है। इसके बाद यदि कुछ बिजली बच जाती है, तो वह बिजली ग्रिड में चली जाती है। इस अतिरिक्त बिजली का समायोजन हर महीने के बिजली बिल में किया जाता है।

यदि किसी महीने सोलर से बनी बिजली खपत से अधिक होती है, तो बची हुई बिजली का लाभ अगले महीने में ले जाया जाता है। इस तरह उपभोक्ता की अतिरिक्त बिजली अगले महीनों की खपत के साथ समायोजित होती रहती है। लेकिन वित्तीय वर्ष के अंत में जो अतिरिक्त बिजली बच जाती है, उसका क्रेडिट वर्तमान व्यवस्था में समाप्त हो जाता है। उपभोक्ताओं को उनकी अतिरिक्त सौर बिजली का लाभ मिल सके और बिहार में सोलर को और बढ़ावा मिल सके, इसके लिए ऊर्जा विभाग ने बिहार विद्युत विनियामक आयोग (बीआईआरसी) से इस संबंध में आवश्यक प्रावधान करने का अनुरोध किया है। प्रस्ताव है कि वित्तीय वर्ष के अंत में उपभोक्ता के खाते में बची अतिरिक्त बिजली ऊर्जा विभाग द्वारा खरीदी जाएगी । इससे उपभोक्ता को अपनी अतिरिक्त उत्पादित बिजली का भी आर्थिक लाभ मिल सकेगा।

इससे लोगों को अपने घरों पर रूफटॉप सोलर लगाने के लिए और प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, जिन उपभोक्ताओं ने पहले से सोलर प्लांट लगा रखा है, उन्हें भी अपनी अतिरिक्त बिजली के लिए उचित लाभ मिल सकेगा। इससे राज्य में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने और पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। इसी तरह पीएम-कुसुम योजना के तहत किसान भी सोलर प्लांट लगाकर बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। इन सोलर प्लांटों से उत्पादित बिजली की खरीद ऊर्जा विभाग द्वारा की जा रही है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन से लैस होगी बीएसएल की सुरक्षा, दो दिवसीय हाई-टेक सेमिनार संपन्न

- सुरक्षा-व्यवस्था को स्मार्ट व अभेद्य बनाने पर देशभर के तकनीकी दिग्गजों ने किया मंथन

बोकारोः इस्पातनगरी बोकारो स्थित सेल-बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के सुरक्षा चक्र को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अत्याधुनिक तकनीकों से पूरी तरह लैस करने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है। संयंत्र के लर्निंग एंड डेवलपमेंट सेंटर में एडवांस्ड टेक्नोलॉजी एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पेरिमीटर सर्विलांस एंड सिक्योरिटी सिस्टम विषय पर आयोजित दोदिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार बुधवार को सफलता के साथ संपन्न हो गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उनके साथ सेल-बीएसएल के अधिशासी निदेशक, सीआईएसएफ के डीआईजी, सुरक्षा विशेषज्ञ तथा देश के प्रमुख औद्योगिक व प्रौद्योगिकी संगठनों के शीर्ष प्रतिनिधि मंचासीन थे।

भविष्य की सुरक्षा तकनीक आधारित : निदेशक प्रभारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी ने कहा कि आज के आधुनिक दौर में सुरक्षा की पारंपरिक परिभाषाएं तेजी से बदल रही हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए तकनीक-सक्षम, डेटा-आधारित और भविष्योन्मुख दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने सुरक्षा में नई तकनीकों के प्रयोग के साथ-साथ मानव विशेषज्ञता और मानक प्रक्रियाओं के बीच बेहतर तालमेल पर विशेष बल दिया। दो दिनों तक चले विभिन्न तकनीकी सत्रों में एआई, स्मार्ट सर्विलांस, ड्रोन निगरानी, डेटा एनालिटिक्स और इंटीग्रेटेड

सिक्योरिटी सिस्टम पर गहन मंथन हुआ। इस महामंथन में टाटा स्टील, भिलाई, राउरकेला, सीआईएसएफ, टाटा कम्युनिकेशंस, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया, आइडियाफोर्ज, ब्लैक बॉक्स, पिक्सरूट, एन्निया सॉल्यूशंस, इंटोज एआई, एसआईएस इंडिया और बाइनरी सेमांटिक्स जैसी देश की दिग्गज कंपनियों व सुरक्षा एजेंसियों के विशेषज्ञों ने अपने अनुभव, केस स्टडी और आधुनिक समाधान प्रस्तुत किए। समापन सत्र में बीएसएल की टीम ने दो दिवसीय मंथन से प्राप्त मुख्य निष्कर्षों को रेखांकित किया। सेमिनार से प्राप्त यह तकनीकी रोडमैप बोकारो स्टील प्लांट के सुरक्षा तंत्र को अधिक इंटेलिजेंट, त्वरित प्रतिक्रिया-सक्षम और आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करेगा।

ललन ने समझाया, अनंत नहीं माने, कहा-अनुज को जिताना है, जनसुराज कैंडिडेट के लिए फिर रोड शो

एजेंसी, पटना

जदयू विधायक अनंत सिंह और नीरज कुमार के बीच चल रहा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। ललन सिंह ने 5 अक्टूबर को कहा था, उनकी अनंत सिंह से बात हो गई है। अब वो इस विवाद को लेकर कोई सार्वजिनक बयान नहीं देंगे। 48 घंटे बाद ही अनंत सिंह ने पीके के कैंडिडेट अनुज सिंह को जिताने की अपील की है। अनुज सिंह की जीत पक्की करने के लिए अनंत सिंह ने आज पटना से बख्तियारपुर तक रोड शो किया हैं।

आज अनंत सिंह ने फतुहा में जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी अनुज कुमार सिंह के समर्थन में एक रोड शो किया। यह रोड शो महारानी चौक से शुरू होकर चौराहा होते हुए दरियापुर से आगे बढ़ा और बख्तियारपुर में खत्म हुआ। इस दौरान रास्ते में कई जगहों पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। उनके साथ भारी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। उन्होंने कहा, 'आप लोग जब भी बुलाएंगे, हम हमेशा हाजिर रहेंगे।'

नीतीश के घर पर फिर हुई बैठकः एमएलसी चुनाव को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घर पर आज फिर से बैठक हुई। मीटिंग

में संजय झा, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, मंत्री श्रवण कुमार और एमएलसी संजय गांधी मौजूद रहे। बताया जाता है कि इस मीटिंग में भी अनंत-नीरज विवाद को लेकर एक बार फिर से चर्चा हुई। बताया जाता है कि इससे पहले 2 बार पहले भी मीटिंग हो चुकी है।

जनसुराज प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं अनंत सिंहः अनंत सिंह के इस रुख को लेकर जदयू में पिछले कई दिनों से अंदरूनी घमासान चल रहा है। पटना स्नातक सीट से जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार के खिलाफ अनंत सिंह खुलकर मोर्चा ले चुके हैं। वो अनुज के नामांकन में भी शामिल हुए थे और रोड शो भी किया था।

नीतीश की तीन दिन में तीसरी मीटिंग

वह नीरज कुमार की जगह जनसुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं। विवाद को खत्म कराने की जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता ललन सिंह को दी गई थी।

ललन सिंह ने अनंत से की थी बातः 5 अक्टूबर को ललन सिंह ने अनंत सिंह से बातचीत के बाद कहा था कि अनंत सिंह की कुछ शिकायतें हैं। अनंत का कहना था कि जब वह विधानसभा चुनाव लड़ रहे थे, तब उनके खिलाफ प्रचार किया गया, लेकिन पार्टी की ओर से उस समय कोई कार्रवाई नहीं की गई। ललन सिंह ने माना था कि उस समय प्रदेश इकाई से चूक हुई थी। उन्होंने कहा था कि कोई क्रिया होगी तो प्रतिक्रिया भी होगी। ललन सिंह के मुताबिक, उन्होंने अनंत सिंह से नीरज कुमार के खिलाफ सार्वजनिक बयान नहीं देने को कहा था और अनंत ने उनकी बात मानने की बात कही थी। ललन सिंह के बयान पर जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा था कि ललन सिंह ने जो किया, वह पार्टी के हित में किया है। उन्होंने इस मामले पर फिलहाल इतना ही कहने की बात कही थी।

खेमनीचक के रहने वाले ड्राइवर की संदिग्ध मौत

एजेंसी, पटना

पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र के खेमनीचक निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान परमेश्वर कुमार के रूप में हुई है। वह एक डॉक्टर के यहां ड्राइवर का काम करता था। मंगलवार को वह डॉक्टर को हाजीपुर से पटना लेकर आया था। डॉक्टर को घर छोड़ने के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौतः जानकारी के अनुसार, परमेश्वर कुमार मंगलवार को डॉक्टर को लेकर हाजीपुर से पटना आया था। डॉक्टर को उनके घर छोड़ने के बाद परमेश्वर की तबीयत अचानक खराब हो गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। युवक की मौत

की सूचना मिलने के बाद कंकड़बाग पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से जुड़ी परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने एफएसएल की टीम को भी बुलाया। परमेश्वर के मुंह से झाग निकलने की बात सामने आई है। इसके बाद उसकी मौत को लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि, अभी मौत का कारण स्पष्ट नहीं है। सीनियर साइंटिस्ट अनिल कुमार के नेतृत्व में FSL टीम ने घटनास्थल की जांच की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस इन साक्ष्यों के आधार पर भी मामले की जांच कर रही है।

डॉ. अजय कुमार पासवान ने संभाला बिहार कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष का पदभार

एजेंसी, पटना

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ अजय कुमार पासवान ने बुधवार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में विधिवत पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने डॉ अजय कुमार पासवान को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मीडिया एवं प्रचार विभाग पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और जनहित से जुड़े मुद्दों को जनता तक प्रभावी, तथ्यपरक और सशक्त ढंग से पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ अजय कुमार पासवान के नेतृत्व में मीडिया विभाग और अधिक सक्रिय, सुदृढ़ एवं प्रभावशाली बनेगा तथा कांग्रेस की आवाज़ को मजबूती के साथ जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ अजय

कुमार पासवान ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार कांग्रेस की नीतियों, विचारधारा और जनहित से जुड़े मुद्दों को मीडिया के माध्यम से अधिक प्रभावी, स्पष्ट और व्यापक रूप से जनता तक पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मीडिया विभाग को और अधिक सशक्त बनाते हुए पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों के साथ बेहतर, नियमित और प्रभावी समन्वय स्थापित किया जाएगा ताकि पार्टी की आवाज़ को आम जनता तक पहुंचाया जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत के काम की राज्यपाल ने की सराहना

- डॉक्टरों से लेकर तकनीकी कर्मियों तक नियुक्तियां
- मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में भी लिए गए कई बड़े फैसले
- जिला अस्पतालों में बढ़ी IPD, सर्जरी में भी बड़ा इजाफा

पटना : बिहार में टीबी उन्मूलन अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर किए जा रहे प्रयासों की राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने सराहना की है। बिहार लोक भवन में आयोजित 'टीबी मुक्त बिहार' विषयक उच्चस्तरीय संगोष्ठी में राज्यपाल ने पिछले तीन-चार महीनों में हुए कार्यों के लिए स्वास्थ्य मंत्री निशांत और स्वास्थ्य सचिव कुमार रवि को बधाई दी। उन्होंने टीबी अभियान को सभी जिलों तक विस्तार देने और मोबाइल एक्स-रे मशीनों से स्क्रीनिंग की पहल को महत्वपूर्ण बताया। राज्यपाल ने तकनीकी सुविधाओं के साथ जनजागरूकता और सामाजिक भागीदारी को भी अभियान की सफलता के लिए जरूरी बताया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य के सभी 38 जिलों में जिला टीबी केंद्र संचालित हैं और 499 केंद्रों पर मुफ्त एक्स-रे जांच की सुविधा उपलब्ध है। सितंबर के अंत तक 3 करोड़ 50 लाख से अधिक लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की जा चुकी थी। इनमें 3 लाख 97 हजार से अधिक मरीजों की पहचान कर इलाज शुरू किया गया। निक्षय पोषण योजना के तहत चिह्नित मरीजों को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अस्पतालों में इलाज की क्षमता बढ़ाने के लिए जिला अस्पतालों में नए आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की सुविधा शुरू की गई है। अनुमंडलीय अस्पतालों में डायलिसिस सेवाओं का विस्तार

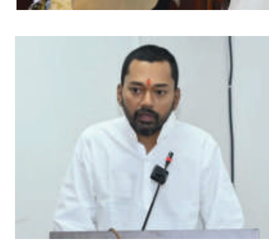

किया जा रहा है। डॉक्टरों, चिकित्सा शिक्षकों और तकनीकी कर्मियों की नियुक्तियां भी की गई हैं। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक पिछले तीन महीनों में 4.14 लाख से अधिक मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कर इलाज दिया गया और 19 हजार से अधिक मरीजों की सर्जरी हुई। जिला अस्पतालों में अनावश्यक रेफरल कम करने और स्थानीय स्तर पर ही मरीजों को अधिक उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। राज्यपाल की सराहना ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्य विभाग टीबी के साथ अन्य गंभीर बीमारियों की स्क्रीनिंग और उपचार को भी जिला स्तर तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। अब इन पहलों का असर स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच और मरीजों को मिलने वाले इलाज की गुणवत्ता में कितना दिखाई देता है, यह आगे महत्वपूर्ण होगा।

वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित का है लखनऊ से सीधा संबंध, इस कॉलेज से पूरी की पढ़ाई

लखनऊ। ऑपरेशन सिंदूर में भूमिका निभाने वाले लखनऊ के रहने वाले एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित अगले वायुसेना प्रमुख होंगे। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। दीक्षित अभी वायुसेना के वाइस चीफ हैं। उन्हें एक कुशल रणनीतिकार माना जाता है।

मंत्रालय ने बताया कि एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित 29वें एयर चीफ ऑफ स्टाफ होंगे। उनकी नियुक्ति 31 अक्तूबर से प्रभावी होगी। एयर मार्शल दीक्षित वायुसेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल व परम विशिष्ट सेवा मेडल से नवाजे जा चुके हैं। उन्हें मिराज-2000, मिग, जगुआर, तेजस, हॉक, आईएल-78, एएन-32, किरण, एचपीटी-32 और एवरो जैसे कई विमानों को उड़ाने का अनुभव है।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित की जड़ें लखनऊ से जुड़ी हैं। एनडीए में चयन से पहले उनकी शुरुआती शिक्षा-दीक्षा राजधानी में ही पूरी हुई। उनके पिता पीसी

दीक्षित डीएवी डिग्री कॉलेज में समाजशास्त्र के अध्यापक रह चुके हैं। वर्ष 1999 में पिता के रिटायरमेंट के बाद परिवार कुछ दिनों तक चारबाग की बरहा कॉलोनी में रहा और बाद में वे साउथ सिटी स्थित छोटे बेटे अमिताभ दीक्षित (एलआईसी में सेवारत) के आवास पर रहने चले गए। दो साल पहले उनके पिता का निधन हो गया था।

3500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव : लगभग चार दशकों के करियर में एयर मार्शल आशुतोष ने वायुसेना में कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने पश्चिमी सेक्टर में फ्रंटलाइन फाइटर एयर बेस और दक्षिणी सेक्टर में फाइटर ट्रेनिंग बेस की कमान संभालने के साथ-साथ डिप्टी चीफ ऑफ द एयर स्टाफ और सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्हें 20 से अधिक प्रकार के विमानों को उड़ाने और 3500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

संक्षिप्त समाचार

17 ट्रांसफार्मर से बिजली बंद

लखनऊ। फैजुल्लागंज के बाढ़ग्रस्त इलाकों के अब तक 17 ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बंद की जा चुकी है। अधिशासी अभियंता पंकज कुमार गुप्ता के मुताबिक, नया मदरसा लोहरामऊ, मिश्रा ऑफिस लोहरामऊ, गुप्ता प्लानिंग, ताराबाबू फार्म, नीलकंठ मंदिर एक और दो, जैन कॉलोनी, सरदार प्लानिंग, मामा कॉलोनी चौराहा, कनौजिया चौराहा, शिल्पी स्कूल, होरी लाल मंदिर, गनेश विहार, भार्गव कॉलोनी, नया दाउदनगर, कैलाश विहार, सुभाष स्कूल के ट्रांसफार्मर की पेटी बाढ़ के पानी से डूब गई, जिससे करंट उतरने का खतरा हो गया था। इसके कारण बिजली बंद कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पानी का जलस्तर कम होने पर ही इनकी बिजली चालू की जाएगी। (संवाद)

रहीमाबाद थाने की 13 घंटे बिजली गुल

मलिहाबाद। भूमिगत केबल में फाल्ट के कारण रहीमाबाद थाना सहित कटरा गांव की तीन हजार आबादी ने करीब 13 घंटे बिजली संकट झेला। मंगलवार को सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक ग्रामीण परेशान रहे। बिजलीकर्मियों ने थाने के निकट मिले फॉल्ट को सही कर आपूर्ति बहाल की।

चॉकलेट खाने से खराब हो रहे बच्चों के दांत, सुबह-रात में ब्रश करना जरूरी

वाराणसी। श्री काशी अग्रवाल समाज की ओर अग्रसेन कन्या इंटर कॉलेज में मंगलवार को लगे निशुल्क दंत परीक्षण शिविर में दांतों की जांच कर जरूरी सुझाव दिए गए। इस दौरान डॉक्टरों ने शिविर में आए बच्चों को चॉकलेट न खाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि चॉकलेट खाने से ही बच्चों के दांत खराब हो रहे है। ऐसे में सुबह और रात में खाने के बाद ब्रश करना जरूरी है। शिविर में डॉ. नीरज अग्रवाल, डॉ. पूजा अग्रवाल ने करीब 30 से ज्यादा लोगों के दांतों की जांच की। लोगों को निशुल्क ओरल डेंटल किट भी प्रदान की गई। डॉ. पूजा अग्रवाल ने बताया कि इस समय बच्चों में चॉकलेट, फास्टफूड के सेवन से दांतों की समस्या बढ़ती जा रही है। हर छह माह में दांतों की सफाई जरूरी है। अग्रसेन मेडिकल हेल्पलाइन की मुख्य कोऑर्डिनेटर शशि बाला शाह एवं प्रद्युम्न साह ने दोनों डॉक्टर्स को प्रशस्ति पत्र भेंट की। स्वागत भूपेंद्र अग्रवाल, संचालन सौरभ अग्रवाल एवं धन्यवाद ज्ञापन परियोजना निदेशक दीपक अग्रवाल ने दिया। प्रद्युम्न अग्रवाल एवं मीडिया प्रभारी बजरंग अग्रवाल ने बताया कि बुधवार को स्त्री रोग एवं त्वचा सौंदर्य परामर्श शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आंचल अग्रवाल जैन एवं त्वचा रोग की डॉ. नेहा शाह मौजूद रहेंगी।

पंपिंग स्टेशन लगातार चलाने के निर्देश, जलभराव रोकने पर जोर

गोरखपुर। राप्ती नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण सिंचाई विभाग के रेगुलेटर बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में शहर के पानी की निकासी बाढ़ पंपिंग स्टेशनों के जरिये की जा रही है। मंगलवार सुबह नगर आयुक्त अजय जैन ने हार्बट बंधे पर स्थित डोमिनगढ़ और इलाहीबाग बाढ़ पंपिंग स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जलकल के अवर अभियंता धीरज को पंपिंग स्टेशन लगातार चलाते रहने के निर्देश दिए, ताकि शहर में कहीं भी जलभराव की स्थिति न बनने पाए।इससे पहले नगर आयुक्त ने वार्ड संख्या 31 हरसेवकपुर में लक्ष्मीपुर चौराहा से दहला चौराहा तक बनाए जा रहे आरसीसी नाले का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति देखी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता अमरनाथ समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।नगर आयुक्त ने पंपिंग स्टेशनों की कार्यक्षमता बनाए रखने और जलनिकासी में किसी तरह की बाधा न आने देने पर विशेष जोर दिया। राप्ती का जलस्तर बढ़ने के कारण नदी में सीधे पानी की निकासी प्रभावित होने की स्थिति में पंपिंग स्टेशनों को लगातार संचालित करने की व्यवस्था की गई है।

पसमांदा समाज को सहानुभूति नहीं, समान अवसर चाहिए

लखनऊ। प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी ने मंगलवार को सहकारिता भवन में आयोजित 'पसमांदा मुस्लिम संवाद' कार्यक्रम में कहा कि पसमांदा समाज को सहानुभूति नहीं, समान अवसर चाहिए। उन्होंने विकास में समान भागीदारी पर जोर दिया। अंसारी ने पसमांदा समाज को मेहनतकश और वंचितों की आवाज बताया। सरकार की प्राथमिकता है कि इस समाज का कोई व्यक्ति शिक्षा, सम्मान, रोजगार और विकास के समान अवसरों से वंचित न रहे। इसके लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में ठोस प्रयास आवश्यक हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. शाहिद अख्तर, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान, पसमांदा मुस्लिम अध्ययन समिति महाराष्ट्र के अध्यक्ष इदरीश मुल्तानी और अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक समेत अन्य लोग मौजूद रहे

नामांकन भरने की तारीख खत्म, कुल 188 ने भरा पर्चा

23 अक्तूबर को होगी वोटिंग-निर्देश जारी

लखनऊ। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश के पांच मेरठ खंड स्नातक, आगरा खंड स्नातक, वाराणसी खंड स्नातक, लखनऊ खंड स्नातक व इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों मेरठ खंड शिक्षक, आगरा खंड शिक्षक, वाराणसी खंड शिक्षक, लखनऊ खंड शिक्षक, बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक और गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक में 23 अक्तूबर को मतदान कराया जाएगा। मतदान को निष्पक्ष व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने और मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

फर्जी मतदान को रोकने के लिए ऐसे सभी मतदाता जिन्हें फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं, उन्हें मताधिकार का प्रयोग करने से पूर्व अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि जो निर्वाचक किसी कारणवश अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में असमर्थ रहते हैं, उन्हें मतदान से वंचित नहीं किया जाएगा। ऐसे मतदाताओं की पहचान साबित करने के लिए वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेजों की मान्यता दी गई है।

ये मान्य दस्तावेज हैं

आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, राज्य व केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य निजी औद्योगिक घरानों की ओर से अपने कर्मचारियों को जारी सेवा पहचान-पत्र, सांसदों, विधायकों व पार्षदों को जारी सरकारी पहचान-पत्र, संबंधित शिक्षक या स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक जिस शैक्षणिक संस्था में नियोजित हो, उस संस्था द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र, विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री/डिप्लोमा का मूल प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाण-पत्र, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड।

पुंडरीक गोस्वामी ने बताया पितृ पक्ष का महत्व

लखनऊ। राधा रमण सेवा समिति की ओर से ऐशबाग स्थित डीएवी कॉलेज में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का तीसरा दिन मंगलवार भक्ति से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और संकीर्तन किया। पुंडरीक गोस्वामी जी महाराज ने कथा में हनुमान जी की उपस्थिति को मंगलकारी बताया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी कथा प्रारंभ से पहले विराजते हैं और आरती के बाद विदा होते हैं, जो भक्ति और समर्पण जगाती है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करने तथा ब्राह्मण को भोजन कराने का महत्व समझाया। उन्होंने सनातन परंपरा में भोजन को पहले भगवान को समर्पित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर यजमान अमरनाथ मिश्र, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, लोकेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

बीएचयू में लिक्विड बायोप्सी, डिजिटल पीसीआर जांच से कैंसर मरीजों को राहत

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल में कैंसर मरीजों को लिक्विड बायोप्सी, डिजिटल पीसीआर जांच की सुविधा से इलाज में बड़ी राहत होगी। मंगलवार को कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने आईएमएस में डायमंड्स केंद्र में उन्नत लिक्विड बायोप्सी कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने केंद्र में मिलने वाली जांच की सेवाओं की सराहना की।

कार्यशाला में देश के विभिन्न जगहों से आए ऑन्कोलॉजिस्ट, पैथोलॉजिस्ट और मॉलिक्यूलर बायोलॉजिस्ट को ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर प्लेटफॉर्म और सर्कुलेटिंग बायोमार्कर विश्लेषण की जानकारी दी गई। कुलपति ने कहा कि प्रयोगशाला के अत्याधुनिक अनुसंधानों को सीधे मरीजों के उपचार से जोड़ने में डायमंड्स केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। बीएचयू अस्पताल में लिक्विड बायोप्सी और डिजिटल पीसीआर जैसी अत्याधुनिक मॉलिक्यूलर जांच तकनीकों की उपलब्धता से आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के कैंसर मरीजों को जीवनरक्षक जेनेटिक एवं मॉलिक्यूलर जांचें किफायती व सुलभ दर पर प्राप्त होंगी।

आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने कहा कि डायमंड्स केंद्र के तहत उच्च स्तरीय डायग्नोस्टिक सुविधाओं के संचालन से पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और नेपाल तक के मरीजों के लिए उन्नत जांचों की भारी कमी दूर हुई है। चिकित्सा संकाय के प्रमुख प्रो. संजय गुप्ता ने इस पहल के शैक्षणिक महत्व के बारे में बताया। आईएमएस बीएचयू के डीन रिसर्च प्रो. मनोज पांडेय का कहना है कि डायमंड्स केंद्र ने हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से करीब सात करोड़ के दो प्रमुख वाह्य शोध अनुदान हासिल किए हैं। इसमें पित्ताशय (गॉलब्लैडर) कैंसर की शुरुआती पहचान के लिए लिक्विड बायोप्सी जीन सिग्नेचर पर आधारित लगभग 2.65 करोड़ का आईसीएमआर-एनआईआरएफ प्रोजेक्ट मिला है जबकि ट्रिपल-नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर (टीएनबीसी) में इम्यूनोथेरेपी रिस्पॉन्स के सटीक आकलन के लिए एआई आधारित प्लेटफॉर्म विकसित करने संबंधी लगभग 4.23 करोड़ का आईसीएमआर इंटरमीडिएट प्रोजेक्ट शामिल हैं।

जलसे में इस्लाम पर मजबूती से कायम रहने का संदेश

गोरखपुर। तकिया कवलदह रसूलपुर में जलसा-ए-गौसुलवरा अकीदत व एहतराम के साथ आयोजित हुआ। इसमें उलमा-ए-किराम ने हजरत शैख अब्दुल कादिर जीलानी रहमतुल्लाह अलैह (गौसे आजम) की जिंदगी और उनकी शिक्षाओं पर रोशनी डाली। लोगों से इस्लाम पर मजबूती से कायम रहने और नेक रास्ते पर चलने की अपील की गई। मुख्य वक्ता मौलाना जहांगीर अहमद अजीजी ने कहा कि औलिया-ए-किराम की जिंदगी हमारे लिए मार्गदर्शन का जरिया है। इंसान को बुराइयों से बचते हुए अल्लाह की इताअत में जिंदगी गुजारनी चाहिए। युवाओं और नई पीढ़ी को दीनी तालीम से जोड़ना वक्त की जरूरत है। विशिष्ट वक्ता कारी मुहम्मद अनस नक्शबंदी ने कहा कि गौसे आजम की शिक्षाओं में अल्लाह की इबादत, पैगंबर-ए-इस्लाम की मुहब्बत, अच्छे अखलाक और इंसानियत की खिदमत का संदेश मिलता है। उन्होंने इन शिक्षाओं को अपनी जिंदगी में उतारने और घर-परिवार में नेक माहौल कायम करने की अपील की। नात-ए-पाक हाफिज रहमत अली निजामी और मुहम्मद दारैन ने पेश की। संचालन हाफिज आफताब आलम निजामी ने किया। संयोजक हाफिज आरिफ रजा ज्याई ने सभी का आभार जताया। अंत में मुल्क में अमन, भाईचारे और तरक्की के लिए दुआ की गई। इस दौरान मुहम्मद आसिफ, इरशाद, मुर्तजा, चुन्नू आदि मौजूद रहे।

स्कूल से पहले सड़कें ले रहीं इम्तिहान

आगरा। कंधों पर भारी बैग टांगकर साइकिल से स्कूल जाने वाले हजारों बच्चों का धंसी हुई सड़कें हर रोज इम्तिहान ले रही हैं। पश्चिमपुरी में 80 फीट जोनल रोड पर गंगाजल की पाइपलाइन डाली गई थी। इसके बाद सड़क निर्माण हुआ लेकिन फूड सर्किल से मनहर गार्डन होते हुए जोनल पार्क तक दो किमी. के हिस्से में पाइपलाइन वाला हिस्सा धंस गया। यहां गिट्टियां उखड़ रही हैं। इससे कई बच्चे हादसे का शिकार हो चुके हैं।

जलनिगम ने पश्चिमपुरी और शास्त्रीपुरम क्षेत्र में पानी की पाइपलाइन बिछाने का काम बीते साल दिसंबर में शुरू किया जो इस साल मार्च तक पूरा हो गया। जून में पाइपलाइन बिछाने वाले हिस्से पर गिट्टियां डालकर डामर से पैचवर्क किया गया लेकिन पहली बारिश में ही सिकंदरा बोदला रोड स्थित फूड सर्किल से जोनल पार्क के बीच 80 फीट रोड और शास्त्रीपुरम टीयर्स रोड का हिस्सा धंस गया।

यहां गिट्टियां बिछा दी गईं। इस सड़क से होकर दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेंट फ्रांसिस स्कूल, गायत्री पब्लिक स्कूल, चिल्ड्रंस प्रोग्रेसिव स्कूल, लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल और हिलमैन स्कूल और एक मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के 20 हजार से ज्यादा छात्र निकलते हैं। सड़क के आधे हिस्से में गिट्टियां पड़ी हैं। स्कूटर और साइकिल फिसलने से बच्चे हादसों का शिकार हो रहे हैं।

लोगों की परेशानी

- जोनल रोड कई जगह से धंसी हुई है। यहां बेतरतीब ढंग से गिट्टियां डाली गई हैं। बच्चे गिर रहे हैं पर इसे ठीक नहीं कराया जा रहा। गड़बड़ी इंजीनियरों और ठेकेदारों की है पर भुगत बच्चे रहे हैं। - **पवन सिंह,** शिक्षक एवं कोच

तीन बार स्कूटर फिसल चुका है। दो बार बच्चे बच गए पर एक बार बच्चों और मुझे चोट आई। हर दिन स्कूल छोड़ने के लिए आते हैं। एक साल से दुर्दशा हो चुकी है। - **महेंद्र सिंह,** अभिभावक

सड़क निर्माण में ये हुई गड़बड़ी : पीडब्ल्यूडी के रिटायर्ड अभियंता राकेश कुमार ने बताया कि पाइपलाइन बिछाने के बाद मिट्टी की वाटरिंग और रोलर चलाने की व्यवस्था है। मिट्टी की सही तरीके से कुटाई न किए जाने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। पानी की लाइन बिछाने के कारण पाइप और ट्रेंच में मिट्टी भरने से रह जाती है। इसमें पानी डाला जाता है। जीएसबी डालकर इस पर रोलर चलाया जाए तो सड़क नहीं धंसेगी। इसमें लापरवाही पर ही यह समस्या आई है।

- पानी की लाइन बिछाने के बाद बारिश में सड़क कुछ जगह धंस गई थी। तब गिट्टियां डालने को कहा था। अब बारिश थमी है। मिट्टी सूख रही है और डामर के प्लांट चलने शुरू हुए हैं। जल्द ही सड़क के इस पूरे हिस्से के निर्माण की योजना है। - **गौरव चौधरी,** प्रोजेक्ट मैनेजर, जलनिगम

धान ने थामी जीटी रोड की रफ्तार, लगी वाहनों की कतार

अलीगढ़। धनीपुर अनाज मंडी में मंगलवार को धान की खरीद बंद रही, लेकिन किसानों का मंडी पहुंचना नहीं रुका। बड़ी संख्या में वाहनों के पहुंचने से जीटी रोड पर यातायात का दबाव बढ़ गया। बौनेर से एटा चुंगी और नौरंगाबाद पुल तक कई किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लग गई।

एटा चुंगी पर चारों तरफ से आए वाहन फंस गए। धान लेकर आए किसानों के लिए जाम ने मुश्किल और बढ़ा दी। घंटों सड़क पर फंसे किसान ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बैठे मंडी खुलने और रास्ता साफ होने का इंतजार करते रहे। पेराई से पहुंचे किसान बृजेश, अकराबाद के हरिकेश, मडराक के मुकेश सिंह आदि का कहना था कि धान लेकर मंडी तक पहुंचना ही मुश्किल हो गया है।

जाम में फंसने से समय और डीजल की बर्बादी हो रही है। जाम की सूचना पर ट्रैफिक पुलिस के साथ इलाका पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने सड़क पर खड़े वाहनों को व्यवस्थित कराया और अलग-अलग रास्तों से यातायात निकालने का प्रयास किया। एटा चुंगी पर स्थिति संभालने में पुलिस को सबसे ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। रात करीब 12 बजे तक पुलिसकर्मी यातायात सुचारु कराने में जुटे रहे। इसके बाद वाहनों की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ी और मंडी की ओर आवाजाही शुरू हो सकी। एसपी ट्रैफिक प्रवीण यादव ने बताया कि मंडी में धान की अधिक आवक होने के चलते बड़ी मात्रा में किसान अपना अनाज लेकर मंडी पहुंचे थे। इसके चलते जीटी रोड पर जाम लग गया। इसे व्यवस्थित करने के लिए ट्रैफिक और इलाका पुलिस जुटी हुई है।

जयंत चौधरी के हाथ आई मायूसी, लग रहीं थीं एनडीए कोटे से राज्यसभा भेजने की अटकलें

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह को एनडीए कोटे से दोबारा राज्यसभा भेजे जाने की चर्चाओं पर फिलहाल विराम लग गया है। भाजपा की ओर से राज्यसभा के लिए आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाने के बाद इन कयासों पर ब्रेक लग गया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि भाजपा के सहयोग से जयंत एक बार फिर उच्च सदन पहुंच सकते हैं।

जयंत जुलाई 2022 में सपा-रालोद के संयुक्त उम्मीदवार के रूप में राज्यसभा पहुंचे थे। उस समय 403 सदस्यीय विधानसभा में रालोद के आठ विधायक थे और एक उम्मीदवार को जीत के लिए 34 वोट चाहिए थे। सपा के 111, रालोद के आठ और सहयोगी दलों के समर्थन से गठबंधन तीन उम्मीदवार जिताने की स्थिति में था। जयंत को सपा समर्थन से तीसरे उम्मीदवार के तौर पर उतारा गया था। बाद में खतौली उपचुनाव जीतकर रालोद के विधायक नौ हो गए।

2024 लोकसभा चुनाव से पहले रालोद ने सपा का साथ छोड़ एनडीए का दामन थाम लिया। इसके बाद चर्चा थी कि अखिलेश के समर्थन से मिली राज्यसभा सीट का 'सियासी एहसान' भाजपा के सहयोग से चुकाया जा सकता है। हालांकि, जयंत की मौजूदा राज्यसभा सदस्यता जुलाई 2028 तक है। हाल के महीनों में दोनों नेताओं के रिश्तों में तल्खी भी बढ़ी है। अखिलेश ने बिना नाम लिए 'चवन्नी का रुपया' बनने के बाद छोड़कर जाने की टिप्पणी की थी। जयंत ने इसे जाट समाज के अपमान से जोड़ते हुए पलटवार किया था।

रात-रात भर घूमे अफसर, आदेश-निर्देश सब अंधेरे में गुम,

सड़कों पर दिखी बदहाल सफाई व्यवस्था

कानपुर। कानपुर में त्योहार से पहले शहर की साफ-सफाई दुरुस्त करने के लिए जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय लगातार एक हफ्ते से विभिन्न क्षेत्रों में रात्रिकालीन भ्रमण कर रहे हैं। हर रोज कूड़ा उठाने, सड़कों को दुरुस्त करने, मार्ग व्यवस्था सुधारने के लिए आदेश-निर्देश भी दे रहे हैं।

लेकिन निरीक्षण खत्म होते ही सब अंधेरे में गुम हो जा रहा है। मंगलवार को ऐसे ही चार स्थानों की पड़ताल की गई जहां पर इन दोनों अफसरों ने निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए थे। इन स्थानों पर कहीं कूड़े के ढेर लगे मिले तो कहीं कहीं पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन की मशीनें बंद मिलीं। इस कारण कूड़े की रिसाइकिलिंग भी नहीं हो रही थी।

खुले में कूड़े का ढेर लगा था लेकिन उठान के लिए गाड़ी और कर्मचारी नहीं थे।

आसपास के लोगों ने बताया कि कभी-कभार कूड़ा उठान होता है, बदबू की वजह से कई दुकानदार अपनी दुकान तक नहीं खोलते।

द्वारिकापुरी स्थित पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन : यहां दो मशीनें लगी हैं। एक तरफ का गेट खुला था, जबकि दूसरी तरफ ताला लटका था। दोनों ही तरफ मशीनें नहीं चल रही थीं जबकि द्वारिकापुरी बाजार और अन्य कुछ जगहों पर कूड़े के ढेर लगे थे।

उर्सला के पास स्थित पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन : स्टेशन तो खुला था और एक कर्मचारी बैठा भी था, लेकिन मशीन नहीं चल रही थी। पूछने पर बताया कि कूड़ा नहीं आया, इस वजह से मशीन बंद है जबकि गलियों में कूड़ा फैला था।

सरसैया घाट रोड पर कंटेनर ओवरफ्लो : सरसैया घाट रोड पर कूड़े का कंटेनर भरा हुआ था। इसके आसपास सड़क पर भी कचरा जमा था। ऐसे में सवाल उठता है कि उर्सला स्थित पोर्टेबल ट्रांसफर स्टेशन में कूड़ा नहीं आने के कारण मशीन बंद थी जबकि कुछ ही दूरी पर कूड़ा जमा था।

रात में निरीक्षण कर कूड़ा उठान पर दिया जोर : नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय मंगलवार रात फिर निरीक्षण पर निकले। वह गोविंदनगर पुराने पुल के निकट स्थित कूड़ा पड़ाव स्थल गए और घर-घर कूड़ा उठान पर जोर दिया। शास्त्री चौक के पास पैचवर्क कार्य का निरीक्षण किया। रतनलालनगर स्थित सत्य हॉस्पिटल के पास मार्ग प्रकाश व्यवस्था न होने पर 10 अक्तूबर तक सभी लाइटें ठीक कराने के लिए कहा। अपने सामने एक स्ट्रीट लाइट ठीक भी कराई।सफाई व्यवस्था सुधारने को 10 अक्तूबर तक का समय दिया है।

Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक राष्ट्रीय मुख्यधारा
https://rashtriyamukhyadhara.com/
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

संक्षिप्त समाचार

हसीना को लेकर बांग्लादेश के बदले सुर, सुलह की करने लगा बात

ढाका। बांग्लादेश ने पहली बार शेख हसीना की प्रतिबंधित आवामी लीग पार्टी के साथ सुलह की बात कही है। हालांकि, तारिक रहमान की सरकार ने इसके लिए कुछ शर्तें जरूर रखी हैं, लेकिन यह पहली बार है जब बांग्लादेश की तरफ से ऐसा कोई बयान आया है। इससे पहले, बीते तीन दिनों तक बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को लेकर भारत को लगातार नसीहत देने में लगा था। बांग्लादेश की तरफ से अचानक इस तरह के बयान यह सवाल खड़े कर रहे हैं कि क्या बांग्लादेश सचमुच आवामी लीग के साथ सुलह को तैयार है, या इसके पीछे कोई बड़ी राजनीतिक चाल है? दरअसल, बांग्लादेश सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी, प्रधानमंत्री के सूचना सलाहकार जाहिद उर रहमान ने मंगलवार को शेख हसीना को लेकर एक बयान दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित आवामी लीग के साथ सुलह करना बुरी बात नहीं है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रहमान ने पत्रकारों से कहा, आवामी लीग के सक्रिय कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ सुलह की पहल करना बुरी बात नहीं है। बल्कि, अगर ऐसी पहल की जाती है तो यह अच्छा होगा। जाहिद ने आगे कहा कि मध्यस्थों को आवामी लीग से संपर्क करना चाहिए और सुलह की प्रक्रिया शुरू करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत के जरिए बुनियादी आधार तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा, अगर यह सुनिश्चित हो जाता है तो इस मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। हालांकि, उन्होंने एक शर्त भी रखीः पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी को ऐसी प्रक्रिया शुरू करने के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए आगे आना होगा। यह बयान इसलिए चौंकाने वाला है क्योंकि इससे ठीक तीन दिन पहले, बांग्लादेश शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग पर अड़ा हुआ था। बीते रविवार तक, बांग्लादेश के विदेश मामलों के मंत्री ने एक बयान में कहा था कि ढाका को उम्मीद है कि भारत शेख हसीना के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया में तेजी लाएगा। उन्होंने यहां तक कहा था कि शेख हसीना की वापसी के लिए कानूनी प्रक्रिया के अलावा राजनीतिक मंशा भी जरूरी है। बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने एक बयान में कहा था, निश्चित रूप से इसमें कानूनी प्रक्रिया शामिल है, लेकिन राजनीतिक मंशा भी जरूरी है।

नेपाल आपदा में लापता लोगों का मृत्यु पंजीकरण होगा आसान, संशोधित होंगे दो कानून

काठमांडू। नेपाल के भोटेकोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्र में आई विनाशकारी आपदा में लापता नागरिकों की मृत्यु दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सरकार दो कानूनों में संशोधन करने जा रही है। इसके लिए 'फास्ट ट्रैक' प्रक्रिया अपनाई जाएगी। गृह मंत्रालय के सचिव केदारनाथ शर्मा और कानून, न्याय तथा संसदीय मामलों के मंत्रालय के सहसचिव सुभाष भट्टराई ने भोटेकोशी-त्रिशूली आपदा संबंधी संसदीय विशेष समिति की सिंहदरबार में हुई बैठक में कहा कि मौजूदा कानूनी प्रक्रिया के कारण आपदा प्रभावित परिवारों को राहत और अन्य कानूनी सुविधाएं प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है। इसलिए कानून में संशोधन आवश्यक है। उनके अनुसार, गृह मंत्रालय की ओर से भेजे गए आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन अधिनियम और राष्ट्रीय परिचयपत्र तथा पंजीकरण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को कानून मंत्रालय प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। भट्टराई ने कहा कि वर्तमान में लापता नागरिकों की मृत्यु की घोषणा और मृत्यु पंजीकरण के लिए मौजूदा कानूनी व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। इसलिए गृह मंत्रालय के समन्वय में संबंधित कानूनों में संशोधन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इसे आवश्यकता के अनुसार फास्ट ट्रैक से आगे बढ़ाने की तैयारी है। भट्टराई ने बताया कि संसद का अधिवेशन नहीं होने की स्थिति में भी संशोधन प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के तरीकों पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि लापता नागरिकों की मृत्यु पंजीकरण की तत्काल समस्या के समाधान के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के दीर्घकालीन प्रभावों से निपटने के लिए भी कानूनी सुधार आवश्यक हैं। उनके अनुसार पर्यावरण संरक्षण अधिनियम में संशोधन करने या आवश्यकता के अनुसार अलग से जलवायु परिवर्तन संबंधी कानून बनाने के मुद्दे पर वन तथा पर्यावरण मंत्रालय के साथ चर्चा की जाएगी।

पायलट ने राफेल के कॉकपिट से बनाया युद्धाभ्यास 'तरंगशक्ति' का वीडियो

जोधपुर। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन में बहुराष्ट्रीय वायुसेना अभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' पूरी लय, रफ्तार और सैन्य जज्बे के साथ चल रहा है। युद्धाभ्यास के पेगासे-26 मिशन में संयुक्त अरब अमीरात स्थित फ्रांसीसी सैन्य एयरबेस से राफेल लड़ाकू विमानों की एक टुकड़ी भी शामिल हुई।

युद्धाभ्यास में चल रहे नाइट-ऑपरेशन्स से जोधपुर के आसमान में रात में भी लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनाई दी। जोधपुर एयरबेस पर अलग-अलग देशों के अत्याधुनिक विमान अपनी ताकत, तकनीक और ऑपरेशनल क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। दुनिया की दिग्गज वायु सेनाओं के बीच तालमेल और साझा युद्ध क्षमता का प्रदर्शन हो रहा है। तरंग शक्ति के दौरान जोधपुर एयरबेस पर रात में भी हवाई गतिविधियां जारी हैं। तरंग शक्ति में हिस्सा ले रही फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना ने सोशल मीडिया पर इस अभ्यास का काव्यात्मक पहलू साझा किया। जोधपुर एयरबेस पर नाइट-ऑपरेशन्स के दौरान अपने राफेल लड़ाकू विमान और ग्राउंड क्रू की एक आकर्षक तस्वीर पोस्ट करते हुए फ्रांसीसी वायु सेना ने लिखा- भारत की रात की खामोशी में, जेट इंजनों के आफ्टरबर्नर की भयानक गर्जना और भीषण हवाई अभ्यास शुरू होने से ठीक पहले का यह लम्हा बेहद खास और काल्पनिक सा लगता है। इस ठहरे हुए पल में ग्राउंड क्रू और पायलट एक-दूसरे के बेहतरीन तालमेल में पूरी तरह डूब जाते हैं, जो तरंग शक्ति अभ्यास को एक अलग ही भावुक और कलात्मक पहचान देता है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद वीरजी ठुम्मर का निधन

अमरेली। अमरेली के पूर्व सांसद और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीरजी ठुम्मर का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। कैंसर से पीड़ित ठुम्मर का उपचार चल रहा था। उन्होंने अपने पैतृक क्षेत्र अमरेली में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से अमरेली सहित पूरे गुजरात के राजनीतिक क्षेत्र में शोक की लहर है। बुधवार शाम पांच बजे अमरेली में उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई, जिसमें राजनीतिक नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया।

वीरजी ठुम्मर का राजनीतिक जीवन कई दशकों तक अमरेली की राजनीति से जुड़ा रहा। उन्होंने स्थानीय राजनीति से लेकर लोकसभा और गुजरात विधानसभा तक अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 2004 में उन्होंने अमरेली लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर संसद में प्रवेश किया। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप संघाणी को पराजित किया था। वे 2004 से 2009 तक लोकसभा सांसद रहे। इसके बाद उन्होंने गुजरात की राजनीति में सक्रिय भूमिका जारी रखी। वर्ष 2017 में लाठी-बाबरा विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बने और 2017 से 2022 तक विधानसभा में रहे। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार विधानसभा में उनकी उपस्थिति 91.5 प्रतिशत रही और उन्होंने करीब 120 महत्वपूर्ण चर्चाओं में भाग लिया। 31 मई 1959 को अमरेली में जन्मे वीरजी ठुम्मर की पहचान जमीन से जुड़े नेता के रूप में रही। उनकी पत्नी का नाम नीलाबेन है। किसान और व्यावसायिक पृष्ठभूमि से आने वाले ठुम्मर ने लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहकर सार्वजनिक जीवन में सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी बेटी जेनी ठुम्मर भी अमरेली की राजनीति में सक्रिय हैं। उन्होंने 2015 से 2018 तक अमरेली जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। वीरजी ठुम्मर के निधन से अमरेली के राजनीतिक जीवन में एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत हुआ है।

आयोग की मतदाता सूची विवाद पर सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। एक मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद विपक्ष लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहा है, जिससे राजनीतिक गलियारों में गरमागरमी बढ़ गई है। इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा सांसद और यूपीए सरकार में मंत्री रह चुके कपिल सिब्बल का एक पुराना भाषण साझा कर विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन पर करारा सवाल उठाया है। रिजिजू ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि उन्हें वैसे तो कपिल सिब्बल पसंद नहीं हैं, लेकिन पहली बार वे उन्हें पसंद आए हैं। उन्होंने इसका कारण भी बताया।

◆ रिजिजू ने कपिल सिब्बल के पुराने भाषण से किया पलटवार

रिजिजू ने कपिल सिब्बल का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, मुझे कपिल सिब्बल पसंद नहीं हैं क्योंकि वे हमेशा भ्रष्ट, चरमपंथी और असामाजिक तत्वों का बचाव करते हुए पाए जाते हैं। लेकिन पहली बार मुझे वे पसंद आए हैं, क्योंकि उन्होंने कानून मंत्री के तौर पर संसद में दिए गए अपने पुराने भाषण के जरिए कांग्रेस पार्टी के फर्जी वोट चोरी वाले ड्रामे का पर्दाफाश किया है! रिजिजू का दावा है कि कपिल सिब्बल का संसद में दिया गया यह भाषण उनके कानून मंत्री के कार्यकाल का है। इस वीडियो में सिब्बल को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि, मैं यह भी स्पष्ट करना चाहता हूं कि मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया तीन श्रेणियों के अंतर्गत आती है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति ने अपना निवास स्थान एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित कर लिया है, तो उसका नाम पुराने क्षेत्र से हटा दिया जाएगा। वह मतदाता बना रहेगा, लेकिन किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र में। उसका नाम दो जगह नहीं रह सकता है। यदि उसने अपना निवास स्थान बदल लिया हो, लेकिन उसका नाम मतदाता सूची में पुराने निर्वाचन क्षेत्र में भी बना रहे और नए निर्वाचन क्षेत्र में भी दर्ज हो जाए, ऐसी स्थिति में उनमें से एक नाम रद्द करना होगा। यदि किसी व्यक्ति का निधन हो गया हो, तो ऐसी स्थिति में भी उसका नाम हटाना पड़ता है। सिब्बल आगे कहते हैं, यदि किसी व्यक्ति की कोई व्यक्तिगत शिकायत है, तो मुझे लगता है कि माननीय सदस्य को पीड़ित व्यक्तियों से चुनाव आयोग से संपर्क करने और कमियों को उजागर करने के लिए कहना चाहिए। वे यह भी बता सकते हैं कि वे ईआरओ (इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) के पास जाने और खुद को रजिस्टर्ड कराने के हकदार हैं। यदि उनका नाम हट भी गया है, तो यह उन्हें फिर से रजिस्टर होने से नहीं रोका जा सकता है। वे ईआरओ के पास जा सकते हैं और अनुरोध कर सकते हैं।

सीजेपी और एआईएसए 10 को जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी मांगों को लेकर 10 अक्टूबर को यहां के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है।

सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और एआईएसए की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने बुधवार को प्रेस क्लब में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

सौरव दास ने कहा कि सीजेपी, सभी छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ मिलकर 10 अक्टूबर को सड़कों पर उतरेगी और चुनावी व्यवस्था में सुधार होने के बाद ही वापस लौटेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के आह्वान के खिलाफ साजिश रचने के बजाय, व्यवस्था में सुधार पर बातचीत के लिए युवाओं के प्रतिनिधिमंडल को क्यों नहीं बुला सकती। उन्होंने सरकार पर विरोध प्रदर्शन को पटरी से उतारने और तनावपूर्ण एवं हिंसक माहौल बनाने

का आरोप लगाया है।

सौरव ने कहा कि एक लंबे आंदोलन के लिए तैयार रहें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे हममें से कितनों को हिरासत में लेते हैं, याद रखें कि यह लड़ाई तो लड़नी ही है, चाहे हम हों या न हों। अगर वोट देने का हमारा अधिकार सुरक्षित रहेगा, तभी हम अपने भ्रष्ट तंत्र को बदल पाएंगे।

नेहा बोरा ने कहा कि 10 अक्टूबर को होने वाला प्रदर्शन हिंदुस्तान के इतिहास में दर्ज किया जाएगा। हम अपनी आखिरी सांस तक अपने लोकतंत्र के लिए लड़ेंगे और इसे कमजोर या खत्म करने की कोशिश करने वाली हर ताकत के खिलाफ मजबूती से खड़े रहेंगे।

धोखाधड़ी के तीन केस में ईडी की 20 ठिकानों पर तलाशी

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरलम में सहकारी समितियों से जुड़ी कथित धोखाधड़ी के तीन अलग-अलग मामलों में बुधवार को त्रिशूर, एर्नाकुलम और कोझिकोड में करीब 20 ठिकानों पर छापा मारकर तलाशी की। इन मामलों में कथित तौर पर करीब 92 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित संपत्ति शामिल है। इसी बीच, एक अन्य कार्रवाई में ईडी ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के निलंबित अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार और आयोग की सदस्य बी.वी. गीता को कथित भर्ती अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया है। ईडी के अनुसार, अर्बन को-ऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े मामले में पदाधिकारियों पर फर्जी ऋण जारी कर सदस्यों को नुकसान पहुंचाने का आरोप है और इसमें करीब 55 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित संपत्ति का पता चला है। एर्नाकुलम और

◆ कर्नाटक में केपीएससी के दो अधिकारियों को किया गिरफ्तार

आसपास के करीब पांच-छह ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है। थेन्नेला सर्विस को-ऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े दूसरे मामले में अधिक ब्याज देने का वादा कर फर्जी ऋण जारी करने के आरोप हैं। इसमें करीब 10 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित संपत्ति शामिल है और कोझिकोड तथा आसपास के सात-आठ ठिकानों पर कार्रवाई की गई।

प्रधानमंत्री का 'विकसित भारत' का संकल्प जनआंदोलन बन रहा है : सी.आर. पाटिल

एजेंसी, सूरत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सूरत में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की उपस्थिति में 'विकसित भारत संकल्प सभा' और 'सेवा ज्योति यात्रा' का आयोजन किया गया। सेवा, संकल्प और विकास की भावना को दर्शाती यात्रा में मशाल प्रज्वलित कर जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के सदस्यों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पीपलोद के वाई जंक्शन पर आयोजित सभा में सी.आर. पाटिल ने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 से शुरू हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शासन प्रमुख के रूप में 25 वर्ष की यात्रा पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के नागरिक विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं और 'विकसित

भारत' का संकल्प जनआंदोलन का रूप ले रहा है।

पाटिल ने कहा कि 'सेवा ज्योति यात्रा' सेवा की भावना को विकास के संकल्प से जोड़ने और जनभागीदारी को विकास की शक्ति बनाने की पहल है। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नागरिकों से विकास यात्रा में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा और 'विकसित भारत' के निर्माण की सामूहिक शपथ ली।

इसके बाद मशाल के साथ तैयार 'सेवा ज्योति रथ' का तीन मार्गों पर भ्रमण कराया गया। यात्रा में सामाजिक संस्थाओं, मंडलों, उद्योग संगठनों, सहकारी संस्थाओं, विद्यालय-कॉलेज के विद्यार्थियों और नागरिकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में सांसद मुकेशभाई दलाल, राज्यसभा सांसद गोविंदभाई धोलकिया, महापौर मायाबेन मावाणी, जिला पंचायत अध्यक्ष समीर मोदी, विधायक मुकेशभाई पटेल, संगीता पाटिल,मनुभाई पटेल, संदीपभाई देसाई, अरविंदभाई राणा, किशोरभाई कानाणी, प्रवीणभाई घोघारी, विनोदभाई मोरडिया, कांतीभाई बलर और ईश्वरभाई परमार, जिला कलेक्टर तेजस परमार, नगर निगम आयुक्त राजकुमार बेनीवाल, पुलिस आयुक्त वाबांग जमीर, उपमहापौर डॉ. सुधाकर चौधरी, स्थायी समिति अध्यक्ष राजन पटेल, सत्तापक्ष नेता अल्पाबेन मेहता, दंडक उर्मिलाबेन त्रिपाठी, जिला संगठन अध्यक्ष भरतभाई राठौड़, नगर निगम की विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं पार्षद, पद्मश्री कनुभाई टेलर सहित पदाधिकारी, उद्योगपति, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। 'सेवा ज्योति रथ' की यात्रा वाई जंक्शन से राहुलराज मॉल, सोमेश्वर जंक्शन और ओएनजीसी जंक्शन तक तीन अलग-अलग मार्गों से निकाली गई।

आविन दूध की कमी की शिकायतों के बीच मुख्यमंत्री विजय ने माधवरम संयंत्र का किया निरीक्षण, प्रयोगशाला का उद्घाटन

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को चेन्नई के माधवरम स्थित आविन दूध संयंत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु दुग्ध उत्पादक संघ की ओर से 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय राज्य प्रयोगशाला के सहायक भवन का उद्घाटन भी किया। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा गया।माधवरम स्थित आविन संयंत्र चेन्नई और आसपास के क्षेत्रों में दूध आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है। हाल के दिनों में तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में आविन दूध की उपलब्धता को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। इसके अलावा दुग्ध उत्पादों की खरीद और कीमतों को लेकर भी सवाल उठाए गए थे। इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री के संयंत्र के निरीक्षण को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संयंत्र परिसर में 2.23 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित केंद्रीय राज्य प्रयोगशाला के सहायक भवन का उद्घाटन किया। इस प्रयोगशाला का निर्माण दूध और विभिन्न दुग्ध उत्पादों की अत्याधुनिक उपकरणों के

माध्यम से सटीक जांच के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। नई प्रयोगशाला के माध्यम से दूध और दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता तथा निर्धारित मानकों की जांच को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इससे उपभोक्ताओं तक गुणवत्तापूर्ण दूध और दुग्ध उत्पाद पहुंचाने की व्यवस्था को मजबूत करने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने माधवरम आविन दूध संयंत्र परिसर में 152 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नई इमारत का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की प्रगति और संयंत्र से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। माधवरम संयंत्र से चेन्नई तथा आसपास के इलाकों में दूध की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में संयंत्र की उत्पादन, भंडारण और वितरण व्यवस्था से जुड़ी परियोजनाओं को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हाल के दिनों में आविन दूध की कमी की शिकायतें सामने आई थीं। वहीं, दुग्ध उत्पादों की खरीद को लेकर भी सवाल उठे हैं। कर्नाटक से घी जैसे उत्पादों की खरीद किए जाने के आरोपों के अलावा आविन दूध की कीमतों को लेकर भी शिकायतें सामने आने की बात कही गई है। ऐसे समय में मुख्यमंत्री का सीधे संयंत्र पहुंचकर निरीक्षण करना दूध की आपूर्ति और गुणवत्ता व्यवस्था की निगरानी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री विजय के कार्यकाल में विभिन्न सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक सुविधाओं के औचक निरीक्षण चर्चा में रहे हैं। इससे पहले उन्होंने एम.सी. राजा छात्रावास, पेरम्बूर बस स्टैंड, सिपकोट औद्योगिक क्षेत्र और गिंडी मेट्रो सहित कई स्थानों का निरीक्षण किया है। बिजली आपूर्ति को लेकर शिकायतों के बीच मुख्यमंत्री ने सितंबर 2026 में चेन्नई स्थित बिजली बोर्ड मुख्यालय का भी अचानक निरीक्षण किया था।

अर्चना गौतम के कैफे 'ओये चुरोस' में चोरी, कैमरे में कैद हुई पूरी वारदात

एजेंसी, मुंबई

अभिनेत्री और 'बिग बॉस' के 16वें सीजन में नजर आ चुकीं अर्चना गौतम के कैफे 'ओये चुरोस' में चोरी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति कैफे में घुसा और पूरा कैश काउंटर लेकर फरार हो गया। अर्चना का यह कैफे मुंबई के वर्सोवा, अंधेरी पश्चिम इलाके में स्थित है। घटना के बाद अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर कैफे का सीसीटीवी फुटेज शेयर किया है।

अर्चना ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए बताया कि एक व्यक्ति उनके कैफे में आया और कैश काउंटर ही लेकर चला गया। अभिनेत्री ने हैरानी जताते हुए कहा कि मुंबई में इतने कैफे होने के बावजूद चोर ने उनके कैफे को ही निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि वीडियो शेयर करने का मकसद

लोगों को सतर्क करना है, ताकि सभी अपने आसपास की सुरक्षा को लेकर सावधान रहें।

अर्चना ने बताया कि मामले में पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है। उन्होंने मुंबई पुलिस से आरोपी की जल्द तलाश कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की अपील की। अभिनेत्री ने कहा कि मुंबई हमेशा उनके लिए सुरक्षित शहर रहा है और इस घटना से उन्हें काफी दुख पहुंचा है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और अपने आसपास की सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की। अर्चना की पोस्ट पर रिद्धिमा पंडित और बेबिका धुर्वे समेत कई लोगों ने चिंता जताई है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के हर झूठ को किया बेनकाबः अमरपाल मौर्य

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव आयोग से जुड़े आरोपों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर एक के बाद एक आरोप लगाए, लेकिन आयोग ने उनके दावों की सच्चाई जनता के सामने रख दी।

मौर्य ने कहा कि राहुल का पहला दावा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त अकेले फैसले लेते हैं। इसके जवाब में उन्होंने चुनाव आयोग के रुख का हवाला देते हुए कहा कि तीनों चुनाव आयुक्तों ने स्पष्ट किया है कि आयोग में फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते हैं।

उन्होंने राहुल गांधी के दूसरे दावे पर भी सवाल उठाया। मौर्य के मुताबिक, राहुल गांधी दिनभर यह कहते रहे कि उन्हें चुनाव आयोग से

मिलने नहीं दिया जा रहा है, जबकि आयोग की ओर से स्पष्ट किया गया कि कांग्रेस या विपक्षी गठबंधन की ओर से मुलाकात के लिए कोई औपचारिक अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ।

अमरपाल मौर्य ने तीसरे दावे का जिक्र करते हुए कहा कि शाम करीब चार बजे डीसीपी के माध्यम से चुनाव आयोग को राहुल गांधी के मिलने की इच्छा के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने कहा कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत आयोग प्रतिनिधियों के माध्यम से मुलाकात के लिए तुरंत तैयार था, लेकिन राहुल गांधी इस प्रक्रिया के तहत मिलने के लिए तैयार नहीं हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे बिरला व अन्य ने कहा- यह जनकल्याण की यात्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के प्रमुख के रूप में 25 वर्ष पूरे होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीयमंत्री जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, गिरिराज सिंह, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर सरकार के प्रमुख के रूप में अपनी यात्रा शुरू की । वे वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने। बिरला ने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्र प्रथम और जनकल्याण के संकल्प के साथ सार्वजनिक जीवन में सरकार के प्रमुख के रूप

में 25 वर्ष पूरे करना उनकी राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण की प्रेरक गाथा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सुशासन की नई मिसाल से लेकर देश के प्रधान सेवक के रूप में भारत को नई दिशा देने तक की उनकी यात्रा उल्लेखनीय रही है।

उन्होंने कहा कि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ संसद में लोकतांत्रिक संवाद और सहमति को प्रोत्साहन देने पर प्रधानमंत्री का निरंतर जोर रहा है। उन्होंने कहा कि अंत्योदय से आत्मनिर्भरता, गरीब कल्याण से सशक्त भारत और विकास से विरासत के संरक्षण तक अनेक कार्यों ने देश की प्रगति की नई आधारभूमि तैयार की है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की 25 वर्ष की सार्वजनिक जीवन की यात्रा राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण का पर्याय बन चुकी है। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा 'राष्ट्र प्रथम, सदैव प्रथम' के मूल मंत्र के साथ आगे बढ़ी है। उनके नेतृत्व में जनकल्याणकारी कार्यों का विस्तार हुआ और करोड़ों लोगों को घर, पानी, शौचालय, गैस कनेक्शन और बैंकिंग जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हुईं। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सुशासन को मजबूती मिली है और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। युवाओं के लिए रोजगार और अवसर, उद्यमशीलता, स्टार्टअप तथा नवाचार को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 25 वर्ष की यात्रा अभी पूर्ण विराम नहीं, बल्कि आगे की राष्ट्रसेवा का एक पड़ाव है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष संकल्प को कार्यरूप देने की यात्रा हैं। गुजरात से लेकर प्रधानमंत्री पद तक उनकी यात्रा जनता की आकांक्षाओं से जुड़ी रही है। उन्होंने इसे सेवा, प्रतिबद्धता और विकसित भारत के निर्माण के निरंतर संकल्प की यात्रा बताया। केंद्रीयमंत्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रहित और जनसेवा को समर्पित 25 वर्ष अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक हैं।

मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने आखिरी मैच में पेनल्टी पर किया गोल, दो गोल में दिया सहयोग

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी ने मंगलवार को ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोनुमेंटल स्टेडियम में बेनिन के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतिम मैच को गोल और दो सहायताओं के साथ यादगार बना दिया। मेसी ने पेनल्टी पर गोल करते हुए अपनी विदाई को शानदार अंदाज में पूरा किया। 39 वर्षीय मेसी ने अर्जेंटीना के फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन के हाथों 0-1 की करीबी हार के कुछ दिन बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी। इसके बाद बेनिन के खिलाफ मुकाबला अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के साथ उनका विदाई मैच बना। मैच में मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल में सहयोग करते हुए अर्जेंटीना को 2-0 की बढ़त दिलाई। उन्होंने 48वें मिनट में अपने लंबे समय से टीम के साथी निकोलस ओटामेंडी को गोल करने में मदद की। ओटामेंडी का भी यह अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी मुकाबला था। इसके बाद मेसी ने 61वें मिनट में निको पाज के गोल में सहयोग किया। पाज को अर्जेंटीना के लिए दाएं विंग में मेस्सी के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखे जाने वाले खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। इसके दस मिनट बाद मेसी को खुद गोल करने का मौका मिला। अर्जेंटीना को पेनल्टी मिलने पर मेसी ने जिम्मेदारी संभाली और गेंद को गोलपोस्ट के ऊपरी दाएं कोने में भेजकर टीम का तीसरा गोल किया। इस तरह मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतिम मुकाबले में एक गोल और दो गोल में सहयोग के साथ अंतरराष्ट्रीय करियर का यादगार समापन किया।

क्षेत्रीय भाषाओं में क्रिकेट की बढ़ी लोकप्रियता, जियो हॉटस्टार पर कन्नड़ फीड की पहुंच 30 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी, मुंबई

भारत में क्रिकेट देखने के तौर-तरीकों में क्षेत्रीय भाषाओं की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। जियोस्टार ने बुधवार को 'बियॉन्ड बाउंड्रीज' पहल शुरू करने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य विज्ञापनदाताओं को क्षेत्रीय भाषा में क्रिकेट देखने वाले बढ़ते और सक्रिय दर्शकों से जोड़ना है। इस पहल में लाइव क्रिकेट फीड के साथ मैच से पहले और बाद के कार्यक्रमों के लिए साझेदारी के अवसर शामिल हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के दौरान जियोहॉटस्टार पर कन्नड़ फीड की पहुंच में सालाना आधार पर 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेलुगु और तमिल फीड की पहुंच में क्रमशः 23 और 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। डिजिटल पर देखने के कुल समय में तेलुगु भाषा की हिस्सेदारी में तीनों बाजारों के बीच सबसे अधिक 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद कन्नड़ और तमिल का स्थान रहा। यह वृद्धि दर्शाती है कि क्रिकेट की खपत अब हिंदी और अंग्रेजी तक सीमित नहीं है और दर्शक तेजी से ऐसे फीड से जुड़ रहे हैं, जहां लाइव खेल के साथ उनकी भाषा और सांस्कृतिक जुड़ाव भी मौजूद है। प्रत्येक क्षेत्रीय फीड ने अपने-अपने बाजार की घरेलू फ्रेंचाइजी और प्रशंसकों को ध्यान में रखते हुए अलग कार्यक्रम पहचान भी विकसित की। टाटा आईपीएल 2026 में तेलुगु फीड पर 'क्रिकेट विद चाय' और 'ऑरेंज ओ रंगु', कन्नड़ फीड पर 'केम्पु सैन्या' और 'इनसाइड आरसीबी' जैसे विशेष कार्यक्रम शामिल रहे। तमिल फीड पर मैच वाले दिन 'इनी सिंगापथई' की थीम के साथ कार्यक्रम पेश किए गए। तीनों बाजारों में उभरती युवा प्रतिभाओं पर भी विशेष खंड प्रसारित किए गए। क्षेत्रीय भाषाओं में कवरेज को 12 भाषाओं में 160 से अधिक कमेंटेटरों और विशेषज्ञों के पैनल ने मजबूती दी। इसमें पूर्व क्रिकेटरों और क्षेत्रीय विशेषज्ञों ने अपने-अपने बाजार में कमेंट्री की। तमिल फीड के पैनल में मुरली विजय और एल. बालाजी के साथ श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर रसेल अर्नोल्ड और आरजे बालाजी शामिल रहे।

गौतम गंभीर ने अजित अगरकर की सराहना की, कहा- इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बुधवार को चयन समिति के निवर्तमान अध्यक्ष अजित अगरकर की जमकर सराहना की। गंभीर ने कहा कि 'टीम पहले' की सोच और दृढ़ विश्वास ने अगरकर के कार्यकाल में भारत को तीन आईसीसी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई और "इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा।" अगरकर का चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल पिछले महीने समाप्त हो गया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को इस पद को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए। इससे पहले कई सप्ताह तक अगरकर को कार्यकाल विस्तार दिए जाने को लेकर अटकलें चलती रही थीं। गंभीर ने सोशल मीडिया पर अगरकर के लिए भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, "प्रिय अजित भाई, आपके साथ काम करना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात रही। वे तीन आईसीसी ट्रॉफियां आपके विश्वास की गवाही देती हैं : हमेशा टीम पहले और टीम से आगे। मुझे कहना होगा कि इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा। हर चीज के लिए धन्यवाद। आपके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी दिल से शुभकामनाएं।" अगरकर के कार्यकाल में भारत ने 2024 और 2026 का टी20 विश्व कप तथा 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीती। उनके कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम में एक महत्वपूर्ण बदलाव का दौर भी आया, जिसमें बल्लेबाजी के दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने क्रमशः टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया। अगरकर को कई मौकों पर कड़े फैसले लेने वाले चयनकर्ता के रूप में देखा गया।

बीसीसीआई महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी के लिए हिमाचल की टीम घोषित, धान्य लक्ष्मी को कमान

एजेंसी, धर्मशाला । हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई महिला अंडर-19 (टी-20) एलीट टूर्नामेंट के लिए हिमाचल की टीम घोषित कर दी है। एचपीसीए टीम की कमान धान्य लक्ष्मी को सौंपी गई है। 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम पांच टी-20 मैच खेलेगी। एचपीसीए के मानद सचिव मनुज शर्मा ने बताया कि टीम में हिमानी शर्मा, दिवेशा समरा, साइना चौहान, स्वरा बंष्टु, अहाना शर्मा, धान्य लक्ष्मी (कप्तान) पल्लवी, अर्चना ठाकुर, कुंजम गिरी, अनाहिता दिग्विजय सिंह, अंशिका सानी, उर्वी शर्मा, स्वास्तिका डी कंवर तथा रिया शर्मा, युक्ति शामिल हैं। इसके अलावा टीम में तिलक राज मुख्य कोच, सुनील कुमार सहायक कोच, वीणा पांडे एस एंड सी, जान्हवी अरोड़ा फिजियो, संदीप कुमार वीडियो एनालिस्ट, ईश्वर दास साइड आर्म तथा गीता मेहता मैनेजर के रूप में शामिल हैं। टी20 इस प्रतियोगिता में हिमाचल की टीम पांच लीग मैच खेलेगी। पहला मैच 9 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम ओडिशा, 10 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम बड़ौदा, 12 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम तमिलनाडु, 14 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश बनाम झारखंड तथा 16 अक्टूबर को गोवा के साथ हिमाचल की भिड़ंत होगी।

आईओए ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए 'साथ बढ़ते भारत' की परिकल्पना रखी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की परिकल्पना पेश करते हुए इसे दो प्रभावशाली शब्दों- 'साथ बढ़ते भारत' में व्यक्त किया है। आईओए ने कहा कि भारत में 2036 खेलों का आयोजन देश में खेलों के माध्यम से बदलाव की गति तेज करने के साथ-साथ ओलंपिक आंदोलन के लिए सार्वभौमिक विस्तार का नया अध्याय खोल सकता है। आईओए ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा इस सप्ताह 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के भावी मेजबान के चयन की प्रक्रिया में शामिल शहरों और देशों की घोषणा का स्वागत किया। गुजरात के अहमदाबाद केंद्रित भारत की ओलंपिक और पैरालंपिक मेजबानी की महत्वाकांक्षा पिछले 18 महीनों में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ करीबी और रचनात्मक संवाद के जरिए विकसित की गई है। 'साथ बढ़ते भारत' की परिकल्पना इस विश्वास पर आधारित है कि 2036 ऐसा अवसर हो सकता है, जब खेलों के माध्यम से भारत का बदलाव और ओलंपिक आंदोलन का सार्वभौमिक भविष्य एक साथ आगे बढ़े। भारत के लिए ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी राष्ट्रीय जीवन के केंद्र में खेलों को स्थापित करने का पीढ़ीगत अवसर होगी। इस परियोजना को व्यापक खेल परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे लाखों युवा केवल खेल देखने के बजाय उनमें भाग लेने के लिए प्रेरित हों। इसके साथ स्वस्थ और सक्रिय समुदायों को बढ़ावा देने तथा शिक्षा और रोजगार के अवसरों में खेलों की भूमिका बढ़ाने पर भी जोर होगा।

मेसी ने अर्जेंटीना को कहा अलविदा, बोले- मुझे इसकी कमी खलेगी

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स

लियोनेल मेसी ने मंगलवार को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन किया। दो गोल में सहयोग और एक पेनल्टी पर गोल करने के बाद मेसी ने खचाखच भरे एस्टाडियो मोनुमेंटल में भावुक भाषण दिया और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा।

मेसी ने कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए खेलना याद करेंगे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत अपने दिवंगत पिता जॉर्ज को याद करते हुए की, जिनका लंबी बीमारी के बाद अगस्त में निधन हो गया था।

मेसी ने कहा, "आज रात मैं जिस पहले व्यक्ति के बारे में सोचता हूं, वह मेरे पिता हैं। मैं आप सभी का सिर्फ धन्यवाद कर सकता हूं। 20 से अधिक वर्षों तक इस जर्सी की रक्षा करना मेरे लिए बहुत बड़े गर्व की बात रही है। हमने कभी लड़ना बंद नहीं किया, कभी अपना सब कुछ देना बंद नहीं किया।"

उन्होंने कहा, "मेरी इच्छा है कि मैं पूरी जिंदगी खेल सकूं, क्योंकि अर्जेंटीना के लिए खेलना सबसे खूबसूरत चीज है।"

मेसी ने कहा, "बेशक, मैं शायद बहुत सी ऐसी बातें भूल रहा हूं जो मैं कहना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक मुश्किल पल है। मुझे इसकी कमी खलेगी।"

39 वर्षीय मेसी ने यह भी कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए उनके बाद खेलने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करते रहेंगे।

उन्होंने कहा, "जब हम एकजुट होते हैं, तो हम किसी भी अन्य टीम से ज्यादा मजबूत होते हैं। और हम किसी भी चीज से पार पा सकते हैं।"

मेसी ने अपने भावुक भाषण का समापन करते हुए कहा, "मैं आपसे प्यार करता हूं, मैं आपसे प्यार करता हूं। मुझे आपकी कमी खलेगी। और मैं अर्जेंटीना का होने पर बेहद आभारी और गौरवान्वित हूं। आप सभी के साथ अपना सपना पूरा करने पर मुझे गर्व है।"

मंधाना की कप्तानी की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में होगी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नई कप्तान बनी बल्लेबाज स्मृति मंधाना की पहली परीक्षा जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली सफेद गेंद सीरीज से शुरू होगी। यह नियुक्ति भारतीय महिला क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत का संकेत देती है, खासकर भविष्य की नेतृत्वकर्ता तैयार करने की रणनीति के तहत। मंधाना, 2013 से भारतीय टीम से खेल रही हैं, उनके के पास कप्तानी का अच्छा-खासा अनुभव मौजूद है। उन्होंने पहले भी विभिन्न प्रारूपों में टीम की अगुवाई की है और उपकप्तान के तौर पर हरमनप्रीत कौर के साथ मिलकर लंबे समय तक काम किया है। उनके कप्तानी के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो यह बेहद प्रभावशाली रहा है, जिससे उनकी नेतृत्व क्षमताओं का स्पष्ट प्रदर्शन होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, मंधाना ने एकदिवसीय और टी20 इंटरनेशनल मिलाकर कुल 22 मैचों में भारतीय टीम की कप्तानी संभाली है। एकदिवीसय क्रिकेट में बतौर कप्तान उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। उन्होंने कुल 4 एकदिवसीय मुकाबलों में टीम का नेतृत्व किया है और इन सभी मैचों में भारत को जीत दिलाई है, जो शत प्रतिशत सफलता दर को दिखाता है। टी20 प्रारूप में भी उनका रिकॉर्ड बेहद मजबूत है। उन्होंने 18 मैचों में टीम की की, जिसमें से 11 में टीम ने जीत हासिल की, जबकि केवल 6 में हार का सामना करना पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर ही नहीं, बल्कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना ने अपनी कप्तानी साबित की है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाया है, जो उनकी रणनीतिक कौशल और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता का प्रमाण है। डब्ल्यूपीएल में उन्होंने आरसीबी के 35 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से टीम को 18 में जीत और 17 में हार मिली है। यह आंकड़ा बताता है कि उनके पास विभिन्न हालातों में टीम को संभालने का व्यापक अनुभव है।

मंधाना बतौर कप्तान अपने पहले कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज से करेंगी, जिसकी शुरुआत 16 अक्टूबर से होगी। इस सीरीज के अन्य मुकाबले 18 और 20 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसके बाद, तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज का आगाज 23 अक्टूबर से होगा। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए, टी20 में शैफाली वर्मा को उपकप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि वनडे प्रारूप में दीप्ति शर्मा यह जिम्मेदारी संभालेंगी।

युवा चेहरों को मौका देने की रणनीति के तहत हरमनप्रीत को छोडनी पड़ी कप्तानी ?

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के अचानक इस्तीफे ने खेल जगत में हलचल मचा दी है। यह फैसला गुवाहाटी में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और मुख्य कोच अमूल मजूमदार के बीच हुई एक समीक्षा बैठक के ठीक एक दिन बाद आया, जिसमें हरमनप्रीत और उपकप्तान स्मृति मंधाना भी मौजूद थीं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि उस बंद कमरे में आखिर क्या हुआ, जिसने अगले ही दिन हरमनप्रीत को तीनों फॉर्मेट की कप्तानी से किनारा करने पर मजबूर कर दिया? क्या यह निर्णय पूरी तरह से उनका था या उन्हें कप्तानी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया?वहीं क्रिकेट हलकों में यह चर्चा आम है कि भारतीय महिला क्रिकेट बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 37 वर्षीय हरमनप्रीत लगभग 17 सालों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रही हैं और लंबे समय से टीम की अगुआई कर रही थीं। उनकी उम्र और लंबे कार्यकाल को देखते हुए, कप्तानी में युवा चेहरों को मौका देने की रणनीति को इस इस्तीफे के पीछे एक बड़ा कारण माना जा रहा है। टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने भी सार्वजनिक मंचों से कई बार कप्तानी संभालने की इच्छा जाहिर की है, जिससे इस अटकल को और बल मिला है। गौरतलबह है कि हरमनप्रीत कौर भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उनकी अगुआई में टीम ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनमें हाल ही में लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतना प्रमुख है। दिलचस्प बात यह है कि हरमनप्रीत ने पहले 2028 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक तक टीम की कप्तानी करने की इच्छा जताई थी, जिसके लिए भारत पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। उन्होंने एक दशक तक भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी की, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। 2022 में उन्हें वनडे की कमान सौंपी गई और 2023 में वह सभी फॉर्मेट की कप्तान बन गईं।

यह भी माना जा रहा है कि हरमनप्रीत पर कप्तानी छोड़ने का दबाव था। इस साल की शुरुआत में टी-20 विश्व कप में भारत के जल्दी बाहर होने और हरमनप्रीत के बल्ले से रन न निकलने के बाद, डायना एडुल्जी जैसी पूर्व खिलाड़ियों ने खुले तौर पर स्मृति मंधाना को कप्तान बनाने की मांग की थी।

मुख्य कोच की नजर लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर, भारतीय मुक्केबाजों से शुरुआती दौर में अधिक कोटा हासिल करने का लक्ष्य

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने 2026 एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए अधिक से अधिक कोटा जल्द हासिल करने को अपना अगला लक्ष्य बनाया है। एशियाई खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने तीन पदक जीते, जिसमें दो स्वर्ण शामिल हैं। ओलंपिक के लिए पहला प्रमुख क्वालीफिकेशन मार्ग 2027 में कजाकिस्तान में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से शुरू होगा। नीवा ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) मीडिया से कहा, "पहला क्वालीफायर कजाकिस्तान में होगा, जो विश्व चैंपियनशिप है, जहां आदर्श रूप से हम अधिक से अधिक कोटा हासिल करना चाहेंगे। इसके बाद एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर होगा और 2028 में दो और ओलंपिक क्वालीफायर होंगे।" ग्लासगो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला मुक्केबाजों ने छह पदक जीते थे, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल थे। इसके बाद आइची-नागोया एशियाई खेलों में तीन पदकों के प्रदर्शन ने भारतीय महिला मुक्केबाजी के लिए शानदार वर्ष पूरा किया। नीवा का लक्ष्य है कि उनकी अधिक से अधिक खिलाड़ी शुरुआती चरण में ही लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लें, जिससे टीम को ओलंपिक की विशेष तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। नीवा ने कहा, "अगर हम आदर्श रूप से अगले साल शुरुआत में ही क्वालीफाई कर लेते हैं तो हमें अच्छी तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। यह एक कठिन क्वालीफिकेशन मार्ग होगा और उम्मीद है कि हम अधिक से अधिक मुक्केबाजों को क्वालीफाई करा सकेंगे, ताकि हम ओलंपिक के लिए मजबूत टीम तैयार कर सकें।"

नीवा 2017 से 2021 तक भारतीय मुक्केबाजी के उच्च प्रदर्शन निदेशक रहे थे। भारतीय मुक्केबाजी व्यवस्था में उनका दूसरा कार्यकाल 2025 में राष्ट्रीय महिला टीम के मुख्य कोच के रूप में शुरू हुआ। अर्जेंटीना के इस कोच ने इस वर्ष टीम की सफलता का श्रेय पूरे साल चले तैयारी कार्यक्रम को दिया, जिसमें मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं, घरेलू शिविर और उच्च स्तर की अभ्यास मुकाबले शामिल रहे। भारतीय महिला मुक्केबाजी टीम ने इस वर्ष की बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले पटियाला स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कड़ी मेहनत की। नीवा ने टीम को मिलने वाली सहयोगी व्यवस्था को अहम बताते हुए कहा कि पटियाला केंद्र में मुक्केबाजों के साथ करीब 40 लोग काम करते हैं, जिनमें लगभग 20 प्रशिक्षक और 20 अन्य सहयोगी स्टाफ शामिल हैं।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्तक
बोकारो, गुरुवार, 08 अक्टूबर, 2026

रूरल मैनेजमेंट में करियर की क्या संभावनाएं हैं?

रूरल रीजन की ओर पूरी दुनिया में अब पहले से ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। ऐसी बहुत-सी नेशनल, इंटरनेशनल, लोकल एजेंसीज और नॉन गवर्नमेंटल बॉडीज हैं जो रूरल मैनेजमेंट की जरूरत को सामने लाई हैं और इसमें करियर की जबरदस्त रिक्वायरमेंट है। आज रूरल मैनेजमेंट कोर्स स्टूडेंट्स के बीच काफी डिमांडिंग है। अगर आप भी गांवों का डेवलपमेंट करना चाहते हैं, तो जानिए कुछ जरूरी सवाल और उनके जवाब।

रूरल मैनेजमेंट क्यों जरूरी है?

भारत गांवों और किसानों का देश है। जहां लगभग 60 प्रतिशत लोग आज भी गांवों में रहते हैं। आज हम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में शहर में तो डेवलपमेंट हो रहा है पर गांव में यह न के बराबर है। इसलिए गांव की तस्वीर बदलनी जरूरी है। रूरल मैनेजमेंट कोर्स आपके जज्बे को आगे बढ़ाने में काफी मदद करता है। इसके जरिए आप गांवों की सूरत बदल सकते हैं।

कौन-कौन से कोर्सेज किए जा सकते हैं?

रूरल मैनेजमेंट बहुत से मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट्स के माध्यम से डिग्री और डिप्लोमा कोर्स कंडक्ट कराता है। इनमें से कुछ कोर्सेज बहुत पॉपुलर हैं, जैसे- एमबीए इन रूरल मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ रूरल मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन रूरल मैनेजमेंट। इन कोर्सेज में एडमिशन के लिए ऑल इंडिया एंट्रेंस टेस्ट होता है। इस टेस्ट में ग्रुप डिस्कशन और पर्सनल इंटरव्यू होता है। इन कोर्सेज को ज्वॉइन करने के लिए मिनिमम क्वॉलिफिकेशन में कंडीडेट को ग्रेजुएट होना चाहिए। इसके अलावा रूरल मैनेजमेंट में फेलोशिप, रूरल टेक्नोलॉजी और डिस्टेंस लर्निंग या करेस्पोंडेंस कोर्सेज कराए जाते हैं।

इसमें करियर की क्या संभावनाएं हैं?

रूरल मैनेजमेंट में करियर की असीम संभावनाएं हैं। इसमें गवर्नमेंट के साथ-साथ नॉन गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन (एनजीओ) में भी बहुत अवसर हैं। ये ऑर्गनाइजेशंस डेवलपमेंट स्कीम्स और प्रोग्राम्स को मैनेज करने के लिए कांट्रेक्ट बेसिस पर लोगों को हायर करते हैं। जो कंडीडेट बहुत टैलेंटेड होते हैं, उन्हें यूएन की स्पेशलाइज्ड एजेंसीज में भी जॉब मिल सकती है। इंटरनेशनल एनजीओ के पास रूरल मैनेजर्स के लिए बहुत से ऑप्शन होते हैं। इसके अलावा कंडीडेट खुद का एनजीओ शुरू कर सकते हैं और गांवों के विकास के लिए काम कर सकते हैं।

इंजीनियरिंग-मेडिकल से हटकर भी हैं कई रास्ते

12वीं साइंस के बाद ज्यादातर छात्रों के दिमाग में दो ही नाम घूमते हैं, इंजीनियरिंग या मेडिकल. लेकिन अगर आपका मन न तो डॉक्टर बनने में है और न ही इंजीनियरिंग करने में, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. साइंस स्ट्रीम आपके लिए कई दूसरे शानदार करियर के दरवाजे भी खोलती है. आप अपनी पसंद और रुचि के हिसाब से इन क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं. आइए जानते हैं 12वीं साइंस के बाद इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा 7 बेहतरीन करियर ऑप्शन.

डेटा साइंस और एनालिटिक्स

आज हर कंपनी को डेटा एनालिस्ट की जरूरत है. मैथ्स और स्टैटिस्टिक्स में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स डेटा साइंस में ग्रेजुएशन कर सकते हैं. यह फील्ड आईटी, बैंकिंग, हेल्थकेयर हर सेक्टर में डिमांड में है और सैलरी पैकेज भी शुरुआत से ही अच्छा मिलता है.

बायोटेक्नोलॉजी में स्कोप

जिन स्टूडेंट्स को बायोलॉजी पसंद है लेकिन मेडिकल नहीं करना चाहते, उनके लिए बायोटेक्नोलॉजी एक बेहतरीन ऑप्शन है. फार्मा कंपनियों, रिसर्च लैब और एग्रीकल्चर सेक्टर में बायोटेक ग्रेजुएट्स की मांग लगातार बढ़ रही है.

एनवायरमेंटल साइंस

क्लाइमेट चेंज और प्रदूषण जैसे मुद्दों के चलते एनवायरमेंटल साइंस में करियर के नए दरवाजे खुले हैं. सरकारी और गैर-सरकारी दोनों संस्थानों में एनवायरमेंटल एक्सपर्ट्स की जरूरत बढ़ रही है, साथ ही यह फील्ड सामाजिक बदलाव से भी जुड़ी है.

एविएशन और पायलट ट्रेनिंग

फिजिक्स और मैथ्स पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए पायलट बनना भी एक शानदार करियर विकल्प है. कमर्शियल पायलट ट्रेनिंग के बाद एविएशन इंडस्ट्री में शुरुआती सैलरी भी काफी आकर्षक होती है, हालांकि ट्रेनिंग की फीस अधिक होती है.

फॉरेंसिक साइंस

क्राइम इन्वेस्टिगेशन में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स फॉरेंसिक साइंस चुन सकते हैं. पुलिस डिपार्टमेंट, सीबीआई और प्राइवेट लैब में फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की मांग रहती है. यह फील्ड साइंस और जांच दोनों का मेल है, जो स्टूडेंट्स को रोमांचक अनुभव देती है.

स्पोर्ट्स साइंस और न्यूट्रिशन

फिटनेस और खेल में रुचि रखने वाले स्टूडेंट्स स्पोर्ट्स साइंस चुन सकते हैं. एथलीट्स की परफॉर्मेंस बेहतर बनाने में यह फील्ड अहम भूमिका निभाती है और स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के बढ़ने के साथ इसमें भी मौके बढ़ रहे हैं.

कैसे करें सही चुनाव

करियर एक्सपर्ट्स की सलाह है कि सिर्फ ट्रेंड देखकर फैसला न लें, बल्कि अपनी रुचि और क्षमता को भी ध्यान में रखें. किसी भी नए फील्ड में जाने से पहले उस इंडस्ट्री के बारे में पूरी जानकारी लेना और सीनियर्स से बात करना बेहद फायदेमंद साबित होता है.

10वीं के बाद तुरंत चाहिए नौकरी? ये टॉप जॉब ओरिएंटेड कोर्स

10वीं बोर्ड परीक्षा पास करने के बाद ज्यादातर स्टूडेंट्स के सामने सबसे बड़ा सवाल होता है कि आगे कौन-सा कोर्स चुना जाए, जिससे कम समय में अच्छी नौकरी मिल सके और फ्यूचर ब्राइट हो. कई ऐसे प्रोफेशनल और स्किल-बेस्ड कोर्स हैं, जिन्हें करने के बाद सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर में रोजगार के अच्छे अवसर मिलते हैं. खास बात यह है कि इनमें से कई कोर्स कम फीस में पूरे हो जाते हैं और जल्दी जॉब शुरू करने का मौका भी देते हैं. अगर आप भी 10वीं के बाद करियर को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो यहां जानिए ऐसे टॉप जॉब ओरिएंटेड कोर्स, उनकी एलिजिबिलिटी और करियर स्कोप.

10वीं के बाद कौन-सा कोर्स दिला सकता है जल्दी नौकरी

आज के समय में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि स्किल्स की भी उतनी ही मांग है. इसलिए ऐसे कोर्स चुनना बेहतर माना जाता है जो इंडस्ट्री की जरूरतों के मुताबिक हों. पॉलिटेक्निक, आईटीआई, पैरामेडिकल और डिजिटल स्किल कोर्स जैसे विकल्प कम समय में बेहतर रोजगार दिलाने में मदद करते हैं.

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा

अगर आपकी रुचि टेक्निकल फील्ड में है, तो पॉलिटेक्निक डिप्लोमा एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है. मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस जैसी ब्रांच में डिप्लोमा करने के बाद रेलवे, सरकारी विभागों और निजी कंपनियों में जूनियर इंजीनियर स्तर की नौकरियों के अवसर मिलते हैं. इसके अलावा, डिप्लोमा के बाद बीटेक के दूसरे वर्ष में लेटरल एंट्री लेकर आगे की पढ़ाई भी की जा सकती है.

आईटीआई कोर्स

आईटीआई देश के सबसे लोकप्रिय स्किल डेवलपमेंट कोर्स में से एक है. फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर, COPA, टर्नर और डीजल मैकेनिक जैसी ट्रेड्स की इंडस्ट्री में हमेशा मांग रहती है. कोर्स पूरा करने के बाद भारतीय रेलवे, क्वा॥श्वरु ढ्ढस्न्न्, बिजली कंपनियों और ऑटोमोबाइल सेक्टर में टेक्नीशियन के तौर पर रोजगार मिलने की संभावना रहती है.

पैरामेडिकल डिप्लोमा

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होने के साथ पैरामेडिकल प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है. छ्वरूञ्ज, एक्स-रे टेक्नीशियन और ह्रञ्ज टेक्नीशियन जैसे कोर्स करने वाले युवाओं को अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब, डायग्नोस्टिक सेंटर और हेल्थकेयर सेक्टर में रोजगार के अच्छे अवसर मिलते हैं. यह उन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा विकल्प है, जो मेडिकल फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं.

डिजिटल स्किल कोर्स

डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन बिजनेस के दौर में डिजिटल स्किल्स की मांग तेजी से बढ़ी है. डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, वेब डेवलपमेंट, टैली और ञ्रस्ञ्ज जैसे शॉर्ट-टर्म कोर्स कुछ ही महीनों में पूरे किए जा सकते हैं. इनकी मदद से स्टूडेंट्स फ्रीलांसिंग, स्टार्टअप, ई-कॉमर्स कंपनियों या प्राइवेट सेक्टर में शुरुआती नौकरी हासिल कर सकते हैं.

सही कोर्स चुनते समय इन बातों का रखें ध्यान
कोई भी कोर्स चुनने से पहले अपनी रुचि, क्षमता और फ्यूचर स्कोप को ध्यान में रखें. साथ ही, जिस संस्थान में एडमिशन ले रहे हैं, उसकी मान्यता जरूर जांच लें. AICTE, NCVT, NIELIT या संबंधित राज्य परिषद से मान्यता प्राप्त संस्थान से किया गया कोर्स भविष्य में ज्यादा लाभदायक साबित होता है.

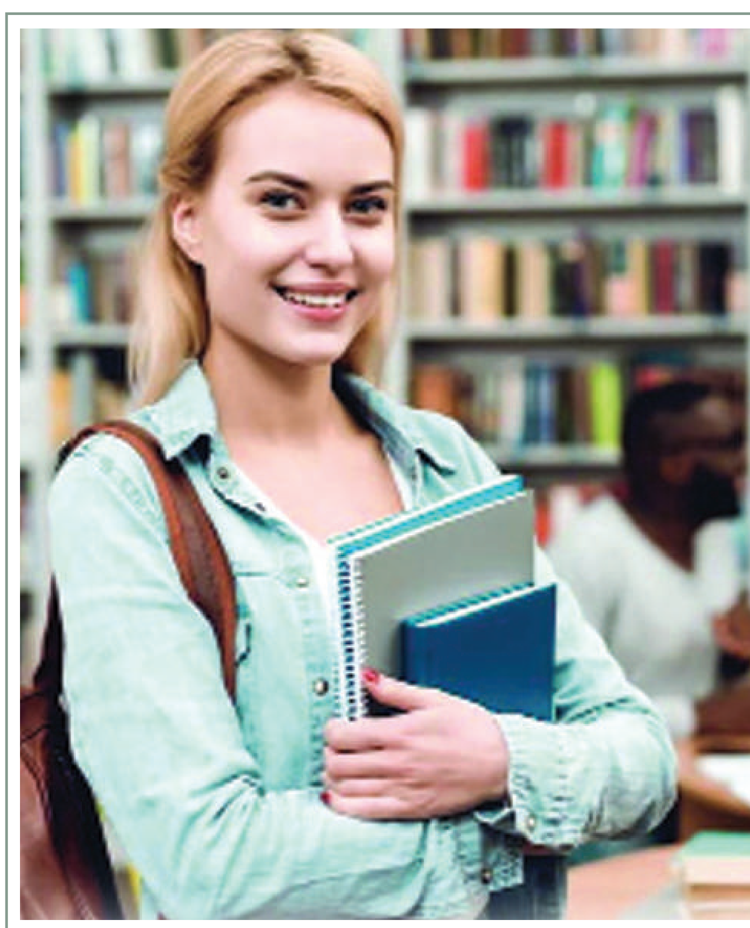

कॅरियर में चाहिए तरक्की, ब्रिज मेंटरशिप से मिलेगी सफलता की नई राह

अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने कॅरियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

आज के युग में प्रतिस्पर्धा चल रही है, फिर चाहे आप स्टूडेंट हों या फिर नौकरी की तलाश कर रहे हों। हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में सभी को किसी न किसी मेंटर की जरूरत होती है। मेंटरशिप में एक से अधिक एक्सपीरियंस व्यक्ति किसी अन्य पेशेवर के साथ बुद्धिमत्ता और ज्ञान साझा करते हैं। जिससे कि उनको आगे बढ़ने में सहायता मिल सके। अधिक एक्सपीरियंस वाले व्यक्ति को मेंटर कहा जाता है। आमतौर पर मेंटर अपने कॅरियर या शिक्षा में आगे होते हैं। ऐसे में वह नए लोगों को अपने अनुभव के आधार पर मोटिवेट कर उनका मोटिवेट करते हैं और रोल मॉडल के रूप में अपना काम कर सकते हैं।

ब्रिज मेंटरशिप

एक रिसर्च से पता चलता है कि 71त्न मेंटर अपने ही पेशे वाले कर्मचारियों का मार्गदर्शन करना पसंद करते हैं। इस अवधारणा को ब्रिज मेंटरशिप कहा जाता है। जहां पर मेंटर और मेटी नियमित रूप से आमने-सामने मिलते हैं। जिससे के दोनों तरफ से साझेदारी बनाई जा सके। इस प्रोसेस के दौरान मेंटी को मेंटर के दृष्टिकोण, अनूठे अनुभवों और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की गहरी समझ हासिल करने में सहायता मिलती है। यह प्रक्रिया प्रशिक्षण के साथ सहानुभूति और अंतर-सांस्कृतिक संचार को बढ़ावा देती है।

बातचीत को करें प्रोत्साहित

अधिकतर मेंटरशिप की तरह ही ब्रिज मेंटरशिप के अपने कुछ दिशा-निर्देश होते हैं। जिनमें मेंटी और मेंटर दोनों की तरफ से विश्वास और गोपनीयता शामिल है। इस आधार पर एक सहायक और सेफ वातावरण बनता है। जिससे दोनों तरफ से खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलता है। यह प्रोसेस दोनों पक्ष के स्तर पर विजय पाने में सहायता करती है। वहीं सभी लोगों के लिए एक सांस्कृतिक रूप से समक्ष कार्य का वातावरण का निर्माण करती है।

कार्यक्रमों में लें हिस्सा

आप अपने क्षेत्र या अपने विशिष्ट समुदायों के भीतर संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से ब्रिज मेंटरशिप के लिए आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने नेटवर्क को बढ़ा सकते हैं। इससे आपको उन लीडर्स तक पहुंचने में सहायता मिलेगी, जोकि उच्च पदों पर कार्यरत हैं। साथ ही आपकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी भलीभांति परिचित हैं।

खोजें ऐसे सेंटर

बता दें कि आप ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ऐसे प्लेटफॉर्म खोज सकते हैं, जो मेंटर से मिलाने पर फोकस करते हैं। वहीं आप अपने संगठन के अंदर एक ऐसी परियोजना में हिस्सा ले सकते हैं, जिसमें तमाम विभागों या फिर कार्यात्मक क्षेत्रों के लोग एक साथ मिलकर काम करते हैं। इसके अलावा दूसरे विभागों के लीडर्स से भी मिल सकते हैं। ब्रिज मैटरशिप के लिए आपको सुरक्षित क्षेत्र से बाहर निकलना होता है। जहां पर आप संभावित सेंटरों से मिलने के लिए कह सकते हैं, जिससे कि आप उनके विचारों को जान सकें। साथ ही यह भी कि क्या वह इस रिश्ते को आगे बढ़ाना चाहते हैं।

Rashtria Mukhyadhara
राष्ट्रीय मुख्यधारा
राष्ट्रवादी चेतना प्रवाहक

बिग बॉस-20 में इमोशनल हुईं माही विज

रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' के घर में कंटेस्टेंट माही विज और मैरी कॉम के बीच किचन की राजनीति ने घर का माहौल गरमा दिया है। हाल ही के एपिसोड में माही विज ने अमन गांधी से बात करते हुए यह मुद्दा उठाया कि मैरी कॉम किचन में पक्षपात करती हैं और अपने दोस्तों को ज्यादा खाना देती हैं। इस मुद्दे पर बात करते हुए माही विज काफी इमोशनल नजर आईं। उन्होंने साफ कहा कि उनकी मैरी कॉम से कोई निजी दुश्मनी नहीं है, बस किचन में जो पक्षपात हो रहा है, उससे उन्हें तकलीफ हुई है। अमन से बात करते हुए माही विज ने इस बात को अपने बचपन की यादों से जोड़ा और बताया कि लोअर मिडिल क्लास परिवार से आने की वजह से उन्होंने ऐसी घटनाओं को अलग तरीके से महसूस किया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मैरी कॉम से कोई परेशानी नहीं है लेकिन जिस तरह से वह किचन में पक्षपात करती हैं, वह अच्छा नहीं लगता है और मुझे अपने बचपन की याद आने लगती है।' माही ने किचन में हो रहे भेदभाव और राजनीति को लेकर अपनी परेशानी बताते हुए याद किया कि कैसे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति की वजह से उन्हें बचपन में सामाजिक मौकों पर असहज महसूस होता था। उन्होंने कहा कि बचपन के उस दुखद अनुभव के बावजूद, आज भी वह उस रिश्तेदार के बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार रखती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं लोअर मिडिल क्लास फैमिली से हूं, हम बचपन में कभी रेस्टोरेंट नहीं गए थे और बस रिश्तेदारों के साथ ही गए थे। एक बार मेरी बहन ने उनसे कहा कि मुझे कॉर्न सूप पीना है, तो उन्होंने उससे कहा था कि तेरा बाप दे रहा है पैसे? और आज भी मैं उनके बच्चों के साथ अच्छे से पेश आती हूं और आज उन सबमें मैं सबसे ज्यादा कामयाब हूं।' 'बिग बॉस 20' में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को घर में लाया गया है। शो में एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा रिखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिति तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउट ओपी, रोहेद खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने अंकित गुप्ता के साथ अपने ब्रेकअप पर बात की

टीवी अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी इन दिनों रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में नजर आ रही हैं। इन सबके बीच अब अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में आ गई हैं। दरअसल, कई वर्षों से ऐसी खबरें आती रही कि वह 'उड़ारियां' के को-स्टार अंकित गुप्ता को डेट कर रही थीं, लेकिन पिछले साल दोनों का ब्रेकअप हो गया। अब बालाजी टेलीफिल्म्स के पॉडकास्ट 'ऑनेस्टली व्हाई नॉट' में प्रियंका ने पहली बार अंकित के साथ अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वह अंकित से शादी करना चाहेंगी।

उन्होंने पहली बार अपने ब्रेकअप का जिक्र करते हुए कहा, 'यह उसके और मेरे बीच की बात है। कई बार किसी रिश्ते का अच्छा होना सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि दो लोग साथ हैं या नहीं।' बातचीत के दौरान होस्ट ने प्रियंका से पूछा कि अगर अंकित सही लोगों के साथ नहीं हैं, तो उन्हें सही दिशा कौन दिखा सकता है। इस पर 'नागिन 7' की एक्ट्रेस ने कहा, 'कोई भी किसी दूसरे को दिशा नहीं दिखा सकता। हम दोनों काफी समझदार हैं, हमने अपनी जिंदगी खुद बनाई और आगे भी खुद ही बनाएंगे। मैं उनकी जिंदगी में क्या चल रहा है, उसमें नहीं जाना चाहती। हम सभी बड़े हो चुके हैं और जिंदगी देख चुके हैं, इसलिए हमें पता है कि क्या करना है। एक-दूसरे के साथ रहकर उन्हें गाइड करना, मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ होगा। वह बहुत अच्छे इंसान हैं।'

ब्रेकअप पर बोलीं प्रियंका

जब प्रियंका से पूछा गया कि क्या उन्हें अंकित से ब्रेकअप करने का अफसोस है और उनके मुताबिक उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की उनकी जगह ले सकती है, तो अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अपनी जिंदगी में किसी भी चीज का अफसोस नहीं है। मैंने जो भी फैसला लिया, वह ठीक है। और मैं कौन होती हूं यह तय करने वाली कि उनकी जिंदगी में कौन सी लड़की मेरी जगह ले सकती है? एक्स को एक्स ही रहने दो।'

जनता की आवाज बन सवाल पूछने निकलीं परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'शक- ट्रस्ट नो वन' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उनकी आगामी फिल्म 'रिपोर्टिंग लाइव' की भी खूब चर्चा है और आज शनिवार को इसका ट्रेलर जारी कर दिया गया है। अभिनेत्री इस बार खनन माफियाओं का पर्दाफाश करने निकली हैं। मगर, मंजिल आसान नहीं है। ट्रेलर की शुरुआत में परिणीति चोपड़ा को दिखाया गया है। पत्रकार के रूप में वे एक अधिकारी का साक्षात्कार करने पहुंची हैं। एक दुर्घटना का जिक्र करती हैं। अधिकारी लापरवाही से कहता है, 'पुराना पुल था। दुर्घटना हो गई। आप रिपोर्टर एक ही चीज को कितनी बार रगड़ोगे'। दूसरा सवाल होता है, इस वक्त आपके जिले में अवैध रेत खनन की क्या स्थिति है? यह सुन अधिकारी चौंक जाता है और कहता है, 'अवैध खनन को रोकने के लिए कानून बनाया है। कोई सवाल ही नहीं है'। परिणीति चोपड़ा एक खोजी पत्रकार के रूप में नजर आई हैं। वे अपनी इन्वेस्टिगेशन पर निकलती हैं। मगर, माफियाओं का खौफ है। रिपोर्टिंग के दौरान उन्हें सतर्क किया जाता है कि कैमरा दिख गया तो मारे जाएंगे। वे चौंकती हैं। रेत के लिए? तब उन्हें बताया जाता है कि 'यह ब्राउन गोल्ड है मैडम। इसे मामूली मत समझिए'। धीरे-धीरे अवैध रेत खनन और माफियाओं की मनमानी को लेकर और परतें खुलती हैं।

कब रिलीज होगी 'रिपोर्टिंग लाइव'

खोजी पत्रकारिता के दौरान खौफ भी है और खतरे भी। मगर, इरादे बुलंद हैं। परिणीति बेखौफ होकर निकल जाती हैं। परिवार से कहती हैं, 'इस बार हार गई तो हमेशा के लिए हार जाऊंगी'। चुनौती कम नहीं होतीं। क्या परिणीति माफियाओं का पर्दाफाश कर पाएंगी या हार जाएंगी? इसका खुलासा फिल्म में होगा। फिलहाल ट्रेलर काफी दिलचस्प है। यह फिल्म 09 अक्तूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

हॉरर-कॉमेडी से डेब्यू करेंगे यशवर्धन आहूजा

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा जल्द ही बतौर अभिनेता हिंदी सिनेमा में अपनी पारी शुरू करने जा रहे हैं। उनकी पहली फिल्म ओरिजिनल हॉरर-कॉमेडी है, जिसे साजिद खान करीब एक दशक बाद निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ फैमिली ड्रामा भी कहानी का हिस्सा है। फिल्म का निर्माण अमर बुटाला कर रहे हैं और बालाजी इसके स्टूडियो पार्टनर हैं। फिल्म की सेटिंग भी इसके जॉनर की तरह अलग है। कहानी किसी वास्तविक शहर या गांव की लोककथा पर आधारित नहीं है, बल्कि एक काल्पनिक छोटे गांव में घटती है। यहां किसी वास्तविक जगह से जुड़ी मान्यता, किंवदंती या स्थानीय हॉरर स्टोरी को आधार नहीं बनाया गया है। इस लिहाज से फिल्म का सिनेमाई संसार पूरी तरह फिक्शनल है। हॉरर को किसी खास वास्तविक जगह से जोड़ने के बजाय कहानी के किरदारों और उनके पारिवारिक हालात से पैदा किया गया है। इसलिए इसे पारंपरिक लोककथा आधारित हॉरर के बजाय फैमिली-सिचुएशनल हॉरर-कॉमेडी के तौर पर देखा जा सकता है। यशवर्धन फिल्म में एक नौकरीपेशा युवक की भूमिका निभा रहे हैं। उसकी जिंदगी की एक बड़ी समस्या शादी है। शादी नहीं हो पाने की वजह से वह निजी और पारिवारिक दबाव से गुजर रहा है। यही स्थिति कहानी में कॉमेडी और फैमिली ड्रामा की जमीन तैयार करती है। इसके बाद कहानी किस तरह हॉरर की तरफ बढ़ती है, यह फिल्म का सस्पेंस है। साजिद खान की यह फिल्म उनके निर्देशन करियर के लिहाज से कमबैक प्रोजेक्ट है।

'हे बेबी' और 'हाउसफुल' जैसी फिल्मों से कॉमेडी जॉनर में पहचान बनाने वाले साजिद इस बार सिर्फ कॉमेडी पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने हॉरर, कॉमेडी और फैमिली ड्रामा को एक ही कहानी में पिरोया है।

कपिल कौस्तुभ शर्मा की फिल्म ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है के साथ तनिशा मुखर्जी की पर्दे पर वापसी

मुंबई पाँच साल बाद तनिशा मुखर्जी बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और इस बार उनके साथ है फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की कहानी ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है। मार्गाओ फाइल्स की सफलता के बाद कपिल अब एक ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं, जो पूरी तरह ज़िंदगी के छोटे-बड़े पलों से जुड़ी है और कई दशकों का सफर तय करती है। यह फिल्म दिखाती है कि वक्त के साथ इंसान, रिश्ते और जज़्बात किस तरह बदलते जाते हैं।

मुंबई की पारसी कम्युनिटी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म 1990 के दशक से लेकर 2025 तक का सफर तय करती है और इसमें रोमांस, ह्यूमर और इंसानी जज़्बात का खूबसूरत मेल देखने को मिलेगा। फिल्म के सेंटर में हैं तनिशा मुखर्जी, जिनका किरदार ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से गुजरता है। कपिल के लिए तनिशा को कास्ट करना सिर्फ किसी जाने-पहचाने चेहरे को दोबारा पर्दे पर लाने की बात नहीं थी, बल्कि ऐसे एक्टर की तलाश थी, जो अलग-अलग उम्र के पड़ावों में इस किरदार को पूरी ईमानदारी के साथ जी सके। तनिशा की वापसी और फिल्म के बारे में बात करते हुए डायरेक्टर कपिल कौस्तुभ शर्मा कहते हैं, तनिशा एक ऐसी एक्टर हैं जिनमें एक खास तरह की इमोशनल क्वालिटी है, जो इस किरदार के लिए बहुत जरूरी थी। कहानी ज़िंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि कोई ऐसा कलाकार हो, जो इस सफर में ईमानदारी और गहराई ला सके। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए एक बहुत पर्सनल फिल्म है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम ज़िंदगी की खूबसूरती के बारे में है और मुझे लगता है कि तनिशा ने इस किरदार में एक बेहद खास संवेदनशीलता लाई है।

फिल्म में कपिल की कोशिश सिर्फ कहानी सुनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि असली माहौल और असली लोकेशन्स को पर्दे पर उतारने की भी है। फिल्म के कई हिस्सों की शूटिंग साउथ मुंबई और दादर पारसी कॉलोनी के ऑथेंटिक पारसी घरों में की गई है। फिल्म को डेवलप करते वक्त कपिल ने पारसी कम्युनिटी के लोगों के साथ भी करीब से काम किया, ताकि फिल्म में उनकी संस्कृति, तौर-तरीके और बोलचाल का अंदाज़ पूरी तरह असली महसूस हो। डिटेलिंग पर यह खास ध्यान कपिल के फिल्ममेकिंग अप्रोच का हिस्सा रहा है। अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो से अपने डेब्यू से लेकर डन्नो वाय ना जाने क्यों, डन्नो वाय 2... लाइफ इज़ अ मोमेंट और लव इज़ लव जैसी फिल्मों तक, कपिल ने अलग-अलग विषयों और फॉर्मेट्स में कहानियां कही हैं। लेकिन उनकी कहानियों में इंसानी रिश्ते हमेशा एक अहम हिस्सा रहे हैं। ज़िंदगी फिर भी खूबसूरत है में कपिल ने कई जिम्मेदारियां अपने कंधों पर ली हैं। फिल्म को लिखने और डायरेक्ट करने के साथ-साथ वह इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं और इसमें एक्टिंग भी कर रहे हैं। वह फिल्म में एक पारसी किरदार निभा रहे हैं, जिसका सफर अलग-अलग उम्र के पड़ावों से होकर गुजरता है। इसी वजह से कहानी के बड़े उम्र वाले हिस्सों के लिए उन्हें फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से भी गुजरना पड़ा है।

नए डायरेक्टर के साथ काम करने पर बोले आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक पाकिस्तानी जासूस बिलाल अहमद के किरदार में नजर आएंगे, जिसे अपनी याद्दाश्त खोने के बाद यकीन होने लगता है कि वह भारतीय है। फिल्म को लेकर उत्साहित आयुष्मान ने कहा कि वह किसी फिल्म को साइन करते समय यह नहीं देखते कि डायरेक्टर पहली फिल्म बना रहा है या दसवीं। उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है कहानी और उसे लेकर फिल्ममेकर का विजन।

बता दें कि आयुष्मान अपने करियर में लगातार ऐसी फिल्मों का हिस्सा बने है, जिनमें एंटरटेनमेंट के साथ अलग और मजबूत कहानी भी हो। 'दम लगा के हईशा', 'शुभ मंगल सावधान', 'ड्रीम गर्ल', 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' और 'डॉक्टर जी' जैसी फिल्मों में काम करने के बाद अब वह 'उड़ता तीर' में राइटर आकाश ए. कौशिक के साथ नजर आएंगे। नए डायरेक्टर्स के साथ काम करने को लेकर आयुष्मान ने कहा, ''मेरे लिए स्क्रिप्ट हमेशा सबसे पहले आती है। मैं यह नहीं देखता कि कोई फिल्ममेकर अपनी पहली फिल्म डायरेक्ट कर रहा है या दसवीं। मैं यह देखता हूं कि उनके पास ऐसी कहानी और विजन है या नहीं, जो मुझे आकर्षित कर सके। मेरे करियर में सबसे यादगार अनुभव नए और अलग तरह के लोगों के साथ काम करने से आए हैं।'' उन्होंने कहा, ''नए फिल्ममेकर्स अपने साथ एक अलग तरह की भूख, ताजगी और हिम्मत लेकर आते हैं। उनमें जानी-पहचानी कहानियों को अलग नजरिए से देखने का साहस होता है। मैंने हमेशा माना है कि अगर किसी कहानी के पीछे विश्वास मजबूत है, तो उसे सपोर्ट किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हर नया डायरेक्टर सेट पर एक अलग एनर्जी लेकर आता है। 'उड़ता तीर' में मुझे सिर्फ इसका जॉनर ही अपनी तरफ नहीं खींच रहा था, बल्कि आकाश ने जो दुनिया बनाई थी, वह भी मुझे बहुत पसंद आई। ऐसी स्क्रिप्ट मिलना आसान नहीं है, जो भ्रम, मजेदार, इमोशनल जैसी भावनाओं को एक साथ लेकर आए। साथ ही, जो किसी बड़े विचार से जुड़ी हो।'' आयुष्मान ने कहा, ''मैं आकाश के विजन में पूरी तरह उतरना चाहता था और अपने किरदार को खुद को एक ऐसी जगह ले जाने देना चाहता था, जिसकी मैंने पहले से उम्मीद नहीं की थी। फिल्म की यही अलग दुनिया और किरदार मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ लेकर आई।''

'दृश्यम 3' से डरे आयुष्मान खुराना, टली उड़ता तीर की रिलीज डेट

अपकमिंग फिल्म 'उड़ता तीर' अपने ट्रेलर और चल रहे प्रमोशन से काफी चर्चा बटोर रही है। फिल्म को लेकर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में मेकर्स ने बड़ा फैसला लेते हुए इसकी रिलीज डेट बढ़ा दी है। आइए जानते हैं इसकी क्या वजहें हैं? आपको बता दें कि अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म अगले कुछ दिनों तक अच्छा कलेक्शन करेगी। ऐसे में 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने समझदारी भरा फैसला लेते हुए फिल्म की रिलीज की तारीख 9 अक्तूबर से आगे बढ़ा दी है। अब यह फिल्म 23 अक्तूबर को रिलीज होगी।

फिल्म 'दृश्यम 3' के अलावा आज सिनेमाघरों में 'प्रेम कीटाणु' भी रिलीज हुई है। 16 अक्तूबर को यामी गौतम की फिल्म 'नई नवेली' रिलीज होने वाली है। वहीं 16 अक्तूबर को राज कुमार राव की 'प्रहार' भी रिलीज होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स ने अक्तूबर के महीने में रिलीज होने वाली फिल्मों का आकलन किया। उन्होंने इस भीड़ से बचने के लिए और 'उड़ता तीर' को ज्यादा स्क्रीन देने के लिए यह बड़ा फैसला लिया। फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही सारा अली खान, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव और राम कपूर भी हैं। फिल्म अब 23 अक्टूबर के वीकेंड पर रिलीज होगी। उम्मीद है कि सिनेमाघरों में रिलीज से पहले इसका और प्रमोशन किया जाए।